



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 21] नई दिल्ली, शनिवार, मई 23, 1981 (ज्येष्ठ 2, 1903)

No. 21] NEW DELHI, SATURDAY, MAY 23, 1981 (JYAIESTHA 2, 1903)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या की जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

[PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेज विभाग और भारत सरकार के संसाधन और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 5 मार्च 1981

सं. ए० 32014/3/80-प्रशा० II—संघ लोक सेवा आयोग की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 12-11-80 के अनुक्रम में सचिव, संघ लोक सेवा आयोग एतद्वारा निम्नलिखित अधिकारियों को 1-3-1981 से 6 मास की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में अधीक्षक (त० सं०) के पद पर तदर्थी आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

क्र० सं० नाम

1. श्री एम० एम० शर्मा
2. श्री जगदीश लाल
3. श्रीमती डी० जे० लल्यानी
4. श्रीमती राज सेठी
5. कुमारी मुद्रशंक हाँडा
6. श्री आर० प्रार० भरद्वाज

1—76GI/81

2. उपर्युक्त अधिकारियों को अवगत कर लेना चाहिए कि अधीक्षक (त० सं०) के पद पर उनकी तदर्थ नियुक्ति से उन्हें उक्त ग्रेड में नियमित विलियन का अथवा वरिष्ठता का स्वतः हक नहीं मिलेगा।

दिनांक 21 अप्रैल 1981

सं. ए० 32016/3/80-प्रशा० II—सचिव, संघ लोक सेवा आयोग एतद्वारा श्री श्री० पी० सूद, अन्वेषक (त० सं०) को, 8-4-1981 से 23-5-81 तक की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक जो भी पहले हो श्री एस० सी० मस्ताना, अधीक्षक, (त० सं०) जिन्हें अवकाश द्योत्तर दिलाई गया है, के स्थान पर अधीक्षक (त० सं०) अधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य नियुक्त करते हैं।

अधीक्षक (त० सं०) के पद पर श्री श्री० पी० सूद, की नियुक्ति पूर्णतः तदर्थी अस्थायी आधार पर है और इससे उक्त ग्रेड में विलियन अथवा वरिष्ठता का उन्हें कोई हक नहीं मिलेगा।

(6583)

दिनांक 24 अप्रैल 1981

सं० ए० 32014/4/80-प्रशा०-II—इस कार्यालय की समसंबंधिक अधिसूचना दिनांक 12-1-1981 के अनुक्रम में सचिव, संघ लोक सेवा आयोग एवं द्वारा इस कार्यालय के स्थायी सम्पदा पर्यवेक्षक श्री आर० पी० सिंह को 18-4-81 से तीन मास की आगामी अवधि के लिए अथवा आगामी आदेश तक, जो भी पहले हो, रु 650-30-740-35 810-इ० रो०-35-880-40-1000-इ० रो०-40-1200 के वेतनमान में संपदा प्रबंधक एवं बैठक अधिकारी के पद पर तर्वर्य आधार पर स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

पी० एस० राणा,  
अनुभाग अधिकारी,  
कृत्ति सचिव,  
संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 30 अप्रैल 1981

सं० ए० 38013/5/80-प्रशा०-III—संघ लोक सेवा आयोग के स्थाई सहायक तथा अनुभाग अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप में कार्यरत श्री बी० एल० शर्मा को राष्ट्रपति द्वारा कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग के का० ज्ञा० सं० 33/12/73-स्था० (क) दिनांक 24/11/1973 की गती के अनुसार 30-4-81 के अपराह्न से बार्दूक्य निर्वतन आयु हो जाने के कारण सरकारी सेवा से निवृत्ति की सहर्ष अनुमति प्रदान की गई है।

वाई० आर० गांधी,  
उप सचिव  
प्रशासनिक अधिकारी  
संघ लोक सेवा आयोग

गृह मंत्रालय  
महानिदेशक का कार्यालय

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110019, दिनांक 23 अप्रैल 1981

सं० ई०-38013(4)/5/81-कार्मिक—पदोन्नति होने पर श्री पी० के० दासगुप्ता ने श्री श्यामल राय, सहायक कमांडेंट के स्थान पर, 23 मार्च, 1981 के पूर्वाह्न से के० ओ० सु० ब० यूनिट एच० एस० एस० स्टाक याई, कलकत्ता के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार संभाल लिया। बी० सी० सी० एल० शरिया में स्थानान्तरित होने पर श्री राय ने उसी तारीख से उक्त पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 30 अप्रैल 1981

सं० ई०-16016/3/81-कार्मिक—सीमा सुरक्षा बल से प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरित होने पर श्री पी० डी० भगत ने दिनांक 16 अप्रैल, 1981 के अपराह्न से महानिदेशक का

कार्यालय, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, नई दिल्ली में अनुभाग अधिकारी के पद का कार्यभार संभाल लिया।

दिनांक 2 मई 1981

सं० ई०-38013(4)/5/81-कार्मिक—पदोन्नति होने पर, श्री डी० एम० डे ने 23 मार्च, 1981 के पूर्वाह्न से के० ओ० सु० ब० यूनिट, बी० सी० सी० एल० शरिया के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ई०-38013(4)/5/81-कार्मिक—पदोन्नति होने पर, श्री टी० नाथ ने 30 मार्च, 1981 के पूर्वाह्न से के० ओ० सु० ब० यूनिट ए० एस० पी० दुर्गापुर, के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ई०-38013(4)/5/81-कार्मिक—बी० सी० सी० एल०, शरिया में स्थानान्तरण होने पर, श्री बी० मिश्रा ने 16 मार्च, 1981 के पूर्वाह्न से के० ओ० सु० ब० यूनिट भिलाई इस्पात लि० भिलाई के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई०-38014(4)/5/81-कार्मिक—पदोन्नति होने पर, श्री के० आर० पिल्लै ने 27 मार्च, 1981 के अपराह्न से के० ओ० सु० ब० यूनिट, दुर्गापुर स्टील प्लांट, दुर्गापुर के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ई०-38013(4)/5/81-कार्मिक—पदोन्नति होने पर, श्री ए० एस० पनेशर ने 25 मार्च, 1981 के पूर्वाह्न से के० ओ० सु० ब० यूनिट दुर्गापुर स्टील प्लांट, दुर्गापुर के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ई०-38013(4)/5/81-कार्मिक—पदोन्नति होने पर, श्री बी० सी० जोशी ने 19 मार्च, 1981 के अपराह्न से के० ओ० सु० ब० यूनिट बोकारो स्टील लिमिटेड बोकारो के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ई०-38013(4)/5/81-कार्मिक—पदोन्नति होने पर श्री एस० एश० प्रधान ने 27 मार्च, 1981 के पूर्वाह्न से के० ओ० सु० ब० यूनिट, एम० ए० एम० सी० दुर्गापुर के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ई०-38013(4)/5/81-कार्मिक—पदोन्नति होने पर श्री बी० एन० मुखर्जी ने 25 मार्च, 1981 के पूर्वाह्न से के० ओ० सु० ब० यूनिट बी० सी० सी० एल० शरिया के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार संभाल लिया।

प्रकाश सिंह,  
सहायक महानिरीक्षक (कार्मिक)

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 28 अप्रैल 1981

सं० 10/56/79-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, इस कार्यालय की तारीख 15 जनवरी, 1980 की समसंबंधिक अधिसूचना के अनुक्रम में नई दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय

में सहायक निदेशक (प्रीप्राम) के पद पर कार्यरत श्री बी० बी० राव को उसी कार्यालय में 31 अगस्त, 1981 तक की अवधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए, जो भी अवधि पहले हो, पूर्णतः अस्थाई और तदर्थ आधार पर इस कार्यालय की तारीख 15 जनवरी, 1981 की समसंबंधित अधिसूचना के पैरा 3 में दी गई शर्तों के अंतर्गत सिस्टम एनालिस्ट के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री राव का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

सं० 11/8/80-प्रश्ना०-१—राष्ट्रपति, महाराष्ट्र सिविल सेवा के अधिकारी श्री एस० बी० वैरागड़े को महाराष्ट्र बम्बई में जनगणना कार्यालय में तारीख 13 फरवरी, 1981 के पूर्वाह्न से 1 वर्ष से अनधिक अवधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए, जो भी अवधि कम हो, तदर्थ आधार पर, स्थानान्तरण द्वारा प्रतिनियुक्ति पर उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं,

2. श्री वैरागड़े का मुख्यालय जलगांव में होगा।

सं० 11/21/81-प्रश्ना०-१—राष्ट्रपति, उत्तर प्रदेश, लखनऊ में जनगणना कार्यालय में अधिकारी के पद पर कार्यरत श्री आर० एस० मौर्य को उसी कार्यालय में तारीख 13 अप्रैल, 1981 के पूर्वाह्न से 1 वर्ष से अनधिक अवधि के लिए या जब तक नियमित आधार पर भरा जाए, जो भी अवधि कम हो, पूर्णतः अस्थाई और तदर्थ आधार पर सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर पदोन्नति द्वारा सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री मौर्य का मुख्यालय लखनऊ में होगा।

सं० 11/95/79-प्रश्ना०-१—राष्ट्रपति, इस कार्यालय की तारीख 14-9-1979 की अधिसूचना सं० 10/31/79-प्रश्ना०-१ के अनुक्रम में भारत के महापंजीकार के कार्यालय के अनुभाग अधिकारी श्री एस० राजगीणासन को उसी कार्यालय में तारीख 31 अगस्त, 1981 तक की भी अवधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए, जो भी अवधि पहले ही, पूर्णतः अस्थाई और तदर्थ आधार पर प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा उप निदेशक के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री राजगीणासन का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

सं० 11/99/79-प्रश्ना०-१—पश्चिम बंगाल सिविल सेवा के अधिकारी और इस समय पश्चिम बंगाल, कलकत्ता में जनगणना कार्यालय में प्रतिनियुक्ति पर उप निदेशक, जनगणना कार्य के पद पर कार्यरत श्री जयप्रकाश राव के पश्चिम बंगाल सरकार को प्रत्यावर्तित होने के परिणामस्वरूप उनको सेशन दिनांक 10 अप्रैल, 1980 के अपराह्न से पश्चिम बंगाल सरकार के सुपुर्द की जाती है।

पी० पर्यनाथ,  
भारत के महापंजीकार

विस मंत्रालय

(प्रथ कार्य विभाग)

भारत प्रतिभूति मुद्रणालय

नासिक रोड, दिनांक 2 मई 1981

सं० 192/ए०—महाप्रबन्धक भारत प्रतिभूति मुद्रणालय नासिक रोड, इसके द्वारा श्री जी० ए० पगारे को 28 मार्च, 1981 के पूर्वाह्न से 6 महीने के लिए तदर्थ रूप में अथवा यह पद नियमित रूप में इसके पहले भरा जाए तब तक के लिए सुरक्षा अधिकारी के पद पर नियुक्त करते हैं। चलार्थ पद मुद्रणालय नासिक रोड में।

पी० एस० शिवराम  
महाप्रबन्धक

होमांगाबाद, दिनांक 27 अप्रैल 1981

सं० 7(53)/९९४—इस कार्यालय के दिनांक 12/७/८० की अधिसूचना क्रमांक 7(53)/६०१३ के तारतम्य में श्री बी० आर० बरमेया, फोरमैन (विद्युत) की तदर्थ रूप से की गई नियुक्ति 12/३/१९८१ अथवा जब तक यह पद नियमित रूप से नहीं भर लिया जाये, इनमें से जो भी पहले हो, तक के लिए बढ़ाई जाती है।

सं० ——इस कार्यालय की अधिसूचना क्रमांक 7(53)/९९४ दिनांक 27 अप्रैल, 1981 के तारतम्य में श्री बी० आर० बरमेया को दिनांक 13-३-१९८१ से अग्रिम आदर्शों तक नियमित आधार पर सहायक अधिकारी (विद्युत) के पद पर पदोन्नति किया जाता है। वे दो वर्ष की अवधि तक परिकीक्षाधीन रहेंगे, जिसमें वह अवधि सम्मिलित रहेगी, जिस अवधि में तदर्थ आधार पर कार्य किया अस्थिर 20-४-७९ से।

पी० रा० पाठक,  
महाप्रबन्धक

देवास, दिनांक 28 अप्रैल 1981

सं० बी० एन०पी०/सी०/५/८१—इस कार्यालय की अधिसूचना क्रमांक बी०एन०पी०/सी०/५/८० दिनांक 27-१-८१ अनुक्रम में निम्नलिखित अधिकारियों की तदर्थ नियुक्तियों की अवधि उनके नाम के सम्मुख दर्शायी गई तिथि तक उन्होंने शर्तों एवं नियंत्रणों पर बढ़ाई जाती है।

क्र०	नाम	पद जिस पर तदर्थ दिनांक जब नियुक्ति की तक तदर्थ नियुक्ति बढ़ाई गई
------	-----	------------------------------------------------------------------

1	2	3	4
1.	श्री बी० वेंट रमणी	तकनीकी अधिकारी	30-९-८१
		(मुद्रण एवं प्लेट नियंत्रण)	

1	2	3	4
2.	श्री आर० सी० अग्रवाल	तकनीकी अधिकारी (मुद्रण एवं प्लेट निर्माण)	30-9-81
3.	श्री अशोक जोशी	—यथा—	30-9-81

मु० वै० चार,  
महा प्रबन्धक

भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा विभाग  
भारत के नियंत्रक महालेखापरीक्षक का कार्यालय  
नई दिल्ली-110002, दिनांक 25 अप्रैल 1981

सं० वा०ले०प०-१/११३-७८—अपर उप नियंत्रक-महालेखापरीक्षक (वाणिज्यिक) ने श्री आर० आर० देशमुख लेखापरीक्षा अधिकारी (वाणिज्यिक) को जो सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा परिषम क्षेत्र, बम्बई के कार्यालय में कार्यरत थे, को कै० सि० सं० (पेशन) नियमावली 1972 के नियम 48 के उपबन्धों के अधीन दिनांक 6-4-81 से सरकारी सेवा से स्वेच्छापूर्वक सेवा निवृत्त होने की अनुमति देती है।

य० रा० सोमेश्वरराव,  
उप निदेशक (वा०)

कार्यालय निदेशक लेखा परीक्षा  
वाणिज्य, निर्माण कार्य एवं विविध  
नई दिल्ली, दिनांक 29 अप्रैल 1981

सं० प्र०-१/८/(७६)/१९८१/२५९/VI—भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक, भारत सरकार की सहमति से, श्री एस० एल० मल्होत्रा, लेखा परीक्षा अधिकारी के स्वनिवास बोर्ड, नई दिल्ली में स्थायी समावेशन हेतु दिनांक 1-8-1980 से स्वीकृति प्रदान करते हैं। केन्द्रीय सिविल सेवा पेशन नियम 1972 के नियम 37 के अनुसार वे भारत सरकार की सेवा से, बोर्ड में स्थायी समावेशन की तिथि में सेवा निवृत्त समझे जायेगे।

एम० एस० सरना,  
निदेशक लेखा परीक्षा

रक्षा लेखा विभाग

रक्षा लेखा महानियंत्रक का कार्यालय

नई दिल्ली-110022, दिनांक 29 अप्रैल 1981

सं० प्रशा०/१/१४०३/४/जिल्द-I—राष्ट्रपति निम्ननिखित स्थायी लेखा अधिकारियों को भारतीय रक्षा लेखा सेवा के नियमित सर्वर्ग के कनिष्ठेश्वर समय मान (रु० 700-1300)

में तदर्थं आधार पर छः महीने की अवधि के लिए स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए, सहर्ष नियुक्त करते हैं।

क्र०	नाम	नियुक्ति की तारीख
1.	श्री पी० बनर्जी	26-11-80
2.	श्री आर० नरसिंहम	10-12-80
3.	श्री ग्रोम प्रकाश	22-01-81
4.	श्री परिमल चटर्जी	26-11-80
5.	श्री पी० एस० बालासुमिण्यन	02-02-81
6.	श्री जे० एन० अग्रवाल	28-11-80 (मप्राह)
7.	श्री अमर नाथ गुप्ता	08-01-81
8.	श्री पी० एस० स्वामीनाथन	29-12-80
9.	श्री डी० कृष्णमूर्ति	13-01-81
10.	श्री एस० भारीरत्न	20-11-80
11.	श्री आर० एल० सहगन	12-01-81
12.	श्री जगदीश सिंह	29-11-80
13.	श्री लक्ष्मण दाम	28-11-80
14.	श्री मन मोहन सिंह	05-12-80

सी० वी० नगेन्द्र,  
रक्षा लेखा अपर महानियंत्रक (प्रशा०)

कार्यालय, निदेशक लेखा परीक्षा  
रक्षा सेवाएं

नई दिल्ली-110001, दिनांक 29 अप्रैल, 1981

सं० ४९५/ए०-प्रणाली/१३०/७९-८१—निदेशक लेखा परीक्षा, रक्षा सेवाएं अधीनस्थ लेखा सेवा के स्थायी सदस्य श्री पी० के० खण्डेनवाल को अतिरिक्त निदेशक लेखा परीक्षा (आयुध फैक्टरियों) कानपुर, के कार्यालय में दिनांक 24-3-81 (पूर्वाक्त) से स्थानापन्न लेखा परीक्षा अधिकारी के रूप में, अगले आदेश पर्यन्त, सहर्ष नियुक्त करते हैं।

इन्दर पाल सिंह  
संयुक्त निदेशक लेखा परीक्षा  
रक्षा सेवाएं

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय रक्षा लेखा नियंत्रक दक्षिण कमान

पुणे-411001, दिनांक 16 सितम्बर 1980

इस कार्यालय के संचय प्रशा० III/11310/एन० श्री आर० पी० श्री एन० बी० रविन्द्रन पिल्ले स्थायी लिपिक पुत्र के० जालकण्ण पिल्ले बिना पूर्व सूचना के अनुपस्थित है। उसे उसके ज्ञात पते पर पत्र दिया गया था जो इस

कार्यालय में लौटकर बापिस आया है। उसके ज्ञात पते पर आरोप पत्र भी भेजा गया था जो कि टपाल प्राधिकारियों द्वारा कैफियत के साथ कि “वह भारत के बाहर है” बापिस लौटाया गया है। अतः उसे भगोड़ा समझा जाता है। इसलिए अनुशासनिक प्राधिकारी द्वारा उसे दिनांक 4 सितम्बर 1980 से सरकारी सेवाओं से अलग करने का निर्णय मंत्रिभाव की 2(बी०) और 3 प्रनुच्छेत 311 में विदित जांच पड़ताल की क्रिपाविधि को पूर्ण किये बिना लिया गया है।

विं वा० भांडारकर  
मंत्रुक्त रक्त लेखा नियंत्रण,  
दक्षिण कमान पुणे।

#### रक्त मंत्रालय

डी० जी० श्री० एफ० मुख्यालय सिविल सेवा

आर्डनेस फैक्ट्री बोर्ड

कलकत्ता-700069, दिनांक 1 मई 1981

सं० II/81/ए०/ई०-१(एन०जी०)---आर्डनेस फैक्ट्रियों के महानिदेशक महोदय, श्री एस० सर्थपन, सीनियर नानकमीशनड अधिकारी प्रभारी, आर्डरली रुम, 115, एच० पू० एयर फोर्स, पार्कल 99, ए० पी० श्री० को दिनांक 16-३-८१ (पूर्वाह्न) से सहायक स्टाफ अधिकारी (ग्रुप बी० राजपत्रित) के हृष में नियुक्त करते हैं और श्री० ई० एफ० समूह मुख्यालय, कानपुर में तैनात करते हैं।

दिनांक 2 मई, 1981

सं० 12/81/ए०/ई०-१(एन०जी०)---आर्डनेस फैक्ट्रियों के महानिदेशक महोदय पर्सनल एवं एडमिनिस्ट्रेटिव रिफार्म विभाग, गृह मंत्रालय, नई दिल्ली के रिसर्च असिस्टेंट श्री दयानन्द सहरावत, को दिनांक 2-४-८१ (प्रपराह्न) से असिस्टेंट स्टाफ अफसर (ग्रुप 'बी' राजपत्रित) के पद पर नियुक्त करते हैं तथा श्री० ई० एफ० समूह मुख्यालय, कानपुर में तैनात करते हैं।

डी० पी० चक्रवर्ती  
ए० डी० जी० श्री० एफ०/प्रशा०  
कृते महानिदेशक, आर्डनेस फैक्ट्रियों

#### भारतीय अर्डनेस फैक्ट्रियों सेवा

आर्डनेस फैक्ट्री बोर्ड

कलकत्ता-16, दिनांक 27 अप्रैल 1981

सं० 19/81/जी०---वाधकर्य सेवा-निवृत्ति आयू (58 वर्ष) प्राप्त कर श्री एम० सी० पुरी स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक (मौलिक और स्थायी फोर्मैन) तारीख 31वीं अगस्त, 1980 (प्रपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

वी० के० मेहता,  
प्रर भारतीय अर्डनेस फैक्ट्रियों

#### बाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक, आयात-नियर्ति का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 25 अप्रैल, 1981

आयात तथा नियर्ति व्यापार नियंत्रण

स्थापना

सं० 6/533/58-प्रशा० (राज०)/2418---राष्ट्रपति, श्री प० रामचन्द्रन, केन्द्रीय सचिवालय सेवा के प्रवरण श्रेणी के अधिकारी और संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-नियर्ति को मुख्य नियंत्रक, आयात-नियर्ति के कार्यालय, नई दिल्ली में 14 जुलाई, 1980 के दोपहर पूर्व से अगला आदेश होने तक, नियर्ति आयुक्त के रूप में नियुक्त करते हैं।

मणि नारायणस्वामी

मुख्य नियंत्रक, आयात-नियर्ति

नई दिल्ली, दिनांक 24 अप्रैल, 1981

सं० 6/746/65-प्रशासन “राज०”/2434---उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-नियर्ति के कार्यालय, भोपाल में श्री पी० एन० मेहता स्थानापन्न नियंत्रक, आयात-नियर्ति को 2 सितम्बर, 1980 के पूर्वाह्न से स्वेच्छा से सरकारी नौकरी से निवृत्त होने की अनुमति दी गई है।

ए० एन० कोल,

उप मुख्य नियंत्रक, आयात-नियर्ति

नई दिल्ली, दिनांक 30 अप्रैल 1981

सं० 6/883/69-प्रशा० (राज०)/2542---सेवा निवृत्ति की आयु होने पर, संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-नियर्ति के कार्यालय, कलकता में श्री आर० आर० तत्वा, स्थानापन्न नियंत्रक आयात-नियर्ति को 31 मार्च, 1981 के अपराह्न से सरकारी सेवा में निवृत्त होने की अनुमति दी गई है।

सं० 6/528/58-प्रशा० “राज०”/2548---सेवा निवृत्ति की आयु होने पर, श्री जे० एस० सहोठा, केन्द्रीय सचिवालय सेवा की श्रेणी-१ में स्थानापन्न अधिकारी और इस कार्यालय में स्थानापन्न उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-नियर्ति को 31 मार्च, 1981 के अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त होने की अनुमति दी गई है।

सं० 6/1132/76-प्रशा० “राज०”/2558---सेवा निवृत्ति की आयु होने पर, संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-नियर्ति, बन्धू के कार्यालय में श्रीमती एस० एन० कोरेंगोंकर, स्थानापन्न नियंत्रक, आयात-नियर्ति को 31 मार्च, 1981 के अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त होने की अनुमति दी गई है।

ए० एन० कोल,

उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-नियर्ति

बन्धू मुख्य नियंत्रक, आयात-नियर्ति

#### उद्योग मंत्रालय

औद्योगिक विकास विभाग

विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 30 अप्रैल 1981

सं० 12/538/66-प्रशासन (राज०)---कामनवेल्प भवित्वालय के औद्योगिक विकास एकक, लन्दन में प्रतिनियुक्ति

पर सहायक निदेशक के रूप में नियुक्त हो जाने पर, श्री एस० सी० पाण्डे ने दिनांक 9 अप्रैल, 1981 (अपराह्न) से विकास आयुक्त (लघु उद्योग) के कार्यालय में औद्योगिक सलाहकार (रसायन) पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सी० सी० राय,  
उपनिदेशक (प्रशासन)

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन अनुभाग-1)

नई दिल्ली, दिनांक 30 अप्रैल 1981

सं० प्र-1/1(1172)/81—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान एतद्वारा निदेशक पूर्ति तथा निपटान मद्रास के कार्यालय में कनिष्ठ क्षेत्र अधिकारी श्री सी० आर० एम० सुलेमान को दिनांक 2-2-1981 के अपराह्न से और शार्गे आदेशों तक निदेशक पूर्ति तथा निपटान मद्रास के कार्यालय में स्थानापन्थ सहायक निदेशक (ग्रेड II) के रूप में तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

श्री सी० आर० एम० सुलेमान की सहायक निदेशक (ग्रेड I) के रूप में तदर्थ नियुक्ति से उन्हें नियमित नियुक्ति का कोई हक नहीं मिलेगा और उनके द्वारा की गई तदर्थ सेवा उस ग्रेड में वरीयता तथा पदोन्नति एवं स्थायीकरण के लिए नहीं गिनी जायेगी।

श्री सी० आर० एम० सुलेमान ने दिनांक 2-2-1981 के अपराह्न से निदेशक पूर्ति तथा निपटान मद्रास के कार्यालय में कनिष्ठ क्षेत्र अधिकारी का पदभार छोड़ दिया और सहायक निदेशक (ग्रेड-II) के पद का पद भार ग्रहण कर लिया।

दिनांक 1 मई 1981

सं० प्र-1/1(1173)/81—महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान एतद्वारा निदेशक पूर्ति तथा निपटान मद्रास के कार्यालय में कनिष्ठ क्षेत्र अधिकारी श्री के० वेंकिटासुब्रामनि को दिनांक 18-3-1981 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक निदेशक पूर्ति तथा निपटान बम्बई के कार्यालय में तदर्थ आधार पर स्थानापन्थ सहायक निदेशक (ग्रेड II) के रूप में नियुक्त करते हैं।

श्री के० वेंकिटासुब्रामनि की सहायक निदेशक (ग्रेड II) के रूप में तदर्थ नियुक्ति से उन्हे नियमित नियुक्ति का कोई हक नहीं होगा सथा उनके द्वारा की गई तदर्थ सेवा उस ग्रेड में वरीयता और पदोन्नति तथा स्थायीकरण के लिए नहीं गिनी जाएगी।

श्री के० वेंकिटासुब्रामनि ने निदेशक पूर्ति तथा निपटान मद्रास के कार्यालय में दिनांक 7-3-1981 के अपराह्न से कनिष्ठ क्षेत्र अधिकारी के पद का पदभार छोड़ दिया तथा निदेशक पूर्ति तथा निपटान बम्बई के कार्यालय में दिनांक

18-3-1981 के पूर्वाह्न को सहायक निदेशक (ग्रेड II) का पदभार ग्रहण कर लिया।

पी० डी० सेठ  
उप निदेशक (प्रशासन)  
हते महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान

इस्पात और खान मन्दिरालय

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक संबंध

कलकत्ता-700016, दिनांक 16 अप्रैल 1981

गुद्दि-पत्र

सं० 1641-डी/ए०-19012 (3-वी० एस० एन० पी० के०) 80-19-वी०—इस कार्यालय के दिनांक 9-1-81 की अधिसूचना सं० 048/ए०-19011 (3-वी० एन० एस० पी० के०) /80-19-वी० में नियुक्त सहायक रसायनज्ञ का नाम श्री वी० एन० एस० पी० कविता के स्थान पर श्री वी० एस० एन० पी० कविता पढ़ा जाए।

सं० 1650-डी/ए०-19012 (3-डी० एस० एम०) /80-19-वी०—श्री डी० एस० मानहंस को सहायक रसायनज्ञ के पद पर भारतीय भूवैज्ञानिक संबंध में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-1200 रु के वेतनमान में अस्थायी क्षमता में, आगामी अदेश होने तक, 29-1-81 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जा रहा है।

वी० एस० कृष्णस्वामी  
महानिदेशक

भारतीय खान व्यूरो

तागपुर, दिनांक 30 अप्रैल 1981

सं० ए०-19012(143)81-प्रशा० ए०—श्री एस० राम-मूर्ती को 9 अप्रैल, 1981 के अपराह्न से आगामी आदेश होने तक भारतीय खान व्यूरो में तदर्थ आधार पर प्रकाशन अधिकारी के पद पर नियुक्ति की जाती है।

दिनांक 9 मई 1981

सं० ए०-19011(225)/79-स्था० ए०—संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर राष्ट्रपति श्री एस० सी० तलूजा, सहायक अयस्क प्रसाधन अधिकारी को दिनांक 9 अप्रैल, 1981 के पूर्वाह्न से भारतीय खान व्यूरो में उप अयस्क प्रसाधन अधिकारी के पद पर नियुक्ति दी जाए।

सं० ए०-19012(119)/79-स्था० ए०—संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर राष्ट्रपति श्री के० टी० लुईस, सहायक अनुसंधान अधिकारी (अयस्क प्रसाधन) को दिनांक

31-3-1981 के अपराह्न से भारतीय खान व्यूरो में सहायक अधिकारी के पद पर नियुक्ति प्रदान करते हैं।

एस० वी० आनी  
कार्यालय अधिकारी  
भारतीय खान व्यूरो

### भारतीय सर्वेक्षण विभाग

#### महासर्वेक्षक का कार्यालय

देहरादून, दिनांक 28 अप्रैल 1981

सं० स्था० 1-5712/724-एस० श्री० एस०—श्री बजराज भट्टनागर को भारतीय सर्वेक्षण विभाग में सहायक भण्डार अधिकारी, सामान्य केन्द्रीय सेवा युग "बी०" (राजपत्रित) के अस्थाई पद पर 550-25-750-द० रो०-30-900 रु० के संशोधित वेतनमान में दिनांक 8 अप्रैल, 1981 तूर्चल से स्थानापन्थ रूप से नियुक्त किया जाता है।

घिनांक 1 मई 1981

सं० सी०-5713/913-एच०—श्री लक्ष्मण सिंह गुप्ताई-हिन्दी अनुवादक, भारतीय सर्वेक्षण विभाग में हिन्दी अधिकारी के पद पर (सामान्य सिधिल सेवा युग "बी०" पद) 650 30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-49-1200 रुपए के वेतनमान में दिनांक 18 अप्रैल, 1981 (पूर्वान्तर) से स्थानापन्थ रूप में नियुक्त किए जाते हैं।

के० एन० खोसला  
मेजर जनरल,  
भारत के महासर्वेक्षक  
(नियुक्ति प्राधिकारी)

### भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण

नई दिल्ली-11, दिनांक 29 अप्रैल 1981

सं० 14-3/81-एस० (टी०)-स्मारक (पर्यटन)—प्राचीन संस्मारक, पुरातात्त्विक स्थल अधिकारी नियमावली, 1959 के नियम-6 के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैं (के० एस० श्रीवास्तव), निदेशक (स्मारक), यह निदेश जारी करता हूँ कि राजगिरी पर्वत दुर्ग, जिजी, दक्षिण-प्रारकोट, जिला तमिलनाडु के स्मारकों में दिनांक 4 मई से 13 मई, 1981 तक 10 दिनों के लिए (इनमें दोनों तारीखें सम्मिलित हैं) देशी कमलाकार व्याघ्राम्बन के वापिक उत्सव के उपलक्ष्य में प्रवेश निःशुल्क होगा।

के० एम० श्रीवास्तव,  
निदेशक (स्मारक)

### आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 29 अप्रैल 1981

सं० 5(2)/68-एस०-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री के० के० श्रीवास्तव, प्रसारण निष्पादक, आकाश-

वाणी, लखनऊ को आकाशवाणी, कानपुर में 10 अप्रैल, 1981 से अगले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप में तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

सं० 5(6)/68-एस०-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री पी० एन० राजदान, प्रसारण निष्पादक, रेडियो कश्मीर, श्रीनगर को रेडियो कश्मीर, श्रीनगर में 1 अप्रैल, 1981 से अगले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप में तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

सं० 5(36)/68-एस०-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री के० के० पाठक, प्रसारण निष्पादक, आकाशवाणी, डिब्रूगढ़ को आकाशवाणी, डिब्रूगढ़ में 4 अप्रैल, 1981 से अगले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप में तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

सं० 4(42)/80-एस०-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्रीमती नरीमन खान शहद, प्रसारण निष्पादक, आकाशवाणी, शिलांग को आकाशवाणी, शिलांग में 28 मार्च, 1981 से अगले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 2 मई 1981

सं० 5(104)/67-एस०-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री माकेतानन्द सिंह, प्रसारण निष्पादक, आकाशवाणी, दरभंगा को आकाशवाणी दरभंगा में 21 अप्रैल, 1981 से अगले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

हरीश चन्द्र जयाल  
प्रशासन उप निदेशक  
कृते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 1 मई 1981

सं० 3/39/61-एस० दो—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री एस० सी० बसु, लेखाकार आकाशवाणी कलकत्ता को 31-3-81 (पूर्वान्तर) से एच० पी० टी० आकाशवाणी चित्तमुरा में तदर्थ आधार पर प्रशासनिक अधिकारी पद पर स्थानापन्थ रूप में नियुक्त करते हैं।

एस० वी० सेषाद्री  
उपनिदेशक प्रशासन  
कृते महानिदेशक

### स्वास्थ्य मेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 24 अप्रैल 1981

सं० ए०-31013/8/80-एन० एम०ई०पी०/प्रशासन-3—राष्ट्रपति ने श्री ए० आर० निम को 7 फरवरी, 1979 से राष्ट्रीय मलैरिया उन्मूलन कार्यक्रम निदेशालय, दिल्ली में

उप निदेशक (एल० एण्ड ए०) के पद पर स्थायी अधिकारी पर नियुक्त कर दिया है।

टी० सी० जैन

उपनिदेशक प्रशासन (म० व प०)

नई दिल्ली, दिनांक 25 अप्रैल 1981

सं० ए० 19017/1/81-के० स० स्वा० यो०-१—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय ने श्री एम० एल० भास्त्री को केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना में 30-3-1981 पूर्वाह्न से अस्थाई अधार पर प्रशासनिक अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

टी० एस० राष्ट्र  
उप निदेशक प्रशासन

ग्रामीण पुनर्निर्माण मंत्रालय  
विषयन और निरीक्षण निदेशालय  
प्रधान कार्यालय

फरीदाबाद, दिनांक 28 अप्रैल 1981

सं० ए० 19023/3/81-प्रशा० III—विभागीय पदोन्नति समिति (वर्ग ब) की संस्तुतियों के अनुसार श्री एस० एन० उपाध्याय, सहायक विषयन अधिकारी को इस निदेशालय के अधीन नागपुर में दिनांक 2-4-1981 (पूर्वाह्न) से 10-4-1981 (पूर्वा०) तक स्थानापन्न विषयन अधिकारी (वर्ग I) के रूप में नियुक्त किया गया है।

2. विषयन अधिकारी के पद पर पदोन्नति होने के उपरान्त श्री उपाध्याय ने दिनांक 1-4-81 के पूर्वाह्न में कलकत्ता में सहायक विषयन अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

3. तदनन्तर संघ लोक सेवा आयोग द्वारा इस निदेशालय के अधीन केन्द्रीय एग्रामार्क प्रयोगशाला नागपुर में सहायक निदेशक के पद पर चयन होने के उपरान्त श्री उपाध्याय ने नागपुर में दिनांक 10-4-1981 के पूर्वाह्न में विषयन अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

बी० एल० मनिहार  
निदेशक प्रशासन  
छते छपि विषयन सलाहकार

भारत परमाणु अनुसंधान केन्द्र

कार्मिक प्रभाग

बम्बई-400085, दिनांक 30 अप्रैल 1981

सं० पी० ए०/76(2)/80-प्रार०-III—परमाणु ऊर्जा विभाग के विद्युत परियोजना इंजीनियरी प्रभाग, बम्बई से स्थानान्तरित होने पर, श्री रावजी गंगाराम मसूरकर, लेखा

अधिकारी-II ने भारत परमाणु अनुसंधान केन्द्र में लेखा अधिकारी II का पदभार 10 अप्रैल, 1981 पूर्वाह्न से संभाल लिया है।

ए० शान्ताकुमार मेनोन,  
उप स्थापना अधिकारी

बम्बई-400085, दिनांक 16 अप्रैल 1981

सं० प्रार०-1969/स्थापना II/777—इस अनुसंधान केन्द्र के स्थायी लेखाकार एवं स्थानापन्न सहायक लेखा अधिकारी श्री वसंत रघुनाथ रेणे को एफ० प्रार० 56(के) के अधीन 28 फरवरी, 1981 अपराह्न से सरकारी सेवा से सेवानिवृत्त किया जाता है।

दिनांक 22 अप्रैल 1981

सं० 5/1/81-स्थापना-II/1840—नियंत्रक भारत परमाणु अनुसंधान केन्द्र श्री ए० को० कात्रे सहायक को स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी पद पर दिनांक 16-2-1981 (पूर्वाह्न) से 31-3-1981 अपराह्न तक तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० सी III/स्थापना-II/1846—परमाणु ऊर्जा विभाग के संपदा प्रबंध निदेशालय से स्थानांतरित होने पर, स्थायी मुरक्खा अधिकारी, श्री झी० एन० चक्रवर्ती ने इस अनुसंधान केन्द्र में, मुरक्खा अधिकारी का पदभार 16-3-1981 पूर्वाह्न से संभाल लिया है।

कु० एच० बी० विजयकर,  
उप स्थापना अधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग

(परमाणु खनिज प्रभाग)

हैदराबाद-500016, दिनांक 28 अप्रैल 1981

सं० प ख प्र-I/7/79-प्रशासन—परमाणु ऊर्जा विभाग, परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्वारा परमाणु खनिज प्रभाग के स्थायी अवर श्रेणी लिपिक श्री और स्थानापन्न सहायक लेखापाल श्री जे०पी० शर्मा को उसी प्रभाग में 30 मार्च 1981 के पूर्वाह्न से अगले आदेश होने तक स्थानापन्न रूप से सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं० प ख प्र-5/1/80-प्रेषण—परमाणु ऊर्जा विभाग, परमाणु खनिज प्रभाग के स्थायी तकनीकी सहायक / स्थानापन्न वैज्ञानिक अधिकारी ग्रेड 'एस० बी' श्री एम० एस० धालीवाल ने नियर्तन की आयु में पहुंचने के फलस्वरूप सरकारी सेवा से निवृत्त होकर 31 मार्च, 1981 के अपराह्न को अपने पद का कार्यभार छाड़ दिया।

दिनांक 29 अप्रैल 1981

सं० प ख प्र-4(15)/80-भर्ती—परमाणु ऊर्जा विभाग, परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्वारा परमाणु खनिज

प्रभाग के अस्थायी वैज्ञानिक सहायक 'सी' (भूषेदन), श्री एच०एस० सैनी को उसी प्रभाग में 1 फरवरी, 1981 के पूर्वान्त में अगले आदेश होने तक अस्थायी रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/अधिकारी प्रेड 'एस०बी०' नियुक्त करते हैं।

सं० प ख प्र-4(15)/80-भर्ती—परमाणु ऊर्जा विभाग, परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्वारा श्री सायजी जय सिंह राव अवाण को परमाणु खनिज प्रभाग में 14 अप्रैल, 1981 के पूर्वान्त में अगले आदेश होने तक अस्थायी रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/अधिकारी प्रेड 'एस०बी०' नियुक्त करते हैं।

दिनांक 30 अप्रैल 1981

सं० प ख प्र-1/6/80-भर्ती—परमाणु ऊर्जा विभाग, परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्वारा श्री सायजी जय सिंह राव अवाण को परमाणु खनिज प्रभाग में 14 अप्रैल, 1981 के पूर्वान्त में अगले आदेश होने तक अस्थायी रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/अधिकारी प्रेड 'एस०बी०' नियुक्त करते हैं।

एम०एस० राव,  
वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

भारी पानी परियोजना

बम्बई-400008, दिनांक 30 अप्रैल 1981

सं० 05000/शार 1/प्रोपी/2077—भारी पानी परियोजना के, विशेष-कार्य-अधिकारी, श्री पन्द्रायिल पद्मनाभन नाम्बियार, भारी परमाणु, अनुसंधान केंद्र के स्थायी उच्च अधिकारी प्रियकार को उसी कार्यालय में श्री एस० के० लिमये, सहायक लेखा अधिकारी, जो परमाणु ऊर्जा विभाग, बम्बई में स्थानान्तरित हो गए हैं, के स्थान पर अस्थायी रूप में सदर्थ अधिकार पर मार्च 20 पूर्वान्त, 1981 से मई 19 (ग्रप्परात्न) 1981 तक या आगे आदेश होने तक जो भी पहले हो के लिए सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं० 05052/80/ग्रग०/2078—भारी पानी परियोजना के, विशेष-कार्य-अधिकारी, श्री हुगपा नारायण अलगपा, अस्थायी पर्यवेक्षक (वास्तु), भारी पानी परियोजना (तूतीकोरिन) को, उसी परियोजना में एक मिलम्बर, पूर्वान्त, 1980 से आगे आदेश होने तक के लिए स्थानापन्न वैज्ञानिक अधिकारी/अधिकारी प्रेड (ग्रेड एस०बी०) नियुक्त करते हैं।

सं० 05012/प्रार 2/प्रोपी/20, 3—भारी पानी परियोजना के, विशेष-कार्य-अधिकारी, श्री श्रीराम तिशारी, अस्थायी सहायक सुरक्षा अधिकारी, भारी पानी पारमोजना (बड़ौदा) को उसी परियोजना में अस्थायी रूप में सदर्थ अधिकार पर 9 अगस्त पूर्वान्त, 1980 से आगे आदेश होने तक के लिए, श्री पी०बी० बक्शी, सुरक्षा अधिकारी जो स्वेक्षापूर्वक सेवा निवृत्त हो गए हैं, के स्थान पर सुरक्षा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

2-76GI/81

दिनांक 1 मई 1981

सं० 05052/क०-134/2042—भारी पानी परियोजना के, विशेष-कार्य-अधिकारी, श्री चोलंगन कोचु कुण्णन, गोपनीय परमाणु विद्युत परियोजना के स्थायी सुरक्षा अधिकारी को भारी पानी परियोजना (बड़ौदा) में मार्च 16 पूर्वान्त, 1981 से आगे आदेश होने तक के लिए सुरक्षा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

र० च० कॉटिग्रेनकर  
प्रशासन अधिकारी

अन्तरिक्ष विभाग

इसरो:शार केन्द्र

श्रीहरिकोटा मासान्त्र सुविधाएं

कार्मिक और साधारण प्रशासन प्रभाग

श्रीहरिकोटा-524124, दिनांक 8 अप्रैल 1981

सं० एस सी एफ/का और सा प्र/स्थाप०/1.72—शार केन्द्र के निदेशक ने निम्नलिखित कर्मचारियों को शार केन्द्र, श्रीहरिकोटा में वैजै.गिक/इंजीनियर एस०बी० के पद पर पदोन्नति द्वारा नियुक्त करने के लिए अपनी प्रसन्नता प्रकट की है। ये सभी कर्मचारी 1-4-1981 से और अगले आदेश जारी होने तक, स्थानापन्न क्षमता के रूप में काम करेंगे :—

क्रम संख्या नाम

सर्वथी

- वी०ज०ज० जेम्स
- पी०सी० अग्रहाम
- एम०पी० मुथपांडियन
- सी०बी० मुन्दरेखड़
- वी० राधाकुण्णन
- वी० वीरभद्र राव
- सी०ए० वेणुगोपाल रेड्डी
- टी०ग०न बी० सत्यनारायण
- पी०सी० गोप।

सं० एस० सी० एफ०/का और सा प्र०/स्था०/1.72—शार केन्द्र के निदेशक ने निम्नाकित कर्मचारियों को वैज्ञानिक/इंजीनियर एस०बी० पद पर शार केन्द्र, श्रीहरिकोटा में स्थानापन्न क्षमता के रूप में काम करने के लिए अपनी प्रसन्नता व्यक्त की है।

क्र०	नाम	नियुक्ति की तारीख
स०	2	2
1		
1.	श्री वी० एस० राममोहन राव	16-2-81
2.	श्री सी० बी० जी० के. बंगार राजू	19-2-81
3.	श्री बलबीर सिंह ताहिम	25-2-81

(1)	(2)	(3)
4.	श्री वक्तव्य कुमार दत्त मिहू	3-3-81
5.	प्रदीप हमार मोहल्ला	20-3-81

श्रार० गोपालरत्नम  
प्रधन, कार्मिक और सामाज्य प्रशासन प्रभाग,  
कृते निदेशक

पर्यटन और नगर विमानन मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 30 अप्रैल 1981

सं० ए० 38019/1/स्था०—भारत मौसम विज्ञान विभाग के निम्नलिखित अधिकारी, उनके नामों के सामने दी गई तारीख को निर्वतन की आयु पर पहुँचने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

क्र०	नाम	पद	दिनांक जिसको अधिकारी ने निर्वतन आयु प्राप्त की
(1)	(2)	(3)	(4)

मर्वशी

1.	वी० श्रीविजयन	निदेशक	31-12-80
2.	एन० दी० परोखरण	सहायक मौसम विज्ञानी	31-12-80
3.	पी० सी० मुखर्जी	सहायक मौसम विज्ञानी	31-12-80
4.	एस० आर० सेत	सहायक मौसम विज्ञानी	31-12-80

क्र०	नाम	वर्तमान तैनाती स्टेशन
सं०		

1	2	3
1.	श्री डी० दी० चौहान	दिल्ली
2.	श्री एस० आर० अध्यर	दिल्ली
3.	श्री के० गोपालरङ्गन्	वै० सं० स्टेशन, बम्बई
4.	श्री टी० एस० प्रकाशम	—वही—
5.	श्री एस० राघवन	वै० सं० स्टेशन, मद्रास
9.	श्री एस० मणिकम	—वही—

सं० ए० 38013/1/81-ई०सी०—निदेशक, रेडियो निर्माण और विज्ञान एजेंसी, नई दिल्ली के कार्यालय के श्री एन० के नाम, उप निदेशक ने निर्वतन आयु प्राप्त कर लेने के फलस्वरूप सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर दिनांक

(1)	(2)	(3)	(4)
5.	सुबिमल कुमार दास	सहायक मौसम	31-12-80
6.	एन० आर० चक्रवर्ती	सहायक मौसम	31-1-81
7.	एस० जे० भट्टाचार्य	सहायक मौसम	31-1-81
8.	ए० एच० मुख्यम	मौसम विज्ञानी	28-2-81
9.	डी० भट्टाचार्य	मौसम विज्ञानी	28-2-81
10.	के० के० श्रीवास्तव	मौसम विज्ञानी	28-2-81
11.	एस० आर० बालसुक्ष्म	सहायक मौसम	28-2-81
12.	एस० के० मुखर्जी	सहायक मौसम	28-2-81
13.	एम० एस० स्वामीनाथन	सहायक मौसम	28-2-81

के० मुखर्जी  
मौसम विज्ञानी (स्थापना)  
कृते मौसम विज्ञान के महानिदेशक।

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय  
नई दिल्ली, दिनांक 30 अप्रैल 1981

सं० ए० 32013/3/80-ई०सी०—राष्ट्रपति ने निम्नलिखित सहायक संचार अधिकारी को प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख से छः मास के लिए और दिए स्टेशन पर संचार अधिकारी के ग्रेड में तर्द्य आधार पर नियुक्त किया है:—

तथा तेनाती स्टेशन कार्यभार ग्रहण करने की तारीख

4	5
वै० सं० स्टेशन, पालम	18-3-81 (पूर्वाह्न)
—वही—	18-3-81 (पूर्वाह्न)
वै० सं० स्टेशन, बम्बई	19-3-81 (पूर्वाह्न)
—वही—	19-3-81 (पूर्वाह्न)
वै० सं० स्टेशन, मद्रास	24-3-81 (पूर्वाह्न)
—वही—	31-3-81 (पूर्वाह्न)

31-3-81 (प्रपराह्न) से अपने पद का कार्यधार त्याग दिया है।

जे० सी० गर्ग  
सहायक निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 30 अप्रैल 1981

सं० ए० 32013/3/78-ई०ए०—राष्ट्रपति ने श्री ए० ए० मुखर्जी को 7-4-81 से 30-6-1981 तक को अधिकारी के लिए अधिकारी ग्रेड में नियमित नियुक्ति होने तक, इनमें से जो भी पहले हो, उपनिवेशक/नियंत्रक वैमानिक नियोक्तान के ग्रेड में तदर्थं आधार पर नियुक्त किया है।

वी० के० वत्स  
विशेष कार्याधिकारी (ई०)

केन्द्रीय उत्पाद तथा सीमाशुल्क समाहारालय

भुवनेश्वर, दिनांक 1 मई 1981

सं० 4/81—पदोन्नति होने पर केन्द्रीय उत्पाद और सीमाशुल्क, भुवनेश्वर में नियन्त्रित नियंत्रक (सीनियर ग्रेड) स्थानापक्ष अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद और सीमाशुल्क (श्रेणी 'ख') पदवी का कार्याधार नियन्त्रित दिनों में ग्रहण किये।

1. श्री ए० नारायण राओ, अधीक्षक, भुवनेश्वर 16-3-81  
(एफ० एन०)

2. श्री सी० टी० बैंकट स्वोरुल अधीक्षक, भुवनेश्वर, 16-3-81  
(एफ० एन०)

सं० 5/81—सेवा निवास की प्रायु हो जाने पर केन्द्रीय उत्पाद और सीमाशुल्क के सम्बलपुर कार्यालय में स्थापित हुए श्री पुरुषोत्तम दास 31-3-81 (अ० न०) में इ विभाग से अवसर लिए।

सं० 6/81—पदवी परिवर्तन होने पर श्री ए० के० वत्स उ० ममाहर्ता श्रेणी 'क' केन्द्रीय उत्पाद और सीमाशुल्क, भुवनेश्वर अपर समाहर्ता श्रेणी 'क' पदवी का कार्याधार ग्रहण किया।

एस० के० बनर्जी,  
सहायक समाहर्ता (मु. या०)  
केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमाशुल्क,  
भुवनेश्वर

नियंत्रण एवं लेखा परीक्षा नियंत्रण

सीमा-शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पादन शुल्क

नई दिल्ली, दिनांक 28 अप्रैल 1981

सं० 6/81—श्री नन्द लाल ने, जो हाल में मुख्य लेखा नियंत्रक के कार्यालय, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क तथा सीमा शुल्क बोर्ड, नई दिल्ली में लेखा अधिकारी के पद पर कार्यरत थे, मुख्य लेखा नियंत्रक का कार्यालय, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क तथा सीमा शुल्क बोर्ड के दिनांक 28-3-81 के आदेश सं० 649 के द्वारा स्थानान्तरण होने पर दिनांक 1-4-81 (पूर्वाल्प) से, नियंत्रण एवं लेखा परीक्षा नियंत्रण, सीमा तथा केन्द्रीय उत्पादन शुल्क नई दिल्ली में, श्री के० डी० मठ सहायक मुख्य लेखा अधिकारी की नियंत्रण अधिकारी ग्रुप

'ख' के पद पर नियुक्ति होने के फलस्वरूप रिक्त हुए पद पर, वेतन एवंम् लेखा अधिकारी के पद का कार्यभार ग्रहण किया।

स० सरकार,  
निरीक्षण नियंत्रण

नौवहन और परिवहन मंत्रालय  
नौवन महानियंत्रण

बम्बई-400038, दिनांक 1981

सं० 11-टी०आर० (5)/79-श्री रमेश चन्द्र यादव, इंजीनियर अफसर, मरीन इंजीनियरी प्रशिक्षण नियंत्रणालय, कलकत्ता, ने उनके त्यागपत्र की स्वीकृति के परिणाम स्वरूप अपने पद का कार्यभार तारीख 24 अक्टूबर, 1980 अपराह्न से छोड़ दिया है।

के० ए० सिधू  
नौवहन उपमहानियंत्रण।

विधि, न्याय एवं काम्पनी अ० सं० संवालय

(काम्पनी कार्यालय)

काम्पनी लॉ डॉक्टर

काम्पनी लॉ रजिस्ट्रार का कार्यालय

काम्पनी अधिनियम, 1956 और हॉटेल नीलगिरीस कॉटेनेंटल लिमिटेड के विषय में

मद्रास, दिनांक 27 अप्रैल, 1981

सं० 5917/560(5) 81—काम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि होटल नीलगिरीस कॉटेनेंटल लिमिटेड का नाम श्राज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त काम्पनी विद्युतित हो गयी है।

एच० बनर्जी,  
काम्पनी का सहायक रजिस्ट्रार,  
तमिलनाडु

काम्पनी अधिनियम, 1956 और सुधा हैजीनिक प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

मद्रास, दिनांक 27 अप्रैल 1981

सं० 6194/560(3)/81—काम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तोन माल के अवसान पर सुधा हैजीनिक प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त काम्पनी विद्युतित कर दी जाएगी।

ह० अपठनीय  
काम्पनी का सहायक रजिस्ट्रार  
तमिलनाडु

कम्पनी अधिनियम 1956 और रेजॉन पारमा प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

भुवनेश्वर, दिनांक 28 अप्रैल 1981

सं० 1636/560/81-82—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर रेजॉन पारमा प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

पी० ठी० गजवाणी  
कम्पनियों का रजिस्ट्रार,

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मेरिट चिट फंड प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

पांडिचेरी, दिनांक 28 अप्रैल 1981

सं० 110—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560, की उपधारा (5) के अनुसार एतद्वारा दी जाती है कि “मेरिट चिट फंड प्राईवेट लिमिटेड” का नाम आज रजिस्टर से हटा दिया गया है और उक्त कम्पनी भंग हो गयी है।

बी० कोटेश्वर राव  
कम्पनियों का रजिस्ट्रार,  
पांडिचेरी

कम्पनी अधिनियम, 1956 और श्री इलैक्ट्रिकल्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

नई दिल्ली, दिनांक 28 अप्रैल, 1981

सं० 5877/8340—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर श्री इलैक्ट्रिकल्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और एक्सपरटो एक्स्पोर्टो प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

नई दिल्ली, दिनांक 28 अप्रैल 1981

सं० 5632/8342—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसारण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर एक्सपरटो एक्स्पोर्टो प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और निरमान टेलर्ज प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

नई दिल्ली, दिनांक 28 अप्रैल 1981

सं० 5749/8344—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर निरमान टेलर्ज प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

एल० आर० बर्मी,  
सहायक कम्पनी रजिस्ट्रार,  
दिल्ली एवं हॉर्टियाणा

कम्पनी अधिनियम 1956 और नवीन चिट फंड एण्ड फाईनेंशियर्स प्रा० लि० के विषय में

जालंधर, दिनांक मार्च 1981

सं० जी० स्ट०/560/2957—कम्पनी अधिनियम, 1956 के धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि नवीन चिट फंड एण्ड फाईनेशियर्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

एन० एन० मौलिक  
कम्पनी रजिस्ट्रार,  
पंजाब, हिमाचल प्रदेश एवं चण्डीगढ़

कम्पनी अधिनियम 1956 और मैसर्स लक्ष्मी लोन कम्पनी लि० के विषय में

शिलांग, दिनांक 1 मई 1981

सं० जी० पी०/332/560/5/407—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि मैसर्स लक्ष्मी लोन कम्पनी लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और मैसर्स आसाम मीनियल प्रा० लि० के विषय में

शिलांग, दिनांक 1 मई 1981

सं० आ०पा०/1641/560(5)/409—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि मैसर्स आसाम मीनियल प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है तथा उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

एस० आर० कौम,  
कम्पनियों का रजिस्ट्रार।

प्रस्तुत आइ.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 28 अप्रैल 1981

आदेश संख्या—राजा०/सहा आ० अर्जन/—अतः मुझे, एम०एल०  
चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी जो यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु. से अधिक है

और जिस की सं० शोरूम है तथा जो जयपुर में स्थित है, और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता  
प्राधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29-8-1980

के पूर्णोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्णोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से ऐसे द्वयमान प्रतिफल का  
पचास प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती  
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा यादा गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कीचित् नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदै किसी भाव की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
शावित्र में कमी करने मा उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी भाव या किसी भन या अन्य आस्तियाँ  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) मा उक्त अधिनियम, या  
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था उपराने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के, अन्तरण  
में, जैव, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियाँ अर्थात्:—

(1) श्री एच० एन० चतुर्वेदी पुत्र स्व० श्री शिवनाथ जतुर्वेदी  
बहैसियत स्वयं व मुलाराम श्रीमती शारदा मिश्रा,  
निभुवननाथ मिश्रा, सिद्ध नाथ चतुर्वेदी, श्रीमती  
शकुन्तला चतुर्वेदी, श्रीमती किशोरी चतुर्वेदी व श्रीमती  
सरोज चतुर्वेदी नियासी काशीभवन, एम० आई० रोड़,  
जयपुर। (अन्तरक)

(2) मर्सर्स दीवान एजेन्सीज, एम० आई० रोड़, जयपुर।  
(अन्तरिती)

के यह सूचना आरी करके पूर्णोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन्द-  
बहूध किंती अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

एक शोरूम व पीछे की तरफ की सम्पत्ति, कमरा गैरेज, टिनशेड  
आदि जो एम० आई० रोड़, जयपुर पर स्थित है और उप पंजियक,  
जयपुरद्वारा क्रम संख्या 2166 दिनांक 29-8-80 पर पंजियक  
विश्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणीत है।

एम० एल० चौहान  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक : 29 अप्रैल 1981

मोहर :

प्रकृष्ट आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर संस्था (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली 110052 दिनांक 20 अप्रैल 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/१/एस० आर० ३/८-८०/  
४०२२—अतः मुझे, आर० ओ० ए० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिस की सं० कृषि भूमि है तथा जो नेब सराय, महरौली, नई  
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में पूर्व सूप से  
वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ट प्राधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन दिनांक अगस्त, 1980

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्खे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती  
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कार्यकारी किया गया है :—

(क) अन्तरण से हटाई किसी आय की आवत्ता, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यावारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना आविहए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री रूप लाल सुपुत्र श्री बंशी राम, ग्राम नेब सराय,  
तहसील—महरौली, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री राजेन्द्र मोहन पुरी सुपुत्र श्री सी० ए० पुरी  
ए०-1, गीतान्जली, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

मैं यह सूचना जारी करके पूर्वांकित संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यान्वयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
रूपका की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधिक लाइ भी समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांकित  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहित  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
निविष्ट भी किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होता, जो उस अध्याय में दिया  
सकता है ।

अनुसूची

कृषिभूमि का 1/16 हिस्सा, क्षेत्र 19 बीचे, लखनऊ नं० 5.9.2  
(4-16), 272 (4-16), 550 (5-9), 539 (3-14),  
270 (0-5), स्थापित—ग्राम-नेब सराय, तहसील—महरौली,  
नई दिल्ली ।

आर० ओ० ए० अग्रवाल  
सकाम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, विकास भवन, एच ब्लाक  
एन्ड प्रस्थ स्टेट, दिल्ली-110002

दिनांक : 20 अप्रैल 1981

मोहर :

## प्रस्तुप वाई०टौ०एन०एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-वा (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, एच०ब्लाक, विकास भवन

(आई०पी०स्टेट) नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, दिनांक 20 अप्रैल 1981

तिर्देश सं०-आई० ए० सी०/एक्य०/३/८-८०/९८७/—

अतः मुझे, आर०बी० ए८० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु. से अधिक है

और जिस की सं० कृषि भूमि है तथा जो नेब राय, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक, अगस्त 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की विषयमान एकांक १० द्वारा वृद्धि की गई है और मुझे यह विषयमान करने का कारण है कि प्राप्तवाक्ता सं० सं० सं० की विषयमान प्रतिफल का वन्दन परिवर्तन में अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितीय) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से वर्णित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृद्द किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(द) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य कास्तिया को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्राप्तवाक्ता अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-वा के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-वा की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री तारा चन्द, सुपुत्र श्री मोल्हार ग्राम नेब मराय, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री ओम प्रकाश, सुपुत्र श्री मेलावा राम, सी-१४, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन को लिए कार्यवाहीया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर यह सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवैध दाव में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(द) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-वहूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभैहस्ताक्षरी और धास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरता :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के मध्याद 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस मध्याद में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि का 1/8 हिस्सा, क्षेत्र 18 बिघे और 16 बिघे, खसरा नं० 573 (4-16), 574(4-16) 591/1(2-8), 568(2-0) स्थापित-ग्राम-नेब सराय-नई, दिल्ली ।

आर० बी० ए८० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1 विकास भवन, एच०ब्लाक

इन्ड्र प्रस्थ स्टेट, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 20 अप्रैल 1981

मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.ए.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, एच० ब्लाक विकास भवन

आई० पी० स्टेट, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, दिनांक 20 अप्रैल 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एस०/१-एस० कार०-३/८-  
८०/१०७६— अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित दाजार मूल्य  
25,000/ रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो बीजवाशन में स्थित है  
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अग्रस्त  
1980को गृहांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
अन्तरितीयों के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल  
निम्नलिखित उदाहरण से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हटाई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर बने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगान्वय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में  
सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री धार्मी राम मुपुव श्री धुनी चन्द, ग्राम बिजवाशन।

(अन्तरक)

(2) मैं शुरज कल्पकाशन एण्ड इस्टेट प्रा० लि० 115-  
अन्सल भवन, 16 कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली।

(प्रत्यरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्चन के लिए  
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षण्यः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृष्टि  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताभारी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्रफल 4 बिथे प्रीर और 9 बिथास, 1-1/2  
हिस्सा रेकटेंगल नं० 44, खसरा नं० 21 (4-08), 22/1 (1-10)  
रेकटेंगल नं० 45, के० नं० 25/2 ईस्ट (3-00) ग्राम-बीजवाशन,आर० बी० एल० अग्रवाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, विकास भवन, एच ब्लाक,  
इन्द्र प्रस्थ स्टेट, दिल्ली, नई दिल्ली।  
दिनांक 20 अप्रैल 1981  
मोहरः

प्रकाशन नं. २०० एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, एच० ब्लाक, विकास भवन  
आई० पी० इस्टेट, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, दिनांक 20 अप्रैल 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एस्य०/1-3/8-80/1075/—

अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा याया है), की धारा 269-व  
के प्रधीन भव्यम प्राविकारी को यह विज्ञापन करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये  
से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो विज्ञापन में स्थित है  
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक अगस्त 80  
को पूर्वोंकाल सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अनुरित की गई है और मुझे यह विज्ञापन  
करने का कारण है कि यथापूर्योन्नत सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अस्तरकों) और  
अन्तरिक्त (अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित रही किया गया है :—

(a) अस्तरण में ही किसी ग्राम की बाबत, उक्त सम्पत्ति के अधीन कर देने के अस्तरक के  
बायित्य में कभी करने या उससे बचने में नुकिया  
के विषय; और/या

(b) एसी किसी आय या किसी लान या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त सम्पत्ति के  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थे अन्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या यह जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त सम्पत्ति की धारा 269-व के अनुवरण  
में, मैं उक्त सम्पत्ति को धारा 269-व की उपधारा (1)  
के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
3—76GI/81

(1) श्री धरम पाल सुपुत्र श्री धूली चन्द,  
ग्राम-विज्ञापन ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती खजानो श्री धरम पाल,  
ग्राम-विज्ञापन ।

(अन्तरिक्ती)

को यह उक्त जारी करने पूर्वीका सम्पत्ति के अधैन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रधीन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, और भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भोतर पूर्वोंका  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी ग्राम अवित द्वारा, अवोहस्तावदी के पास  
निश्चित में लिए जा सकेंगे ।स्थावर करण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों द्वारा पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-व में परि-  
भाषित हैं, वहीं पर्यंत होता, जो उक्त अध्याय  
में दिया गया है ।

अनुसूची

ग्राम, विज्ञापन में कृषि योग्य भूमि क्षेत्र-9 विधे और 12  
विष्वास, 1-1/2 लेन्ड हिस्सा, रेक्ट नं० 21, खसरा नं० 2 (4-16),  
3 (4-0-9) 8 (4-16), 9 (4-16) और 26 (0-07) ।

आर० बी० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1 विकास भवन, एच ब्लाक,  
इन्ड्र प्रस्थ स्टेट, दिल्ली, नई दिल्ली

दिनांक : 20 अप्रैल 1981

मोहर :

प्रृष्ठप आई. टी. एन. एस. -----

(1) श्री धरम पाल सुपुत्र श्री धुली चन्द्र ग्राम—बिजवासन ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

(2) मैं सूरज कंस्ट्रक्शन एण्ड इस्टेट प्रा० लि०

भारत सरकार

115-अन्सल भवन, 16 कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1 एच ब्लाक, विकास भवन  
आई० पी० इस्टेट नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, दिनांक 20 अप्रैल 1981

निदश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/1-3/8-80/1074/—  
अतः मुझे आर० बी० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो बिजवासन में स्थित है (और इससे उपाध्य अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908<sup>2</sup> (1908 का 16) के अधीन दिनांक अगस्त, 1980 के पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उच्चवेश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

ग्राम—बिजवासन में कृषि भूमि का क्षेत्रफल 4 बीघे और 9 विश्वास, 1-1/2 लेड हिस्सा, रेक्ट० नं० 44, खसरा नं० 21 (4-08), 22/1 माइनर (1-10), रेक्ट० नं० 45, खसरा नं० 25/2 इस्ट (3-00) ।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिहे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

आर० बी० एम० अग्रवाल  
सक्षम प्रधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1 एच ब्लाक, विकास भवन,  
इन्द्र प्रस्थ स्टेट, दिल्ली/नई दिल्ली ।

दिनांक : 20 अप्रैल 1981

मोहर :

प्रस्तुप आर्द्ध. टी. एन. एस. -----

(1) श्री घासी राम, सुपुत्र श्री धुली चन्द्र,  
ग्राम-बिजवासन

(अन्तरक)

(2) श्रीमती चन्द्रो पत्नी श्री घासी राम,  
ग्राम-बिजवासन

(अन्तरक)

भारत सरकार

आप्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 20 अप्रैल 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/1-3/8-80/1073/—

अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/-रु. से अधिक हैऔर जिस की सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम बिजवासन में स्थित  
है (आर० इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), राजस्त्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय राजस्त्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अगस्त

1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
बन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती  
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कष्टित नहीं किया गया है:-(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर बने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ  
को जिन्हें भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरीती ब्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना जाइए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात्:-को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर  
सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 29-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

विजवासन ग्राम में कृषि योग्य भूमि का क्षेत्रफल- 9 बिधे  
और 12 विश्वास, 1-1/2 डेक्ह हिस्सा भूमि रेक्ट० नं० 21, खसरा  
नं० 2(4-16), 3(4-09), 8(4-16), 9(4-16) और 26  
(0-07)आर० बी० एल० अग्रवाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

दिनांक : 20 अप्रैल 1981

मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, एच ब्लाक, विकास भवन

इन्द्र प्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली-11002

नई दिल्ली, दिनांक 20 अप्रैल 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/१/एस०आर-५३/८-८०/१११०/—अतः मुझे आर० बी० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो विज्वाशन में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त  
1980को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूल्य यह विश्वास  
करने का कारण है कि यहां पर्याप्त नहीं हो रहा दृश्यमान  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
अन्तरितियों के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—(1) श्री फूप सिंह सुपुत्र स्वर्गीय श्री जतर सिंह और जील  
सिंह (छोटा) श्रीमती विद्या विद्या-पत्नी श्री जतर सिंह  
ग्राम केपशोरा ।

(अन्तरक)

(2) मै० सूरज कनस्ट्रक्शन और इस्टेट (प्रा०) लि०  
115 अन्तर्ल भवन, 16 कस्टरबा गांधी मार्ग, नई  
दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्यों भी वाक्येः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

बन्सूची

(क) अन्तरण से हृइ किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वारीयत्व में कमी करने या उससे अच्छने में सुविधा  
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
के, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;ग्राम—विज्वाशन में कृषिभूमि का 1/3 हिस्सा, 14 बीघे और  
16 विज्वाश रेक्ट० नं० 47, खसरा नं० 23 (4-16), रेक्ट०  
नं० 76, खसरा नं० 23 (1-09), 24 (4-16), और 25  
(3-15) ।आर० बी० एल० अग्रवाल  
सक्षम प्राधिकारीसहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I विकास भवन, एच ब्लाक,  
इन्द्र प्रस्थ स्टेट, दिल्ली/नई दिल्ली ।

दिनांक : 20 अप्रैल 1981

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

(1) श्री रुद्र लाल सुपुत्र श्री बंशी राम  
नेब सराय—महरौली, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना(2) श्रीमती इन्द्रा पुरी पत्नी श्री राजिन्द्र मोहन पुरी,  
ए-1, गीतान्जली, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्ता (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 एच ब्लाक विकास भवन  
आई० पी० स्टेट, नई दिल्ली-110002  
नई दिल्ली, दिनांक 20 अप्रैल 1981निवेश सं० आई० पी० सी०/एक्य०/१/प्र० आर-३/८-८०/  
4023—अतः मझे, आर० बी० एल० अग्रवालआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो नेब सराय, नई दिल्ली,  
महरौली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भार-  
तीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
दिनांक अगस्त 1980को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उत्तरवेद्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयांकन करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबृष्ट  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में एवं भाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि का 1/16 हिस्सा, क्षेत्र 18 बीचे और 19 विश्वास  
खसरा नं० 551(4-16), 582(4-0), 269(4-11),  
554/(0-14), 555/2(2-6), 556(0-2), 579/2(2-8)  
स्थापित ग्राम—नेब सराय, महरौली, नई दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

अर्जन रेंज-1 विकास भवन, एच ब्लाक  
इन्ड्र प्रस्थ स्टेट, दिल्ली/नई दिल्ली।

दिनांक : 20 अप्रैल 1981

मोहर :

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली 220002

नई दिल्ली-220002, दिनांक 20 अप्रैल 1981

निर्देश सं०आई०ए०सी०/एक्य०/1 एस० आर०-III/8-80/  
996/—अतः मुझे, आर० बी० एल० श्रगवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो नेब सराय में स्थित है  
(और इससे उपाध्याय अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली-1 में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अगस्त  
1980

को पूर्वांकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि वह विष्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वांकत संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, एस० दस्यमान प्रतिफल का  
पूर्व प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितायों) के बीच एस० अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कार्यत नहीं किया गया है।--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती व्यावारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

(1) जगदेव सिंह सुपुत्र पर्सू  
पता-नेब सराय, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) मदन गोपाल, सुपुत्र श्री मेलावा राम  
सी-14, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षणः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद भी समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांकत  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

1/8 हिस्सा कृषि भूमि का क्षेत्र 19 बीघा, खसरा नं० 580  
(4-16) 552(4-16), 553(4-16), 273(2-18),  
554/3 (1-14), स्थापित ग्राम-नेब सराय, नई दिल्ली ।

आर० बी० एल० श्रगवाल  
सकाम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

दिनांक : 20 अप्रैल 1981

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण  
में, भूमि, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षा-तृष्ण- ।--

प्रलेप आई० टी० एन० एस०

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-ज, दिल्ली-2

नई दिल्ली-220002 दिनांक, 20 अप्रैल 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/१/एस० अर०—III/  
8-80/995—अतः मुझे, आर० बी० एन० अप्रवाल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
इ० से अधिक है

जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो नेब सराय, नई दिल्ली, में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक अगस्त, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
अन्वेषण अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तथा पाया गया प्रतिक्रिया, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(व) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किसी जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री जगदेव सिंह सुपुत्र श्री पर्व, ग्राम-नेव, सराय,  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री राजीन्दर मोहन पुरी, सुपुत्र श्री सी० एल०  
पुरी, पता—ए—1, ग्रीन पार्क, गीतान्जली, नई  
दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो  
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
निखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(4-16), 550(5-9), 539(3-14), 270(0-5) स्थापित  
ग्राम नेब सराय, नई दिल्ली।

आर०बी०एल० अप्रवाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-ज, दिल्ली, नई दिल्ली-220002

दिनांक: 20-4-1981

मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I दिल्ली-2

एच ब्लॉक, विकास भवन, इन्ड्रप्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली—  
220002

नई दिल्ली, दिनांक 20 अप्रैल 1980

निर्देश सं० आई० ए०सी० एक्य०/१/एस० आर०—III/  
8-०/९९४/अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी के यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु. से अधिक है

जिसकी सं० कृषि भूमि, है तथा जो ग्राम-नेब सराय, नई दिल्ली  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 19) के अधीन,  
दिनांक अगस्त, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैं यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, एसे द्वयमान प्रतिफल का  
पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हर्दि किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के  
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आप-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-व के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (11)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- श्री जगदेव सिंह, सुपुत्र पर्भु, ग्राम, नेब सराय, नई दिल्ली  
(अन्तरक)
- श्री ओम प्रकाश, सुपुत्र श्री मेलावा राम, सी-14, ग्रीन  
पार्क, नई दिल्ली ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित किए जा सके।

**स्पष्टीकरण:—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ लेंगे जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

1/8 हिस्सा, कृषि भूमि क्षेत्र में 18 बिघे, और 19 बिघे  
खसरा नं० 573(4-16), 574(4-16), 577(4-16),  
591/1(2-8), 298(2-0) स्थापित-ग्राम-नेब सराय, नई  
दिल्ली ।

आर०बि०एल० अग्रवाल  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, I, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक 20-4-80

मोहर :

प्रकाशन-मार्ग ० टी० एच० एस०—

उच्चतर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-प्र (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अधीन रेंज-१ दिल्ली—२

एच ब्लाक, विकास भवन, इन्ड्रप्रस्थ इस्टेट,

नई दिल्ली-220002, तारीख 20-4-1981

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एक्य०/१/एस०-आर-III/८-८०  
९९३/अतः मुझे, आई बी०ए०एल० अग्रवाल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प्र  
के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्वावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये  
से अधिक है

जिसकी सं० कृषि भूमि, है तथा जो ग्राम-नेब सराय, नई दिल्ली  
में स्थित है (और इससे उपावक्ता अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक  
प्रगत्त, 1980,

कारो पूर्वांक संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अध्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथा पूर्वांक सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके अध्यमान प्रतिफल से, एसे अध्यमान प्रतिफल का  
पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) की बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण निम्नित में वास्तविक  
रूप से कठित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या सक्षम अन्तरण में सुविधा के लिए;  
शीर्या

(ख) ऐसी निम्नी भाय सा किसी अन्य या अन्य आयितियों तक,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम वा अन्यकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यससा, यथा, उक्त अधिनियम की धारा 269-प्र के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प्र की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित अधिकारी, अधीक्षितः—

4—76GI/81

श्री जगवेल सिंह, सुपुत्र श्री पर्म, ग्राम-नेब सराय, नई दिल्ली।  
(अन्तरक)  
श्रीमती इन्द्रा पुरी, पत्नी श्री राजिन्द्र मोहन पुरी, ए-१  
गीतांजली, नई दिल्ली  
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वांक सम्पत्ति के अंतर्न के लिए  
कार्यान्वयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्न के सम्बन्ध में कोई भी आवेदनः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि का संसम्बन्धी अधिकारी पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांक अधिकारी में  
से किसी अधिकता द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में श्रीतबद जिसी  
अध्य अधिकारी द्वारा अधिकारी के पास खिलाफ में  
किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और परों का जो उक्त अधिनियम के अन्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अन्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/8 हिस्सा कृषि भूमि क्षेत्र में 18 बीघे और 19 बीघे  
क्षेत्र नं० 551(4-18), 582(4-0), 269(4-11),  
554/2(0-14), 55/2(2-2), 556(0-2), 579/2  
(2-8) स्थापित-ग्राम-नेब सराय, नई दिल्ली, तहसील-मेहरीली,  
नई दिल्ली।

ग्राम बी० एल० अग्रवाल  
सकाम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अधीन रेंज १, दिल्ली, नई दिल्ली-१

दिनांक : 20-4-1981

मोहरः

प्रकृष्ट आई० ई० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1 दिल्ली—2

एच० ल्लाक, विकास भवन, इन्ड्रप्रस्थ, इस्टेट, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, दिनांक 20 अप्रैल, 1982

निवेश सं० आई० ई० सी०/एक्य०/१/एस० आर०/III  
/८-८०/९९१/प्रतः: मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ष  
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि यह स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

जिसकी सं० कृषि भूमि, है तथा जो ग्राम-नेब सराय, मेहरौली  
में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1980 (1908 का 16) के अधीन,  
दिनांक अगस्त, 1980,

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और युक्त यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और प्रस्तरक (प्रन्तरकों) और  
प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) प्रन्तरण से ही किसी आय की बाबत, उक्त प्रधि-  
नियम के अधीन कर देने के प्रन्तरक के वायिल में  
कभी करने या उससे बचने में सुविश्वा के लिए,  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में भुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, भौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री खेम चन्द्र सुपुत्र-श्री प्रभु, ग्राम नेब सराय, नई दिल्ली।  
ग्राम-नेब सराय, नई निल्ली।  
(अन्तरक)
2. श्री राजिन्दर मोहन पुरी, सुपुत्र श्री सी० एल० पुरी ए-१,  
गीतांगली, नई दिल्ली।  
(प्रन्तरिती

को पृ० सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजेत के लिए  
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षण:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोइस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रभुसूची

1/8 हिस्सा कृषि भूमि क्षेत्रमें 19 बिघे, खसरा नं० 592  
(4-16), 272 (4-16), 550 (5-9), 539 (3-14),  
270 (0-5) स्थापित- ग्राम-नेब सराय, तहसील,- मेहरौली,  
नई दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज 1, दिल्ली,

दिनांक 20 अप्रैल, 1981

मोहर :

प्रकृष्ट प्राई० ट्री० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) की धारा  
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज 1 दिल्ली—2

एच० ब्लाक, विकास भवन, इन्ड्र प्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली-110002  
नई दिल्ली-दिनांक 20 अप्रैल, 1981

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/१/एस०-प्रमार०-III/  
8-80/1010—प्रतः मुझे, आर०बी०एल० अग्रवाल,  
आयकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे  
इसमें इसके अन्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
को धारा 269-ख के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह  
विवरास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
जिसकी सं० कृषि भूमि, है तथा जो ग्राम-बीजवाशन में स्थित है  
है (इसमें उपांग अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त,  
1980,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिए अनुरित की गई है पोर मुझे यह विवाद करने का  
कारण है कि यथात् उक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसमें दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये वर्ष पाया गया  
प्रतिफल, विवरिति उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक नहीं लिखा गया है:—

(ग) प्रत्यक्ष त ही किसी आय को बाबत सक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए: और/या

(घ) ऐसी विसी आय या किसी दून या अन्य आस्तियों  
को विनृ भारतीय आयकर प्रविनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त प्रविनियम, या इनकर  
प्रविनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ  
अन्तरितों द्वारा प्रहृष्ट नहीं किया गया या किया  
जाना चाहिए था, इधाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त प्रविनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपनियाम (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अनुरूप:—

- मैं० चानक भाटा, कम्पनी, ग्राम-बीजवाशन, द्वारा  
प्रोप्राइटर और बीचे राम।  
(अन्तरक)
- मैं० सुरज कन्द्रकशन द्वारा इस्टेट्स प्रा० लि० 115,  
अन्सल भवन 16-के० जी० मार्ग, नई दिल्ली  
(प्रस्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन  
के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आलोप:—

- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की समील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रबोहुस्तावरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

संबोधकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के पद्धाय 20-के परिवारित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस पद्धाय में  
दिया गया है।

प्रनुसूची

कृषि भूमि का क्षेत्र फल 7 बिंदे, जिसके आधा 1/2 हिस्सा  
खसरा नं० 178(14-00) ग्राम बीजवाशन।

आर०बी०एल० अग्रवाल  
सक्रम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज I, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक 20-4-1981  
मोहर :

प्रस्तुति प्राइवेटी १८० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अज्ञन रेज, दिल्ली-2

दिल्ली, दिनांक 20 अप्रैल, 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एक्य०/III/8-80/2/990—

अतः मुझे आर० बी० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ए के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विषयास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं कृषि भूमि है तथा जो ग्राम नेब सराय में स्थित  
है (प्रीत इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक  
आगस्त, 1980

को प्रवृत्ति संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषयास  
करने का कारण है कि यथापूर्वाक्ता संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
कृत निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
मूल्य से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आव की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
बी०/मा

(ख) एसी किसी आव या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती दृवारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभीतः—

1. श्री बेम चन्द्र सुपुत्र श्री विर्जू  
ग्राम नेब, सराय, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री ओमप्रेक्षा सुपुत्र श्री मेलवा राम,  
पता सी-14, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त समति के अंतर्गत लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्बिति के अंतर्गत में कोई भी वालों:—

(क) इस सूचना के दृजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि यी तस्वीरेन्द्री व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अधिक  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दृवारा;

(ख) इस सूचना की राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
दृष्टि किसी अन्य व्यक्ति दृवारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त संबोध भार पर्वों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-के में पर्याप्तिसे  
हैं, वही वर्च होंगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि का आठवां भाग 18 विधे और 16 विधे,  
खसरा नं० 573(4-16), 574 (4-16), 577 (4-16),  
591(2-8), 298(2-0), स्थापित ग्राम नेब सराय, नई  
दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल  
सकाम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अज्ञन रेज, विकास भवन,  
एच ब्लाक, इन्ड्राणी इस्ट, नई दिल्ली

तारीख: 20-4-1981

मोहर:

प्रस्तुप प्राइंटी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, 1, विकास भवन,

एच ब्लाक, इन्डप्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, दिनांक 20 अप्रैल, 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/१/एस०आर०-III/8-80/989—अतः मुझे आर० बी० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रधीन सभ्यम आधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो नेब सराय, मेहरोली, नई दिल्ली, में स्थित है (प्रीत इसमें उपावद अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अगस्त, 1980

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्घमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथादूर्वीत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूर्घमान प्रतिफल से, ऐसे पूर्णमान प्रतिफल का एन्वह प्रनिश्चित से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित तरीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दूर्दि किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिक्षण में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन वा अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् ।—

1. श्री खेम चन्द, सुपुत्र श्री प्रभू  
नेब सराय, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती इन्द्रापुरी, पत्नी श्री राजिन्दर मोहन पुरी,  
ए-1, गीतांजलि, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रबंन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अविक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अविक्त द्वारा, अधोदृष्टाभारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्वेच्छाकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-ह में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उप अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कृषि भूमि का आठवां हिस्सा, 18 बीघे और 19 बीघे, खसरा नं० 551(4-18), 582(4-0), 269(4-11) 554/2(0-14), 555/2(2-6), 556(0-2), 579/2 (2-8), स्थापित, ग्राम नेब, सराय तहसील मेहरोली, नई दिल्ली ।

आर० बी० एल० अग्रवाल  
सभ्यम आधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, विकास भवन,  
एच ब्लाक, इन्डप्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली

तारीख : 20-4-81

मोहर :

## प्रारूप आई.टी.एन.एस. —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, 1. विकास भवन

एच.ब्लाक, इन्डप्रेस्ट इस्टेट, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, दिनांक 20 अप्रैल, 1981

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/I/एस० आर०-III/

8-80/988—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो नेब सराय, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अगस्त, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पांचहांस प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधार्तः:—

1. श्री खेम चन्द सुपुत्र श्री प्रभु, ग्राम नेब सराय, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री मदन गोपाल, सुपुत्र श्री मेलावा राम, सी-14, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए लिए कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

कृषि योग्य भूमि का आठवां हिस्सा क्षेत्र फ्ल 580 (4-16) 562 (4-16), 553 (4-16), 273 (2-18), 554/3 (1-14), स्थापित ग्राम नेब सराय, नई दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, विकास भवन,  
एच० ब्लाक, इन्डप्रेस्ट इस्टेट, नई दिल्ली

तारीख: 20-4-1981

मोहर:

प्रस्तुप ग्राही, टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अधीन रेंज, विकास भवन,  
एच० ब्लाक, इन्ड्रप्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली  
नई दिल्ली, दिनांक 20 अप्रैल, 1981

निर्देश सं० आई० ए० एस० /एक्य०/१/एस०आर०-III  
८-८०/९८६—अतः मुझे आर० बी० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम नेब सराय, मेहरोली  
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और जो  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई  
दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)  
के अधीन दिनांक अगस्त, 1980

को पूर्वावक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वावक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके इस्यमान प्रतिफल से, ऐसे इस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उक्तवेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कीथत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री तारा चन्द, सुपुत्र श्री मोलाई,  
ग्राम नेब सराय, नई दिल्ली

(अन्तरक)

2. श्री राजिन्द्र मोहन पुरी, सुपुत्र श्री सी० एल० पुरी  
-१, गीतांजलि, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वावक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीया करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद से समाप्त होती है, के भीतर पूर्वावक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृपुष्ट  
किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पार  
तिवित में किए जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण :—** इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

कृषि भूमि का आठवां हिस्सा थोकफल 19 बीघे खसरा नं०  
562 (4-19), 272 (4-19), 550 (5-9), 539 (3-14),  
270 (0-5) स्थापित ग्राम नेब सराय तहसील मेहरोली, नई  
दिल्ली ।

आर० बी० एल० अग्रवाल  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अधीन रेंज-I, विकास भवन,  
एच० ब्लाक, इन्ड्रप्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली

तारीख 20-4-1981

मोहर :

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, I, विकास भवन,

एच ब्लाक, इन्डप्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली  
नई दिल्ली, दिनांक 20 अप्रैल 1981

निवेश सं० आई० ए० सी०/एस०/८-८०/९८५—यतः  
मुझे आर० बी० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो नेब आराय, मेहरौली,  
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायदृ अनुसूची में और जो  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के  
अधीन दिनांक अगस्त, 1980

को पूर्वान्तर संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके इयमान प्रतिफल से, ऐसे इयमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा  
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कीथत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ है किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कार्रवाने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ल) ऐसी किसी आय मा किसी धन या अन्य वालिदाहों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसूचण  
में भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारत (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री तारा अनंद पुपुन श्री भोलहार,  
ग्राम नेब, सराय, नई दिल्ली

(अन्तरक)

2. श्री मदन गोपाल, सुपुत्र श्री मेलावा राम,  
सी-14, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्तर सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में ज्ञाहे भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि यह तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तासील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वान्तर  
व्यक्तियों से से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बहु विकास की अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

सम्पूर्णण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभासित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

मन्त्रसूची

कृषि भूमि योग्य भूमि का क्षेत्रफल 19 बीघे, खसरा नं०  
580(4-16), 552(4-16), 553(4-16), 273(2-18),  
554/8(1-14), स्थापित ग्राम नेब सराय, तहसील मेहरौली,  
नई दिल्ली।

प्रार० बी० एल० अग्रवाल  
संधार अधिकारी

सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, विकास भवन  
एच ब्लाक, इन्डप्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली

तारीख: 20-4-1981

मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री तारा चन्द्र सुपूर्ण श्री मोलहार भेद सराय, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, विकास भवन,

एच ब्लाक, इन्डप्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, दिनांक 20 अप्रैल 1981

निर्देश सं० आई० एस सी०/एक्य०/ 8-80-984/—अतः,  
मुझे आर० बी० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो नेब सराय, तहसील मेहरौली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अगस्त, 1980

को पूर्णकृत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इथमान प्रतिपत्ति के लिए अन्तरित की गई है और भी यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वकृत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इथमान प्रतिफल से, एसे इथमान प्रतिफल का पूर्ण प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) को बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उदाहरण से उक्त अन्तरण (दिल्ली में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है):—

(क) अन्तरण से हर्दू किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपशारा (1) के अधीन निम्नलिखित वर्तिकार्यों अधीतः—

5-76GI/81

2. श्रीमती इन्द्रापुरी पत्नी श्री राजिन्दर मोहन पुरी एन-1, गीतांजलि, नई दिल्ली ।

(प्रस्तरिती)

करे यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदनः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताभारी के पास निवित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कृषि भूमि का 1/8, हिस्सा, 18 बीघे और 19 बीघे, खसरा नं० 551 (4-18), 582 (4-0), 269(4-11), 554/2 (0-14), 555/2 (2-6), 556 (0-2) 579/2 (2-8), ग्राम नेब हराय, मेहरौली, नई दिल्ली ।

आर० बी० एल० अग्रवाल

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, विकास भवन,

एच ब्लाक, इन्डप्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली ।

तारीखः 20-4-1981

मोहरः

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, विकास भवन  
एच० ब्लाक, इन्ड्रप्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली-110002  
नई दिल्ली, दिनांक 20 अप्रैल 1981-110002

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/8-80/4097—अतः  
मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम कहा गया है'), की धारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो नेब सराय, महरौली,  
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन दिनांक अग्रस्त, 1980  
का पूर्वांक सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूके यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वांक संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकर्ता)  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृइ किसी आय की आवह, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में संविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्ष द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
संविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के, अन्तरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री रूप लाल सुपुत्र श्री बंशी राम, ग्रामन्नेब सराय,  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री मदन गांगाल, मुमुक्षु श्री मेलावा राम,  
सी-14, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की लाइमल से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांक  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

कृषि भूमि का हिस्सा 1/16 भाग, 19 बीघे, खसरा नं०  
580(4-16), 552(4-16), 553(4-16), 273(2-18),  
554/3(1-14), स्थापित नेब सराय, तहसील महरौली, नई  
दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल  
सक्षम प्राधिकारी  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, विकास भवन  
एच ब्लाक, इन्ड्रप्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली।  
तारीख : 20-4-1981  
मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, विकास भवन,  
एच ब्लाक, इन्डप्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली-110002  
नई दिल्ली, दिनांक 20 अप्रैल 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/प्रक००/8-80/4096/—  
अतः, मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० कृपि भूमि है तथा जो नेब सराय, महरौली,  
नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और जो  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय  
नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)  
के अधीन दिनांक अगस्त, 1980

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के लक्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके लक्ष्यमान प्रतिफल से ऐसे लक्ष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कार्यकृत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँई किसी आय को बाहर, उक्त संपत्ति के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्रीमती असर्की विवाद पत्नी श्री गोकल, होशियार सिंह सुपुत्र श्री गोकल, श्रीमती शान्ती, सोविती, भागवती सुपुत्री श्री गोकल, ग्रामन्नेब सराय, नई दिल्ली ।  
(अन्तरक)

2. श्री मदन गोपाल सुपुत्र श्री मेलावा राम, सी-14, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षणेः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की हासिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्सेदारी किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

कृषि भूमि का 1/16, हिस्सा छोट 19 बीचे, खसरा नं० 580(4-16), 552(4-16), 553(4-16), 273(2-18), 554/3(1-14), स्थापित, ग्राम (1-14), स्थापित ग्राम नेब सराय, नई दिल्ली ।

आर० बी० एल० अग्रवाल  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, विकास भवन,  
एच ब्लाक, इन्डप्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली ।

तारीख: 20-4-1981

मोहर:

प्र० रूप आ० टी० एन० एस० -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, विकास भवन,  
एच ब्लाक, इन्ड्रप्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली-110002  
नई दिल्ली, दिनांक 20 अप्रैल 1981  
निर्देश सं० आई० ए० सी० /एक्य०/८-८०/४०२९—अतः  
मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ष के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो नेब सराय, महरौली,  
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में और जो  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन दिनांक अगस्त, 1980

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पूर्वांकित से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कीर्ति नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कर्मी करने या उससे बचने में सूचिधा  
के लिए; और/या

(ल) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सूचिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण  
में, भूमि, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित अविक्षयों, वर्धातः:—

- श्रीमती असर्फी, विधवा पत्नी गोकल, होशियार  
सिंह सुपुत्र श्री गोकल, श्रीमती शान्ती, सावित्री,  
भागवती, सुपुत्री श्री गोकल, प्रामनेव सराय,  
तद्दील-महरौली, नई दिल्ली । (अन्तरक)
- श्रीमती इन्द्रापुरी, पत्नी श्री राजिन्दर मोहन पुरी  
ए-1, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली । (अन्तरिती)

कर्ते यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येः—

- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्मान्ती व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांकित  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### मनुसूची

कृषि भूमि का 1/16 हिस्सा क्षेत्र 18 बीचे, और 19 बीचे  
खसरा नं० 551(4-18), 582(4-0), 269(4-11),  
554/2(0-14), 555/2(2-6), 556(0-2), 579/2,  
(2-8), स्थापित नेब सराय, महरौली, नई दिल्ली ।

आर० बी० एल० अग्रवाल  
सक्षम प्रधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, विकास भवन,  
एच ब्लाक, इन्ड्रप्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली ।

तारीख : 20-4-1981

मोहरः

प्रसूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

आजन रेज-1, विकास भवन,  
एच ब्लाक, इन्द्रप्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, दिनांक 20 अप्रैल 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/8-80-4018/—अतः  
मुझे, आर० बी० ए० अग्रवालआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० कृपि भूमि है तथा जो नेबरसराय  
महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची  
में और जो दूरीं रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन दिनांक अगस्त, 1980को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूके यह विष्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उल्लेख से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से कृपि किसी आय की आवत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—1. श्रीमती असर्की, विधवा-पत्नी श्री गोकल, हायियार  
सिंह, सुपुत्र श्री गोकल, श्रीमती शान्ती, सावित्री, और  
भागवती, सुपुत्री श्रीगोकल, ग्राम-नेब सराय, महरौली,  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री राजिन्दर मोहन पुरी सुपुत्र श्री सी० ए० पुरी  
ए-1, गीतान्जलि, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

कृषि धूमि का 1/16 हिस्सा क्षेत्र 19 बीघे, खसरा नं०  
592(4-16), 272(5-16), 550(5-9), 539-(3-14),  
270(0-5), स्थापित ग्राम नेब सराय, महरौली, नई दिल्ली।आर० बी० ए० अग्रवाल  
सम्म प्रधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
आजन रेज-1, विकास भवन,  
एच ब्लाक, इन्द्रप्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली।

तारीख: 20-4-1981

मोहर:

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, 1, विकास भवन,  
एच ब्लाक, इन्डप्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली 110002  
नई दिल्ली, दिनांक 20 अप्रैल 1981निर्देश सं 30 आई.टी.एन.एस. 80/4027/—अतः  
मुझे, आरा० बी० एल० अग्रवालआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
द्वारा उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. ने अधिक हैऔर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो नेब सराय, महरौली,  
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण प्राधिकारी के कार्यालय नई  
दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के  
अधीन दिनांक अगस्त, 1980को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान  
प्राप्तिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का दारण है कि दृष्यमान प्राप्तिकल के उचित बाजार  
मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के  
पद्धति प्राप्तिकल से अधिक है और अन्तरित (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित नदूदेश्य से उक्त अन्तरण निम्नित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दिने के अन्तरक के  
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—1. श्रीमती विधवा पल्ली श्री गोकल, होशियार सिंह सुपुत्र  
श्री गोकल, श्रीमती शान्ती, सावित्री, और भागवती, सुपुत्री  
श्रीगोकल ग्राम नेबसराय, महरौली, नई दिल्ली।  
(अन्तरक)2. श्री ओमप्रकाश सुपुत्र श्री मेलावा राम,  
सी-14 ग्रीन पार्क, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

के यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्षेत्र भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि का 1/16, हिस्सा, क्षेत्र 18 बीचे और 16 बिचे  
बस्तरा नं० 573(4-16), 574(4-16), 577 (4-16)  
591/1 (2-8), 268(2-0), स्थापित ग्राम नेब सराय, महरौली,  
नई दिल्ली।आरा० बी० एल० अग्रवाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, विकास भवन  
एच ब्लाक, इन्डप्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली  
तारीख 20-4-1981  
मोहर:

प्रस्तुप आर्ह. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, विकास भवन  
एच ब्लाक, इन्द्रप्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली  
नई दिल्ली, दिनांक 20 अप्रैल 1981

निर्देश सं० आर्ह० ए० सी०/एक्य०/८-८०/४०२४/—अतः मुझे  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है'), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृपि भूमि है तथा जो नेब सराय, नई दिल्ली में  
स्थित है (और इसमें उपाबन्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक अगस्त, 1980

अब पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दूर्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूर्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकर्ता)  
और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कीर्थत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हाई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 धा 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री रूपसाल, मुप्रव श्री वंशीराम,  
नेब सराय, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. ओम प्रकाश मुप्रव श्री मेलावा राम,  
सी-14, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्षेहं भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अंधिध बाव में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रष्ट  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

ममूल्या

कृषि भूमि का 1/16 हिस्सा, क्षेत्र 18 बीघे, और 15 बीघ  
खसरा नं० 573 (4-16), 554(4-16), 577(4-16),  
591(2-8), 268(2-0), स्थापित ग्राम नेब सराय,  
नई दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, विकास भवन,  
एच ब्लाक, इन्द्रप्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली

तारीख : 20-4-1981

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, विकास भवन,  
ग्रांच ब्लॉक, इन्द्रप्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली  
नई दिल्ली, दिनांक 20 अप्रैल 1981

निदेश सं. आई० ए० सी०/एस्य०/एस०आर-3/8-80/  
1110/—अतः मुझे, आर० वी० ए० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो विज्वाशन में स्थित है  
(और इससे उपावढ़ अनुसूची में और जो पूर्ण ढंप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीर्ड अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीर रण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अगस्त,

1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास  
करने का कारण है कि ग्रथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृद किसी आय की आवत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री शामे सिंह, सुपुत्र श्री नेतराम,  
ग्राम केपशोरा

(अतः)

2 मै० सूरजकन्द्रकशन आ० इस्टेट (प्रा०) नि०  
115 धन्सन भवन, 16 कस्तुरबा गांधी मार्ग,  
नई दिल्ली । (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयां करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामिल से 30 विन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

का भवि नं 1/3 त्रिसा, श्रेणी 14 विषे, और 16  
विश्वास रेक्ट, नं० 7, खसरा नं० 23 (16), रेक्ट नं० 76,  
खसरा नं० 23 (1-09), 24(4-16), और 25(3-15),  
ग्राम विज्वाशन ।

आर० वी० ए० अग्रवाल  
मकाम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

तारीख 20-4-1981  
मोहर :

प्रधान आई. टी. एन. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1,

एच ब्लाफ़, विकास भवन इन्ड्रप्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 20 अप्रैल 1981

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्य०/एस० आर० 3  
8-80/1109/—अतः मुझे आर० बी० एन० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269  
घ के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

जिसकी सं० छपि भूमि है तथा जो आम विज्ञापन में स्थित है  
(श्रीर इसमें उपाबन्ध अनुमूली में आंग जो पूर्ण खप से बर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अगस्त  
1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से दोसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उच्चदेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कीदित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हटाई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
की करने या उससे बचने में सुविधा के लिए  
श्रीर/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपशारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अस्ति:—

6—76 GI/81

1. श्री कीरोरी मल मुमुक्षु श्री नेत राम,  
ग्राम—केपणेश।

(अन्तरक)

2. मैं सूरज कलस्ट्रक्यून, श्रीर इस्टेट प्रा० लि०  
115, अन्नल भवन, 16 को० जी० मार्ग,  
नई दिल्ली।

अन्तरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
वार्तादाताओं करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्समानी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस-  
वड्ड किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

सार्वोक्तरण:—इसमें प्रथम शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अन्तरूपी

कृषि भूमि क्षेत्र 1/3 हिस्मा 14 बिघे, श्रीर 16 विश्वास,  
रेक्ट० न० 47, खसरा न० 23(4-16) रेक्ट० न० 76, खसरा  
न० 23(1-09), 24(4-16), श्रीर 25(3-15), श्राम  
विज्ञापन।

श्रा० नी० एल० अग्रवाल  
सक्षम प्रधिकारी  
महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्ज रेंज-1, विकास भवन,  
एम० इन्ड्रप्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली

तारीख 20-4-1981

मोहर :

शास्त्र प्राई० बी० एल० एड०—

पालकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा  
269 व (1) के पश्चान सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजेन रेंज, 1, विकास भवन,

एच ब्लाक, इन्ड्र प्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 20 अप्रैल, 1981

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/8-80/933—अतः

मुझे आर० बी० एल० अग्रवाल

पालकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा जाता है), की भारा 269-व  
के पश्चान सकाम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम सतकार, में स्थित  
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक  
अगस्त, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिकृति के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकृति से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकृति का  
प्रत्यक्ष प्रतिकृति से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तप पाया गया प्रतिकृति निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक  
निम्निति में शास्त्रिय रूप से कठित नहीं किया जाता है :—

(अ) अन्तरक से ही किसी घाव की वारत उक्त  
अधिनियम के पश्चान कर देने के अन्तरक क  
समिक्षा में कमी करने या उक्त उपचार में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ब) ऐसी किसी घाव या किसी छन या अन्य वास्तियों  
को, जिन्हे पारसीय पालकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा  
बन-कर अधिनियम, 1967 (1967 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वाय प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की वाय 269-व के अनुदरण  
में, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उचावारा (1)  
अदीन, निम्नलिखित अधिकृतों, अवृत् ।—

1. श्री इस्माइल, सुपुत्र श्री मेज़ा,  
ग्राम जद, कुला, दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. मै० अन्सल हाउसिंग और इस्टेट प्रा० लि०  
115, प्रन्स भवन, 16 कस्तूरी, गांधी नगरी,  
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचावन के लिए  
कार्यवाहियों करता है ।

उक्त सम्पत्ति के उचावन के संबंध में कोई भी आक्षेप ।—

(क) इस सूचना के उचावन में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तस्ताम्भक्षी अवधितकों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती ही के भीतर पूर्वोक्त अधिकृतों में से  
किसी अवधित द्वारा;

(ब) इस सूचना के उचावन में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी प्रण्य अपक्रित द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

उपलब्धीकरण:—इसमें प्रदूषित गव्वों और पर्दों का, जो उक्त  
अधिनियम के अन्तर्गत 20-क में परिकारित  
है, वही अर्थ होता, जो उक्त व्यवाध में  
दिया गया है ।

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र 4 बिले और 16 विवास, खसरा नं०  
876(4-16), स्थापित ग्राम सतकारी ।

आर० बी० एल० अग्रवाल  
सकाम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
प्रजेन रेंज 1, विकास भवन,  
एच ब्लाक, इन्ड्र प्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली

तारीख 20-4-1981

मोहर :

प्रस्तुत भारतीय टी.एन.एल.-----

1. श्री इस्माइल सुपुत्र श्री मेवजा, ग्राम-चन्दन हुला,  
दिल्ली

(अन्तरक)

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

2. मैं अन्सल हाउसिंग, इस्टेट प्रा० लि०

115-अन्सल भवन-16 कस्तुरी गांधी मार्ग, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आपकर आयुक्त (प्रियकाश)

अर्जन रेंज 1, दिल्ली

नई दिल्ली-220002, दिनांक 20 अप्रैल 81

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयां करता है।

निवेदन सं० आई० ए० सी०/एक्य०/१/एस० आर०-३/८-८०/९३२

अतः सुमि, आर०बी०एल० अग्रवाल

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

जिसकी सं० कृषि भूमि, है तथा जो सतवारी में स्थित है (ग्रोर इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, ऐसे इस्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिक्रिया से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए हाथ पम्पा गया प्रतिफल निम्नलिखित उपदेश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तव रूप से कीभित नहीं किया गया है:--

उपर सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाकीच:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अवधि या तत्समानी व्यक्तिगतों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्सेदारी किसी अन्य व्यक्ति द्वारा जापोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वामीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के लिए अन्तरित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूचिता के लिए; और/वा

अनुसूची

(ब) ऐसी किसी आय या किसी भग्न या अन्य जास्तियों के, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भग्न-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगभार्ता अन्तरिक्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचिता के लिए;

कृषि भूमि का क्षेत्र 3 बीघे और 4 विश्वास, खसरा नं० 878/1(3-04) स्थापित-ग्राम-सतवारी।

आर० बी० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (प्रियकाश)  
अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 20-4-1981

मोहर:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के, अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधिकृत:--

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 दिल्ली-2

एवं ब्लाक, विकास भवन, इन्डप्रेस्ट इस्टेट, नई दिल्ली-  
0002 तारीख 20-4-1981

निर्देश सं० आई०ए०सी०-एक्य०-१-एस-आर-३-८-८०  
-९३१/—अतः मुझे आर०बी०एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-स्स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/-रु. से अधिक है

जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो गदार्पुर, में स्थित है (ओर  
इससे उपाब्द अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
श्रद्धिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, दिल्ली 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख अगस्त 1980

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दर्शमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दर्शमान प्रतिफल से, एसे दर्शमान प्रतिफल का  
पर्याप्त प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक्त) और अन्तरिक्ती  
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कार्यित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, ये, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उम्मदा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री-इस्माईल सुपुत्र श्री मेवजा, ग्राम-चन्दन हुला,  
दिल्ली

(अन्तरक).

2. —श्रीमती अधो, पत्नी श्री इस्माईल  
ग्राम-चन्दन हुला, दिल्ली

(अन्तरिक्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्मानी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:-**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 29-क में परिभ्रान्त हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

“कृषि भूमि क्षेत्र 5 बीघे और 1 बिश्वा, 1/3 हिस्सा,  
खसरा नं० 752-1 (2-00), 755 (3-06), 756 (4-  
16) और 757 (5-01) ग्राम- मदाईपुर।

आर० बी० एल० अग्रवाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 20-4-1981

मोहर :

प्रसूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

एच ब्लाक, विकास भवन, इन्डप्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली-  
220002

तारीख 20 अप्रैल 1981

निर्देश सं० आई.ए०सी०-एक्यू-८-८०-१००९—अतः  
मुझे, आर०बी०एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु. में अधिक है

जिसकी सं० कृषि भूमि है

तथा जो विज्वाशन में स्थित है) और इससे उपावद्ध अनु-  
सूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 19-  
०८ (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1980  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाश गत्या प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कार्यकृत नहीं किया गया हैः—

(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर बने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, भूमि, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधिकृतः—

1. मै० चानक भाटा क० ग्राम विज्वाशन,  
प्रो-श्री श्री विष्णु राग।

(अन्तरक)

2. मै० सुरज कनस्ट्रॉन्स इस्टेट प्रा० लि०  
115-अन्नल भवन, 16 कस्तुरी गांधी भाग, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना पारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हैः।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि को धैत्र 7 बीघे, 1-1-2 हिस्सा भूमि का,  
संख्या नं० 178(14-00), ग्राम-विज्वाशन

। आर० बी० एल० अग्रवाल  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

तारीखः 20-4-1981.

मा० :

बहुप्रभावी. टी. ए. एस. -----

अधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (नियोक्ता)

अर्जन रेंज-I,

एच ब्लाक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ स्टेट,  
नई दिल्ली 110002 तारीख 20 अप्रैल 1981

निवेद सं० आई०ए०सी०/एक्यू११/एस-आर-३-८-  
८०-१००८—अतः मुझे, आर०बी०एल० अग्रवाल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विवास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम विज्वाशन में स्थित है  
(और इससे उपावद अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख अगस्त 1980

को पूर्णता संपादित के उचित बाजार मूल्य से कम के विवास  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास  
करने का कारण है कि विवास के उचित बाजार  
मूल्य, उसके विवास प्रतिफल से, एसे विवास प्रतिफल का  
पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कठित नहीं किया गया है ।—

(क) अन्तरण से हूर्दे किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर बने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने वा उससे बने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ब) एसी किसी अम्य या किसी धन वा अन्य वापसीयों  
के, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, वा  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती बाबारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना आविहए था, लिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम को भारा 269-व के अन्तरण  
में, भौतिक उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, द्वारा :—

१. मै० चानक भाटा क० ग्राम—विज्वाशन, प्रो-प  
श्री विद्यें राम, ।  
(अन्तरक)
२. मै० सूरज कनस्ट्र० और इस्टेट प्रा० लि०  
११५-अन्तरण भवन, १६ कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीया करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
४५ दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से ३० दिन की अवधि, जो भी  
अवधि या तारीख में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितदहूँ  
किसी अम्य व्यक्ति द्वारा अधेहसाभारी के पास  
प्रिवेत में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

## नामांकन

कृषि योग्य भूमि का भेत्रफल 10 बीघे और 1 विश्वाला  
खसरा नं० 174(भासनर) (10-01) ग्राम-विज्वाशन ।

ग्राम बी० एल० अग्रवाल,  
सकाम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (नियोक्ता)  
अर्जन रेंज I, विकास भवन  
एच ब्लाक, इन्द्रप्रस्थ स्टेट, दिल्ली नई दिल्ली ।

तारीख: 20-4-1981.

मोहर:

प्रस्तुत भाई० श्री० एस० एत०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई विल्ली-110002, दिनांक 20 प्रैल 1981.

निर्देश सं० आई०ए०सी०-एक्य०/एस-प्रार-3/8-80-1000—भ्रत: मुझे, आर०बी०एल० अग्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-व के प्रधीन संभव प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है।

तथा जिस कृषि भूमि है तथा जो नव सराय, महरीली में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अस्त 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पूर्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया था कि यथापूर्वोक्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण विविध में बास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और /या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ प्रतिरिती दारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रत: यद्य उक्त अधिनियम की बारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की बारा 269-व (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथात् ।—

1. श्री-जीया राम, सुपुत्र श्री मोहनरामनेन्द्र सराय, नई दिल्ली।  
(अन्तरक)

2. श्री-मदन गोपाल, सुपुत्र श्री मेलावा राम सी-14, ग्रीन पार्क नई दिल्ली  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रंथन के लिए कार्यवाहिका करता है।

उक्त सम्पत्ति के ग्रंथन के सम्बन्ध में कोई भी आकेले :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्मान्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रबल बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्राव्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्त अधिनियम के प्रज्ञाय 20-क में परिभाषित है, वही अर्जन होगा, जो उस प्रज्ञाय में दिया गया है।

### प्रमुखी

कृषि भूमि का 1/8 हिस्सा, जसरा नं० 580(4-16), 552(4-16), 553(4-16), 273(2-18), 554/3 (1-14) स्थापित, ग्राम- नेबसराय, तहसील-महरीली, नई दिल्ली।

श्री० श्री० एल० अग्रवाल  
संभव प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1 नई दिल्ली

तारीख: 20-4-1981

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अधीन रेंज-1 दिल्ली-2

नई दिल्ली-220002 दिनांक 20 अप्रैल 1981

निर्देश सं० आई०ए०सी०-एक्य०-1-एस आर- 3/

8-80/1037—अतः मुझे, आर०बी०एल० अग्रवाल आयकर आयुक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम सत्त्वारी, में स्थित है और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त 1980

को पूर्वावत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक्षे) और अन्तरिरी (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तभ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीथत नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हूँ इ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी भन मा अन्य आस्तियों के, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्तरण में, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों व्याप्ति :—

1. श्री प्रेम नाथ सुपुत्र श्री हन्स राज, ए-69, एन०डी०एस०ई०-2, नई दिल्ली

(अन्तरक)

2. मै० अन्सल हाउसिंग और इस्टेट प्रत्यय० लि० 115 अन्सल भवन-16 कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

के यह सूचना जारी करके पूर्वावत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आकोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वावत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि योग्य भूमि का क्षेत्रफल-9 विधे और 12 विधा, खसरा नं० 534(माइनर) (1-16) और 537(4-16) ग्राम-सत्त्वारी,

आर० बी० एल० अग्रवाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)  
अधीन रेंज-1, विकास भवन  
एच ब्लॉक, इन्ड्रा प्रस्थ मॉटे, नई दिल्ली

तारीख 20-4-1981

मोहर:

प्रकृष्ट प्राई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 20 अप्रैल 1981

निदश सं० आई०ए०सी०-एक्य०-१-एस-आर-३/८-८०/

१९८८—अर्थ: मुझे, आर०बी०एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
पैसे से अधिक हैजिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो नैव सराय नई दिल्ली  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से  
बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख अगस्त 1980को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रक्षरण के लिए तथ पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में  
सुविधा के लिए;अतः आद, उक्त अधिनियम की भारा 269-प के अनुसरण में  
में, उक्त अधिनियम की भारा 269-प की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित अविस्तरों, अर्थात्:—

7—76GI/81

1. श्री जीया राम सुप्रत श्री मोहारप्राम—नेबसराय,  
नई दिल्ली

(अन्तरक)

2. श्री ओम प्रकाश सुप्रत श्री मेलावा राम, सी-14,  
ग्रीन पार्क, नई दिल्ली

(अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके युर्बांस सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्याक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन को अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती ही, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबंध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोलिखारी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और रद्दों का, जो उक्त  
अधिनियम के अन्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अन्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

1-8 हिस्सा कृषि भूमि का क्षेत्र 18 बीघे और 16  
बिस्त्रा, खसरा नं० 573(4-16), 574(4-16), 577  
(4-16), 591-1(2-8), 298(2-0), ग्राम-नेब सराय  
नई दिल्ली।आर० बी० एल० अग्रवाल  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण )  
अर्जन रेज 1, विकास भवन  
एच ब्लाक, इन्द्र प्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली।

तारीख : 20-4-1981

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एल० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 दिल्ली-2

एच० ब्लाक, विकास भवन, इन्द्र प्रस्थ म्टेट, नई दिल्ली-220002

नई दिल्ली, दिनांक 20 अप्रैल 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी० एक्य० 1/एस०-आर०-3/  
8-80/999—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो नेब सराय, नई दिल्ली  
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजि-  
स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक  
अगस्त, 1980

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के दस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से ऐसे दस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :

(क) अन्तरण से हृहै किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के बायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; और/या

(क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तिया अर्थात्:—

1. श्री जीया राम सुप्रति श्री मोलहार, नेब सराय, नई दिल्ली (अन्तरक)
2. श्री राजिन्दर मोहन पुरी सुप्रति श्री सी० एल० पुरी ए-1, गीतान्जली, नई दिल्ली

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-दहश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्योकरण:—इसमें प्रयोक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/8 हिसा कृषि भूमि का क्षेत्र 19 बिघे, खसरा नं० 592 (4-16), 272(4-16), 550(5-9), 539(3-14), 270(0-5) स्थापित-ग्राम नेब सराय, तहसील, महरोली नई दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन-रेंज-1, विकास भवन  
एच० ब्लाक इन्द्र प्रस्थ म्टेट, नई दिल्ली

तारीख : 20-4-4-81

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

1. श्री रावल चन्द्र,

(अम्तरक)

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

2. श्री कालु राम कौशिक,

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, महायकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्ज रेज I, एच० साक, विकास भवन  
नई दिल्ली, 110002 (आई० पी० इस्टेट)

नई दिल्ली, दिनांक 20 अप्रैल 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/१/एस० आर०-३/८-८०/  
१००७/अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,  
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के  
अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थायकर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक हैश्रीर. जिसकी सं० एल० २४ है तथा जी कालुजी, नई  
दिल्ली में स्थित है (श्रीर. इसमें उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से  
बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन दिनांक अगस्त, 1980,  
को पूर्वोक्त मंपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त लंगति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित  
उद्देश्य से उचित अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है:—को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आलोचना

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा; या(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थायकर सम्पत्ति में हितवद  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकें।स्पष्टीकरण:—इनमें प्रयुक्त पाठों और पदों का, जो उक्त  
प्रविनियम के अध्याय 20 के यथापरिभाषित  
हैं, वही पर्याप्त होगा, जो उस अध्याय में  
विद्या गया है।(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने  
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्त द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या यां किसी जाना चाहिए या छिपाने  
में सुविधा के लिए;प्लाट नं० एल०-२४, कालुजी, नई दिल्ली क्षेत्रफल 200  
वर्ग गज ।आर० बी० एल० अग्रवाल  
सकाम प्राधिकारी  
महायकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण)अर्जन रेज०, विकास भवन  
एच० ब्लॉक, इन्ड्र प्रस्थ स्टेट, दिल्ली/नई दिल्ली ।

दिनांक : 20-4-981

मोहर :

अतः, यदि, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्यात्:—

प्रस्तुप आई० द्वी० एन० एस०-----

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आपकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज 1

एच० ब्लाक, विकास भवन, नई दिल्ली-110002  
(आई पी० स्टेट)

नई दिल्ली, दिनांक 20 अप्रैल, 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/१/एस० आर०-३/८-८०/९९७/प्रतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,  
आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सकम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो नेब सराय, महरौली, नई  
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीरण। अधिनारी के कार्यालय नई दिल्ली में  
भारतीय रजिस्ट्रीरण अधिनियम, 1908 ((1908 का 16)  
के अधीन दिनांक अगस्त, 1980,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
पूर्णमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल से बहुत प्रतिशत अधिक है और  
अम्तरक (अन्तरकों) और प्रतिरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
चाहेरे में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आपकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर परिविनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रश्नजनाव अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, प्रेष, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुकरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपस्थारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधितयों, अर्थात् :—

1—श्री जीया राम, मुमुक्षु व्यक्ति मल्हार ग्रामर-नेब सराय,  
नई दिल्ली।

(प्रस्तरक)

2. श्री श्रीमति इम्द्रा पुरी, पत्नी श्री राजीन्द्र मोहन पुरी  
गीतांजली, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवैत के लिए  
कार्यालयी करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अवैत के सम्बन्ध में कोई भी व्यापेय :—

(क) इस पूर्वार के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तासंबंधी अवधियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाल में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधितयों में से किसी अधित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अधित द्वारा, अद्वाहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नं० 551(4-18), 582(4-0), 269(4-11), 554/2 (0-14), 555/2(2-6) 556(0-2), 579/2(2-8),  
ग्राम-नेबसराय, तहसील-महरौली, नई दिल्ली । -

आर० बी० एल० अग्रवाल  
सकम प्राधिकारी  
निरीक्षण सहायक आपकर आयुक्त  
प्रजन रेज ।, विकास भवन  
एच० ब्लाकप, हन्द्र प्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली  
दिनांक 20-4-81  
मीहर :

प्रकृष्ट बाहौ.टी.एम.एल.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1 एच इलाक- विकास भवन नई दिल्ली-110002

(आई०पी०इस्टेट)  
नई दिल्ली, दिनांक 10 अप्रैल, 1981

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एक्य०/१/एस०-आर०-३/८-८०/  
4198/अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी करे यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो नेब सराय, नई दिल्ली  
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्स अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
दिनांक अगस्त, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
अन्तरितियों के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हर्द किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के  
वायित्य में कभी करने वा उससे बचने वां सुविधा  
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, लिपान में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः—

1—श्री सोहन सिंह सुपुत्र श्री सुबेदार खूबीराम, ग्राम-नेब  
सराय-नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

2—श्री सुशील अन्सल सुपुत्र श्री चिरंजी लाल एन०-148,  
पंचाली पार्क, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहिया करता हूँ ।

उक्त सम्बन्ध के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोक्षताकारी के  
पास सिद्धि में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं  
वहीं पर्यंत होंगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र 4 बिबे, और 16 बिश्वा, खसरा नं० 598,  
ग्राम-नेब सराय, नई दिल्ली ।

आर०बी०एल० अग्रवाल  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज 1 नई दिल्ली -110002

दिनांक 20-4-1981  
मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आपहर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज 1 एच० ब्लाक, विकास भवन, नई दिल्ली -110002  
(आई० पी० इस्टेट)

नई दिल्ली-110002, दिनांक 20 अप्रैल 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/१/एस०-आर०-३/८-८०/  
4199—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,  
आपहर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ नं अधीनों परन्तु प्राप्तिकारी को, यह विवास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 23,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो नई दिल्ली, नेब सराय,  
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में पूर्व  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय  
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन दिनांक अगस्त, 1980  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण ने दूई किसी आय की वावत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; भीर्या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम को धारा की 269-घ की उपमारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1—श्री सोहन सिंह सुपुत्र श्री सुदेवार खुबी राम एन-148,  
पंचशील पार्क, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2—श्री सुशील अत्सल, सुपुत्र श्री चिरंजी लाल, एन-148,  
पंचशील पार्क, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
निए कायंवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
नमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे :

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-ए में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उउ अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि, क्षेत्र 4 बिंधे और 16 विश्वा, खारा नं० 586,  
ग्राम-नेब सराय, नई दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली -110002  
विकास भवन  
एच० ब्लाक इन्ड्र प्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली

दिनांक : 20-4-1981

मोहर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, एच० ब्लाक, विकास भवन नई दिल्ली-110002  
(आई० पी० स्टेट)

नई दिल्ली-110002, दिनांक 20 अप्रैल, 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/१/एम० आर०-३/८-८०/

4199—ग्रहण: मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है और

जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो नेब सराय, नई दिल्ली में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकरणी अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक  
अगस्त, 1980,

को पूर्वान्तर संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पश्चात प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हरै किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आद-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

जास: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1—श्री सोहन सिंह सुपुत्र श्री मुबेदार खुबी राम ग्राम-नेब  
सराय, तहसील-मेहरौली, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2—श्री मुशील अन्मल, सुपुत्र श्री चिरंजी लाल एन०-148,  
पंचशील पार्क, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्तर सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारील से  
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्वार्ता व्यक्तियों पर<sup>1</sup> सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वान्तर  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारील से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्तबूथ  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अन्तसूची

कृषि भूमि क्षेत्र 4 बिंदे और 13 बिंदे, खसरा नं० 585  
(2-13), 685/2(2-0) ग्राम—नेबसराय, नई दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, विकास भवन

एच० ब्लाक, इन्ड्र प्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली

दिनांक : 20-4-1981

मोहर :

प्र० रुप आई० डी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, एच० ब्लाक, विकास भवन

नई दिल्ली-110002 (आई०पी० इस्टेट)

नई दिल्ली-110002, दिनांक 20 अप्रैल 1981

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/१/एस०-आर०-३/८-८०/

4196—ग्रतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पाइचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सकारा को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो नेब सराय, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाध्य अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अगस्त, 1980,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिग्राम में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्ननिम्निकृत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दुर्दि किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कभी करने या उपरे बनने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसो किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1—श्री सोहन सिंह सुपुत्र श्री सुवेदार खूबीराम ग्राम—नेब सराय, तहसील, महरौली, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

2—श्री सुशील अन्सल, सुपुत्र चीरंजी लाल, एन-148, पंचशील पार्क, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के प्रज्ञन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त संपत्ति के प्रज्ञन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर सहस्र लक्ष्यर सम्पत्ति में द्वितीय किसी जग्य व्यक्ति द्वारा, अवोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रधायाय 20-क में परिचालित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रधायाय में दिया गया है।

## कृषि भूमि

कृषि भूमि, क्षेत्र 4 विधे, और 10 विश्वा, खसरा नं० 694/2 (1-0), 240/3(1-16), 523/1(1-14), ग्राम-नेब सराय नई दिल्ली ।

ग्राम० बी० एस० अग्रवाल  
सकार अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, विकास भवन,  
एच० ब्लाक, इन्द्र प्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली

दिनांक : 20-4-1981

मोहर :

प्र० र० आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, एच० ब्लॉक विकास भवन

नई दिल्ली-110002 (आई० पी० इस्टेट)

नई दिल्ली-110002, दिनांक 20 अप्रैल, 1981

निर्वेश सं० आई० ए० सी०/एस्य० 1/एस०-आर०-3/8-8०/

4195:—अतः मुझे आर० बी० एल० अग्रवाल,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर पंपति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है।

और जिसकी संभाया कृषि भूमि है तथा जो नेव सराय, नई दिल्ली, में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अगस्त, 1981।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच देने अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण विभिन्न में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से कुई किसी प्राप्ति की बाबत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उसमें बदलने में युविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राप्ति या इसी बताया गया अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनात्मक अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ष की उपचारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

8-76GT/81

- श्री सोहन सिंह पुत्र श्री सुवेदार खुबी राम ग्राम नेबसराय, तहसील महरौली, नई दिल्ली।  
(अन्तरक)
- श्री सुशील अन्सल, सुपुत्र श्री चिरन्जी लाल एम-148, पंचशील पार्क, नई दिल्ली।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्यापेप:—

- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन को अवधि या तस्मान्त्वी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोकृत्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त प्रधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि का क्षेत्र 4 बिहे और 16 विस्था, खसरा नं० 686, ग्राम नेबसराय, तहसील महरौली नई दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल,  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

दिनांक : 20-4-1981

मोहर :

प्रस्तुत प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

प्रजन रेंज-1, एच० ब्लॉक, विकास भवन  
नई दिल्ली-110002 (प्राई० पी० इस्टेट)  
नई दिल्ली-110002, दिनांक 20 प्रैल, 1981

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एक्य०/१/एस० आर०-३/८-८०/  
4197:—अतः मुझ आर० बी० एल० अग्रवाल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित  
आजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है  
और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो नेबसराय, नई  
दिल्ली में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप  
से कर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन तारीख आगस्त, 1980।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
बृद्धमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
दिवानाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके बृद्धमान प्रतिफल से ऐसे  
बृद्धमान प्रतिफल का पद्धत प्रतिष्ठात से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आसतविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बावत उक्त प्राधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरान के दायित्व  
में कमी करने या उसमें बचने में मुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, अ-  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाता चाहिए या लिपाने पर  
सुविध्य के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प  
की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अक्षियों  
अथवा :—

1. श्री सोहन सिंह, सुपुत्र मुबेरा खबी राम, नेबसराय,  
तहसील महरीली, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री मुशील अन्नल, सुपुत्र श्री चिरञ्जीव लाल एन-  
148, पंचशील पार्क, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के लिए  
कार्यान्वयन करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तासंबंधी अक्षियों पर सूचना की  
तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव भै  
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अक्षियों में के  
किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी  
अन्य अविक्त द्वाय, अधोवृत्ताकारी के पास लिखित  
प्रैंग जा सकें।

प्रत्येकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अन्याय 20-र में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा जो उप प्रधाय में दिया गया है।

अनुसन्धान

कृषि भूमि का क्षेत्र 4 बिधे और 9 बिस्था,  
खसरा नं० 636/1 (2-19), 636/3 (1-10), स्थापित  
ग्राम नेबसराय, नई दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)  
प्रजन रेंज-1, दिल्ली,

तारीख : 20-4-1981

मोहर :

प्रस्तुप वार्ष.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली  
नई दिल्ली-110002, दिनांक 20 अप्रैल 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/१/एस आर०-३/८-  
८०/४१८९:— अतः मुझे आर० बी० एल० अग्रवाल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कथि भूमि है तथा जो ग्राम नेबसराय,  
तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपा-  
बद्ध अनुसूची में पूर्व स्थप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख  
अगस्त, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के इस्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, एसे इस्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित  
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ है किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर बनें के अन्तरक के  
वायिक्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ल) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरित इवारा प्रकट नहीं किया  
गया था या कियो जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष के, अनुसरण  
में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अपराह्न:—

1. श्री सोहन सिंह सुपुत्र श्री सूबेदार खुबी राम ग्राम  
नेबसराय, तहसील महरौली, नई दिल्ली।  
(अन्तरक)
2. श्री सुशील अन्सल, सुपुत्र श्री चिरन्जीव लाल एन  
148, पंचपील पार्क, नई दिल्ली।  
(अन्तरिती)

करें यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्लॉर्ड भी आक्रमें:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबूझ  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताश्रृती के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में पर्याप्तिरूप  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

लग्नपत्र

कृषि भूमि क्षेत्र 1 बिबें और 11 बिस्वा, खसरा नं०  
687, ग्राम नेबसराय, नई दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

तारीख : 20-4-1981

मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 20 अप्रैल, 1981

निर्देश सं० आई ए० सी०/एक्य० 1/एस आर०-3/8-80/  
4190:—प्रतः मुझे आर० बी० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ष के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विषयास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी संभावा कृषि भूमि है तथा जो नेवसराय, नई  
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाखद अनुसूची में पूर्व  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई  
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकर्ता अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन तारीख अगस्त, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकर्ता)  
और अन्तरिक्ती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदृढ़ किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के  
वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिस्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्ती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीक्त:—

1. श्री सोहन सिंह सुपुत्र श्री सूबेदार खुबी राम नेव  
सराय, नई दिल्ली।

(प्रत्यक्ष)

2. श्री सुशील अन्सल, सुपुत्र श्री चिरन्जी लाल एन-  
148, पचशील पार्क, नई दिल्ली।

(प्रत्यक्षरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयाँ करसा हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र 3 विधे और 18 विस्ता, खसरा नं०  
587/1, नेव सराय, नई दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-I, नई दिल्ली

तारीख : 20-4-1981

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 20 अप्रैल 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/१/एस० आर०-३/८-८०/  
1038:—अतः मुझे आर० बी० ए८० अग्रवाल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम कहा गया है'), की धारा  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो कपाशेरा, महरौली नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावन्द अनुसूची में और पूर्व सूप्र में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 18) के अधीन, तारीख अगस्त, 1980 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री शंकर मुपुत्र श्री क्षारीया, जगराम, रामचन्द्र आलियस दुथर, मुपुत्र यादगाम, रामनारायण मुपुत्र श्री हृदेव, हरकूल, मूलचन्द, रामकिशन, जीतू, मोहन लाल, मुपुत्र मुखदेव, शिवनाथ, मुलतान मुपुत्र श्री उमराव, लाईक राम, रामधन, रामनिवास मुपुत्र श्री रामपत्र ग्राम कपाशेरा, महरौली, नई दिल्ली।  
(अन्तरक)

2. मैं पोदार कन्स्ट्रक्शन कं० प्रा० लि०, एफ-३, कैलाश कालोनी, नई दिल्ली द्वारा आ० बी० पोदार।  
(अन्तरिती)

क्षे यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यकार्हियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्षे भी आशेपे :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

**महरौली**

कृषि भूमि क्षेत्र 6 बिबे और 5 बिबे, खसरा नं० 693 (4-16), 765 /2(1-10), ग्राम कपाशेरा, महरौली, नई दिल्ली।

आर० बी० एल अग्रवाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली।

तारीख 20-4-1981

मोहर:

प्र० श्री शंकर सुपुत्र श्री ज्ञारीया, जग राम, रामचन्द्र, अलीयस

- श्री शंकर सुपुत्र श्री ज्ञारीया, जग राम, रामचन्द्र, अलीयस  
शुभर, सुपुत्र श्री यादराम, रामनारायण सुपुत्र श्री हरदेव,  
हरफूल, मूलचन्द, रामकिशन, जीतू, मोहन लाल सुपुत्र श्री  
मुखदेव शिवनाथ मुलतान सुपुत्र श्री ले उमराव, चैकराम  
राम दाम, सुपुत्र श्री रामगोपाल, मनोहर, लाला, राम  
धन, रामनिवास, सुपुत्र श्री रामपत, आनंदगीराम,  
उदयराम, सुपुत्र श्री अमृत, हुकमी सुपुत्र श्री खुसिया,  
सबका निवास—ग्राम कपाशोरा, महरौली, नई दिल्ली ।  
(अन्तरक)

- मै० पीदार कन्स्ट्रक्शन कं० प्रा० लि० एफ०-३,  
कैलाश कलौनी, नई दिल्ली ।  
(अन्तरित)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 28 अप्रैल 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/१/एस० आर०-३/८-८०/

1039:—अतः मुझे आर० बी० ए० अप्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम कपाशोरा,  
महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध  
अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्स अधिकारी  
के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख  
को पूर्वान्तर संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्ख यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वान्तर संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का  
न्यून प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ल) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आमतयों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-प के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्तर सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के ग्रजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, और भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वान्तर  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के ग्रजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रदूषित शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट  
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

मनूसूची

कृषि भूमि क्षेत्र 9 विष्वे और 5 विस्वे, खसरा नं०  
694 (4-16), 772 (4-9) ग्राम कपाशोरा, महरौली,  
नई दिल्ली ।

आर० बी० ए० अप्रवाल,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली ।

तारीख : 28-4-1981

मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-ज, दिल्ली  
नई दिल्ली-110002, दिनांक 28 अप्रैल 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एम्य०/१/एस० आर-३/८-८०/  
1042:—अतः, मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या कृपि भूमि है तथा जो ग्राम कपाशेरा  
महरौली, में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय नई  
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन तारीख अगस्त, 1980

के पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्ये यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पूर्व ह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर वने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः प्रभ, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्सरण  
में, ये, उक्त अधिनियम की धारा 269-व को उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री राम गोपाल, रामा नन्द, सुपुत्र श्री हरदेव  
और राम नारायण सुपुत्र श्री लाल सिंह, ग्राम  
कपा शेरा, महरौली, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

मैं पौदार कन्सट्रक्शन कॉर्पोरेशन कॉलोनी, नई दिल्ली।  
(अन्तरिती)

क्यों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में पौरभावित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र 7 बिले और 16 बिले, खसरा नं०  
854/1(2-0), 857 (4-16), स्थापित ग्राम कपा शेरा,  
महरौली, नई दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल,  
सकाम प्राधिकारी  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-ज, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 28-4-1981

मोहर :

प्रस्तुत आई-टी-एन-एस—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ए (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 दिल्ली

नई विल्ली-110002, दिनांक 28 अप्रैल 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/1/एस० आर०-3/8-80/  
1096/—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा याया है), की  
धारा 269-ए के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो कपाशेरा, महरीली,  
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
नई विल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त, 1980  
को पूर्वीकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान  
प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि पक्षानुवॉक्स सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दूष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूष्यमान  
प्रतिफल के पास ह प्रतिकृत प्रधिक है और इन्हें  
(प्रस्तरकों) और अस्तरिती (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे  
अस्तरण के सिए तय पाया याया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश से उक्त स्थावरण निश्चित में आस्तकिक रूप के कठिन  
नहीं किया जाया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम  
के अधीन कर देने के अस्तरक के लायिक में कमी  
करने या उससे बचन में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या व्याप्ति आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इत्या प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के दूष्यमान  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन—

1 श्री हुकमी सुपुत्र श्री खण्डिया, ग्राम कपाशेरा, महरीली,  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2 मैं पौदार कन्स्ट्रक्शन प्रा० लि०, एफ-3, कैलाश  
कालोनी, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकृत सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यालयान्वयन करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आलोचना—

(क) इस सूचना के राजावत प्रकाशन को तारीख  
में 45 दिन की अवधि या तस्वीरेवी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि,  
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर  
पूर्वीकृत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजावत प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
द्वितीय किसी घन्य व्यक्ति द्वारा, पश्चोहस्तानी  
के पास लिखित में लंबे जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उत्त  
अधिनियम' के व्यापार 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होता जो उस व्यापार में दिया  
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र 9 विधे और 12 विस्ते, खसरा नं०  
865 (4-16), 866(4-16), ग्राम कपाशेरा, महरीली,  
नई दिल्ली।

श्रार० बी० एल० अग्रवाल,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, दिल्ली-110002

तारीख: 20-4-1981

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-प(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज, भोपाल

नई दिल्ली, दिनांक 28 अप्रैल 1981

सं० आई० ए०सी०/एक्य०/१/एस० आर०/३/८-८०/१०९३

प्रतः भुक्त आर० बी० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प  
के प्रधीन सम्बन्ध प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण  
है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
इपए से अधिक हैऔर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो कपाशोरा, महरौली,  
नई दिल्ली में स्थित (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन तारीख अगस्त, 1980को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए प्रस्तुति की गई है और युक्त यह विवास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पश्चात् प्रतिकार से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रतिकार के लिए  
तथ पाया गया प्रतिकार निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरक से हुई किसी आय की बावत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए या, विपने में  
सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपकारा  
(1) के अधीन, निम्नलिखित अंकितयों, असौतः:—

9-76GI/81

1. श्री हुकमी सुपुत्र श्री खुशीया,  
ग्राम कपाशोरा, महरौली, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. मै० पोदार कन्सट्रक्शन कं० प्रा० लिमिटेड,  
एफ-3, कैलाश कलौनी, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन  
लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वासेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी अंकितयों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
अंकितयों में से किसी अंकित द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य अंकित द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास  
लिखित में किए जा सकें।सम्बन्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र 5 बिल्ये और 8 बिल्ये; खसरा नं० 868/1  
(0-12) 873 (0-16) ग्राम कपाशोरा, महरौली, नई  
दिल्ली।आर० बी० एल० अग्रवाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
प्रर्जन रेंज, दिल्ली, नई दिल्ली।

तारीख: 28 अप्रैल, 1981।

मोहर:

प्रस्तुत भाई० टी० एन० एस०—

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर ग्रामपुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

नई दिल्ली, दिनांक 28 अप्रैल 1981

सं० भाई० ए० सी०/एक्य०/१/एस०-ग्रार०-३/८-८०/१००२  
—अतः मेरे आर० बी० एल० श्रीग्रवाल,ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक हैऔर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो कपाशेरा, महरौली,  
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)

के अधीन तारीख अगस्त, 1980

को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित  
उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—(क) ग्रन्तरण से हुई किसी व्याय की वावत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिक्षण  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ग्रामस्तियों  
को, किन्तु भारतीय ग्रामकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपस्थाता  
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथवा :—1. सर्वेश्वी शिवनाथ, अमीं साल सुपुत्र श्री शिव राम,  
उदय राम, नरायण सिंह, ब्रह्म सिंह, हेमचन्द्र,  
सुपुत्रन श्री नरेन सिंह,  
सन्तोष सिंह, राज सिंह सुपुत्र श्री सिंह राम,  
ग्राम : कपाशेरा, महरौली, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. मै० रतन अपार्टमेंट प्रा० लिमिटेड,  
6/7, शान्ति निकेतन, नई दिल्ली ।को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहिया करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में  
मापात्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किमी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय किसी  
ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अधीक्षकारी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभासित है वही  
मर्यादित होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसन्धानी

कृषि भूमि क्षेत्र 5 विधे और 17 विश्वा, खसरा नं० 760/1  
(3-18), 761/2 (1-11), 791/1(0-1), 383/2/1  
(0-7) ग्रम कपाशेरा, तहसील महरौली, नई दिल्ली (11/12  
हिस्से) ।आर० बी० एल० श्रीग्रवाल  
सकाम प्राधिकारी  
सहायक ग्रामकर ग्रामपुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, दिल्ली, नई दिल्ली ।

तारीख : 28-4-1981 ।

मोहर :

प्रकृष्ट आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269ध(1) के पश्चान सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मई विल्ली

नई दिल्ली 110002, दिनांक 28 अप्रैल 1981

सं० आई० ए० सी०/एस०/१/एस० ३/८-८०/११००

अतः मुझे आर० बी० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ध  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवाद करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है।अर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम कपाशेरा, महरौली,  
दिल्ली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन तारीख अगस्त, 1980  
पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की यहै है और मुझे यह विवाद करने  
का कारण है कि यथापूर्वांकित यंत्रिति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया  
प्रतिफल, से निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कर्त्तव नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर वेतने के अन्तरक के वापिसी में कभी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनावें अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थि:—1. सरवंशी हरी सिंह, दुर्गा प्रसाद, भंगल सिंह सोन लाल,  
नावल सिंह, प्रकाश सिंह, ईश्वर सिंह, जयपाल सिंह,  
मोहन सिंह, धरम पाल, शीशपाल, अमर सिंह,  
रामचन्द्र सिंह,  
ग्राम : कपाशेरा, तहसील महरौली, नई दिल्ली ।  
(अन्तरक)2. मैं रतना अपार्टमेन्ट, प्रा० लिमिटेड,  
6/7, शान्ति निकेतन, नई दिल्ली ।  
(अन्तरिती)को यह सूचना आरी करके दूर्धोष्ट सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यान्वयिता करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन ।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तरंगवंशी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि भेल 5 बिल्डे, और 16 विल्डा, खसरा नं० 875  
और 876/1, ग्राम कपाशेरा तहसील महरौली, नई दिल्ली ।आर० बी० एल० अग्रवाल,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज दिल्ली, नई दिल्ली ।

तारीख : 28 अप्रैल, 1981

मोहर :

प्रकाश वाहू टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, दिल्ली

नई दिल्ली-I, दिनांक 28 अप्रैल, 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/१/एस० आर०-३/८-८०/  
-१०९४ अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
के पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
प के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो कापाशेरा, महरौली,  
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपबन्ध अनुसूची में पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन तारीख अगस्त, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसै इश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच एसै अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(a) अन्तरण से हृइं किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
जीरु/या

(b) एसै किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

जह: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-प के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प को उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्जित:—

1. श्री हुकमी सुप्रत श्री खुसीया,  
ग्राम कपाशेरा, महरौली, नई दिल्ली।  
(अन्तरक)
2. मैं पोदार कन्सट्रक्शन कं० प्रा० लिमिटेड,  
एफ०-३, कैलाश कालौनी, नई दिल्ली।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्षेत्र भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बंधी अविक्तियों पर सूचना  
की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी व्यक्ति  
बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वहो अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र 7 विधे और 14 विधे, खसरा नं० 578  
(4.10), 867/1(3-4), ग्राम कपाशेरा, तहसील महरौली,  
नई दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल  
सक्रम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीखी 28-4-1981

मोहर:

प्रस्तुप आर्टी.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 28 अप्रैल 1981

सं० आई० एसी०/एक्य०/१/एस० आर०-३/८-८०/११०३

अतः मुझे आर० बी० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो कपाशेरा, महरौली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता प्राधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दर्शनान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दर्शनान प्रतिफल से, ऐसे दर्शनान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धि में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(ल) अन्तरण से हट्टे किसी आय की वापर उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(म) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थी अन्तरीती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन ८—

1. सर्वश्री चान्दगी राम, उदय राम, सुपुत्र श्री अमृत, लैकराम, रामदास, सुपुत्र श्री रामगोपाल, मनोहर, लालाराम, राधन, रामनिवास, सुपुत्र श्री रामपत, शिवनाथ, सुलतान, सुपुत्र श्री उमराब, ग्राम : कपाशेरा, महरौली, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. मैं सत्त कन्स्ट्रक्शन कंपनी प्रा० लिमिटेड, एफ०-३, कैलाश कालीनी, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयिता शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांहे भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अधिक बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभावसाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

कृषि भूमि 6 बीघे, और 12 बिंदे, खसरा नं० 584 (5-12), 692 माइनर (1-0) ग्राम कपाशेरा महरौली, नई दिल्ली ।

आर० बी० एल० अग्रवाल,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, दिल्ली, नई दिल्ली ।

तारीख : 28-4-1981

मोहर :

प्रकप आई० बी० एल० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
बारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

नई दिल्ली, विनांक 28 अप्रैल, 1981

सं० आई० ए० सी०/एक्य०/१/एल० आर०-३/८-८०/११००

अतः मुझे आर० बी० एल० अग्रवाल,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० कुपि भूमि है तथा जो ग्राम कापरहड़ा, महरौली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्क्षित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख प्रगत्त, 1980

को पूर्णकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अक्षरित की नई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्डित प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (प्रमुखकों) और अन्तरिती (प्रमत्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा याया याया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वार्ताविक रूप से कहित नहीं किया जाता है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आवद की वायव उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कर्ता करने वा उक्ते वर्चने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम; या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अन्दरकार्य अन्तरिती हारा शक्ट नहीं किया जाया या किया जाना चाहिए वा, जिपने में सुविधा के लिए;

अतः अब; उक्त अधिनियम की बारा 269-व के अनुवरण में, यैं, उक्त अधिनियम की बारा 269-व की उपकारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अवृत्त:—

1. सर्वेश्वी घन्दगी राम, उदयराम, सुपुत्र श्री अमृत, लाहौरराम, रामदास सुपुत्र श्री रामगोपाल, भनोहर, लालाराम, रामधन, रामनिवास सुपुत्र श्रीरामपत, शिवनाथ, सुलतान, सुपुत्र श्री उमराब, ग्राम: कापरहड़ा, तहसील, महरौली, नई दिल्ली।  
(अन्तरक)

2. मै० सागर कन्सट्रक्शन कंपनी प्रा० लिमिटेड, एफ०-३, कैलाश कालोनी, नई दिल्ली  
बारा : जी० डी० पोदार।

(अन्तरिती)

को यह सूचना वारी सरकारी पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधिने के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अधिने के सम्बन्ध में कोई भी घावेण:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या उक्त सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूल्यांकन की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी प्रबंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी घम्य व्यक्ति हारा अवोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रामित है, वही पर्यंत होगा जो उक्त अध्याय में दिया जाता है।

अनुसूची

कुपि भूमि क्षेत्र 7 बिंदे और 12 बिंदे, खसरा नं० 579/1, ग्राम: कापरहड़ा तहसील महरौली, नई दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल,  
सद्वम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, नई दिल्ली

तारीख 28-4-1981।

मौहर:

प्रध्यपत्र आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा  
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- , दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 28 अप्रैल, 1981

निवेश सं० आई०ए०सी०/एक्य०/१/एस० आर०-३/८-  
८०/११०२—प्रतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-  
ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० कुषि भूमि है तथा जो ग्राम कपाशेरा, महरौली  
में स्थित है (और उससे उपाबद्ध अनुसूची में  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख अगस्त, 1980को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अध्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि वथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके अध्यमान प्रतिफल से, एसे अध्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सब पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है ।(क) अन्तरण से हैै किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या(क) एसी किसी आय या किसी धन या उन्न्य वास्तवियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन,  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ष के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उण्ठाना (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ८-

- सर्वश्री चन्दगीराम, उदयराम सुपुत्र श्री अमृत,  
लालकराम, रामदास, सुपुत्र श्री रामगोपाल,  
मनोहर, लालाराम, रामधन, रामनिवास सुपुत्र श्री रामपत  
शिवनाथ, सुल्तान, सुपुत्र श्री उमराव,  
ग्रम कपाशेरा, महरौली, नई दिल्ली । (अन्तरक)
- मै० सागर कन्सट्रक्शन कंपनी प्रा० लिमिटेड,  
एफ०-३, कैलाईग, कालोनी, नई दिल्ली । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
बास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-के परिमापित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

## अनुसूची

कुषिभूमि क्षेत्र 7 बिंचे और 16 विंचे, खसरा नं० 868/2  
(0-19), 869/1 (1-18), 872/1 (3-7), 867/2 (1-12)  
ग्राम कपाशेरा, महरौली, नई दिल्ली ।आर० बी० एल० अग्रवाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, विल्ली, नई दिल्ली

तारीख 28-4-1981

मोहर :

प्रकृपा माई० टी० एन० एस०—  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल  
भोपाल, दिनांक 20 अप्रैल, 1981

सं० आई०ए०सी० अर्जन—आतः मुझे विजय माथुर  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० हस्का नं० 14 है, तथा जो पीपल्या राव में स्थित  
है (और इससे उपावद्ध अमूसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 11 अगस्त

1980  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पश्चह प्रतिपात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तथा पाया गया प्रतिक्रिया, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय प्राप्त-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, जिसने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष के अनुसरण  
में, म उक्त अधिनियम को धारा 269-ष की उपचारा(1)  
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्द्धतः—

1. श्री गिरधारी लाल पिता सीताराम,  
निवासी नाम : पीपल्या राव, इन्दौर ।  
(अन्तरक)

2. डा० कलना कर त्रिवेदी, व आठ अन्य,  
निवासी : 22, साजन नगर, इन्दौर ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजन के  
लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आलोचना—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदृस्तावती के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

एवटीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमूसूची

भूमि हस्का नं० 14 ग्राम पीपल्या राव, इन्दौर—3  
एकड़ ।

विजय माथुर  
सकाम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 20-4-1981

मोहर :

प्रूफ आर्ड. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 21 अप्रैल, 1981

सं० आई० ए० सी० (अर्जन) —अतः मुझे, विजय माधुर  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को भारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु. से अधिक है  
और जिसकी मूल्य है, तथा जो हनुमान बाग रत्नाम में स्थित  
है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय रत्नाम में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 22

अगस्त, 1980

की पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पूर्ण प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से दर्थित नहीं किया गया है :—

(क) बान्तरण में हृदृक्ष किसी आग की हावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) द्वा उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के, अनुसरण  
में, भौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

10—76GT/81

1. (1) श्री रामरत्न बलद पुनाजी कुम्हार,  
(2) श्री नानुराम बलद पुनाजी कुम्हार,  
निं० : नम्बोलिया बाग, रत्नाम।

(अन्तरक)

2. (1) श्रीमती मकीनाबाई पति अलि हुसैनजी बोहरा,  
(2) श्रीमती मकीनाबाई पति ईस्माईलजी बोहरा  
निं० : चान्दनी चौक, रत्नाम।

(प्रतिरिती)

करे यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयीय करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षणः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
मूल्यांकन की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भौमि (खंडहर) जो हनुमान बाग रत्नाम में स्थित है।  
रक्कवा : 3191-57 वर्ग मीटर—(34341 वर्ग फीट)।

(विजय माधुर)

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

तारीख : 21-4-1981

मोहर :

प्रलेप प्राईं. टी० एन० एस०—————

आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 21 अप्रैल, 1981

सं० प्राईं. ए० सी० अर्जन—अतः मुझे विजय माथुर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन ममता अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, त्रियका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 40 है, तथा जो ग्राम अहीर खेड़ी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 14 अगस्त 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान प्रतिकूल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि राष्ट्रपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दूष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूष्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) जो भी ऐसे अन्तरण के लिए तथा पारा या प्रतिष्ठित, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अनुसरण लिखित में वास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण पे हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या जहां हिस्सा जाना चाहिए या, डिग्गों में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष के अनुसरण में, मैं उक्त प्रतिलिपि की धारा 269-ष की उपाया (1) के अधीन निम्नलिखित अस्तियों, अर्थात्:—

1. श्री रमेशचन्द्र पिता प्रभू दास बदलानी काटन कालौनी, इन्दौर।  
(2) प्याम कुमार पिता बाधू मन प्रेम नगर, इन्दौर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती मुमताज बेगम पत्नी श्री मोहम्मद अली, निवासी : 93, ओलड राज मोहल्ला, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षय:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी प्रवर्ति बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति के हितबद्ध किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताधारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रम्याय 20-क में परिवर्तित हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रम्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि ग्राम अहीर खेड़ी इन्दौर—खसरा नं० 40।  
क्षेत्रफल : 5.193 हेक्टर।

विजय माथुर  
सक्तम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, विल्ली, नई विल्ली

तारीख: 21-4-1981

मोहर :

प्रकृत्या आई० द्वौ० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा  
269-व (1) के प्रबोन्ह सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 20 अप्रैल, 1981

सं० आई० ए० सी० (अर्जन) —प्रतः मुझे विजय माधुर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके अधीन 'उक्त प्रधिनियम कहा गया है); को आरा 269-व के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विवरास बरने का कारण है कि स्थान सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० मकान नं० 1175, 1176, 1177 है, तथा जो जबलपुर में स्थित है (और इससे उपायद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जबलपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 11 अगस्त, 1980

को पूर्णकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवरास बरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्ष (प्रत्यक्षरक्त) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उत्तरण से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्षरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(व) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की आरा 269-व के अनुसार इसमें, मैं उक्त अधिनियम की आरा 269-व की उचित्य (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अवृत्ति:—

1. श्री करुणाशंकर वल्द विजय पां शु कल  
252, गंजीपुरा, जबलपुर।

(अन्तरक)

2. श्री प्रेम चन्द जैन वल्द श्री राजाराम जैन,  
1175, 1176, प्रेमनगर, पोस्ट अफिस के पीछे,  
जबलपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वी अन्तरिति के अर्जन के लिए कार्यान्वयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रवृत्ति तो को मौ आक्षेपः—।

(क) इस सूचना के राजपत्र म प्रकाश की तारीख से 45 दिन की अवधि या तारीखन्ती अवधियों पर सूचना की तारीख से 33 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भोउर पूर्वोक्त अवधियों में से किसी वर्षी द्वारा;

(व) हस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के बाद उक्त स्थान सम्पत्ति में लित बदल किसी अन्य अवधित द्वारा, या दो ग्रामीणी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

करणः—इनमें प्रयुक्त अक्षर आर प्रां ता, जो उक्त अधिनियम के अध्यया 23, एवं द्वारा वित्त है, वही अर्थ होगा जो उन अध्याय द्वारा दिया गया है।

मकान नं० 1175, 1176, 1177 जो जबलपुर में प्रेम नगर पोस्ट अफिस के पीछे स्थित हैं।

प्लाट रक्का : 8870 वर्ग फीट।

विजय माधुर  
सभी प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख : 20-4-1981।

मोहरः

प्रारूप श्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को

धारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 21 अप्रैल 1981

सं० श्राई० ए० सी० (अर्जन) —अस्तः, मुझे विजय माषुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा  
269-व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लाट नं० 101 है, तथा जो प्रकाश नगर, इन्दौर  
में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रजिस्ट्री  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख  
मार्गस्त, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथोपूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पृथक् प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण न हुई किसी भाव के बावजूद उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में करी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आधा या किसी धन या अन्य प्रास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

1. श्री प्रोफेसर विद्यासागर बलद श्रीधर राव पांडे

निवासी सुदामानगर, इन्दौर

(अन्तरक)

2. श्री आर० जेठमल जैन बलद रखब चंद्रजी

जैन, 16, अग्रवाल नगर, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तर्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांकित व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं  
अच्छ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रापुर्वी

फ्लाट नं० 101, जो प्रकाशनगर इन्दौर में स्थित है।

रकमा : 40/ \* 65/

विजय माषुर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, भोपाल

अतः, अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-व के अनु-  
सरण में, भै, उक्त अधिनियम को धारा 269-व तो उपराय  
(1) के प्रधीन, निम्नलिखित अवित्तियों पर्यन्:—

तारीख : 21-4-81

मोहर :

प्रध्यप आई. टी. एन. एस.-----

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन द्वेष, भोपाल

भोपाल, दिनांक 21 अप्रैल 1981

सं० आई० ए० सी० (अर्जन) — अतः मुझे, विजय माथुर,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित आजार भूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 13 है, तथा जो उद्योग नगर, इन्वौर  
में स्थित है (और इससे उपचान अमूसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 20 अगस्त,  
1980

के पूर्वोक्त संपत्ति के उचित आजार भूल्य से कम के उद्यमान  
प्रतिफल के लिए बन्तीरत की गई है और मुझे यह विवास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित आजार  
भूल्य, उसके उद्यमान प्रतिफल से, ऐसे उद्यमान प्रतिफल का  
उद्यमान प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तीरती  
(बन्तीरतीयों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
क्षण निम्नालिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-  
विक रूप से कार्यत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ अक्षय की आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ज्ञासिताओं  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगभार्थ अन्तीरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः उक्त अधिनियम, की भारा 269-व के अन्तरण  
में, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों वर्तात् :—

1. श्री केशर सिंह, हीरा सिंह  
निवासी। कनाडिया तहसील जिला इन्दौर।  
(अन्तरक)
2. श्री मोहन लाल, पश्चा लाल  
1/2 मुराई मोहल्ला, इन्दौर  
(अन्तरक)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यदाहियां करता है।

उक्त संतरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति व्यारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रदूषक शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में पर्याप्तित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अमूसूची

प्लाट नं० 13 उद्योग नगर मूसा खेड़ी देव गुरा डिया रोड—  
ध्वेषफल : 20000 वर्ग फुट।

विजय माथुर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण)  
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख: 21-4-1981

मोहर :

प्रृष्ठ बाई. टी. एन. एस. —————

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा  
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 21 अप्रैल 1981

निदेश सं० आई०ए०सी० (अर्जन) —अतः, मुझे विज्ञ  
माथुर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-  
व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है, तथा जो खालवा में स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बड़ना  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, 25-8-80।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इथमान प्रौद्योगिकी के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करना चाहा कारण है कि यथापन्नवाक्त रांपात्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके इथमान प्रौद्योगिकी के लिए इथमान प्रौद्योगिकी का  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विवित में  
बास्तविक कथित रूप से नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूई किसी आद की बाधत उक्त अधिनियम के बधीन कर देने के अन्तरक की बायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ल) ऐसी किसी आद या किसी धन या अन्य वारिस्तयों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-व के अनुसर  
में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री हरमन्दर सिंह बल्ब हरतापसिंह मिशन निवासी  
खालवा, तहसील-हरसूद, जिला पूर्वनिमाड  
हाल-147 श्रीनगर कालोनी, इंदौर।  
(अन्तरक)

(2) श्रीमती लक्ष्मीबाई पत्नी श्रीरामकरण भाटी निवासी  
खालवा, तहसील-हरसूद, जिला पूर्वनिमाड।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षयेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूल्यांकन  
को तारील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्मीबरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि—जो आम खालवा, तहसील-हरसूद में  
हिस्त है। रकम 22.00 एकड़ व नं० 24।

विजय माथुर  
सक्षम प्राधिकारी  
(निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त)  
अर्जन रेंज, भोपाल

लाइन : 21-4-1981

लोहर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन धनेन, भोपाल

भोपाल, दिनांक 21 अप्रैल, 1981

सं. आई.ए.सी. (अर्जन) — अतः मुझे विजय माधुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
‘इसके पश्चात उक्त अधिनियम’ कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. रु. अधिक है

और जिसकी सं.प्लाट नं. ० २ है, तथा जो दक्षिण तुकोगंज में स्थित  
है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27 अगस्त  
1980

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के अद्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरीतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्दरेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी वाय की बाब्त, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अस्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिश्चि-  
त किया गया था या किया जाना आविहए था, छिपाने में  
सुनिश्चित के लिए; और/या

(ग) ऐरी किसी आय या किसी धन वा अन्य आस्त्रों  
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, आ  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना आविहए था, छिपाने में  
सुनिश्चित के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के, अनुहस्तास  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व का उक्तास (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों वर्षातः—

1. श्री मनोहर लाल वल्द श्री उदयभान कालरा  
9, जवाहर मार्ग, इन्दौर

(अन्तरक)

2. श्री विमलचन्द्र जैन वल्द अमोलक चन्द जैन,  
29, एम० टी० क्लाय मार्केट, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोंक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्योंकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

मृत्युसूची

साउथ तुकोगंज इन्दौर में स्थित घाट नं. २ (पूर्वी भाग)  
रक्कम : 2500 वर्ग फुट।

विजय माधुर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 21-4-1981

मोहर :

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 22 अप्रैल 1981

सं० आई० ए० सी० (अर्जन) — अतः मूले, विजय माधुर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,010/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 4/820 है, तथा जो फाफाडीहू में स्थित है (इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय रायपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 23 अगस्त, 1980

कई पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया अन्तरितिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

1. श्री केशवजी भाई बल्द जयराम राठोर  
निवासी : फाफाडीहू, रायपुर

(अन्तरक)

2. श्री शिवजीभाई बल्द जयराम भाई राठोर  
फाफाडीहू, रायपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए वार्षिकाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन को अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति वे हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी वे पास लिखित में किए जा सकेंगे।

• दृष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो इसके अधिनियम के अध्याय 20-का में पौराणीकृत है, यहो वर्ण सुना जो उस अध्याय वे लिखा गया है।

(क) अन्तरण से हर्दूँ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अनुसूची

फाफाडीहू रायपुर स्थित मकान नं० 4/820 ज्लाई एकड़ा 8000. वर्ग फुट।

खसरा-नं० 55/37 और 55/2

विजय माधुर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधृत—

तारीख : 22-4-1981

मोहर

प्रकृष्ट आई० ई० एन० एस०—  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-प (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन थेन, भोपाल  
भोपाल, दिनांक 22 अप्रैल 1981

सं० आई० ए० सी० (अर्जन)—प्रतः मुझे विजय माथुर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० मकान नं० 11 है, तथा जो तम्बोली बाखल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22 अगस्त, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूले यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह अंतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कर्तित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दूर्वा किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के द्वयित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनात्म अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित अविक्षियों अर्जातः—

11—76 GI/81

1. श्री बंकटसाल बलद हीरालाल  
निवासी 47, निलकंठ कालोनी, इन्दौर।  
(अन्तरक)
2. श्री गोपाल दास बलद गोविंद राम जी निं० 6/1  
छोपा बाखल इन्दौर।  
(अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए नार्येवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास विवित में किए जा सकें।

साक्षीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के में परिभ्रामित है, वही पर्याप्त होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

भनुकूची

तम्बोली बाखल मेन रोड पर स्थित मकान नं० 99 का दक्षिण तरफ का भाग।

विजय माथुर  
सकाम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख 7-4-1981

मोहर :

प्रधान मार्गो ठी० एन० एस०—————  
आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के प्रधीन सूचना

मारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन खेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 22 अप्रैल 1981

सं० आई० ए० सी० (अर्जन) —अतः मुझे विजय माथुर आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानीय सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है।

और जिसकी सं० मकान नं० 11 का भाग है, तथा जो तम्बोली बाखल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 22 अगस्त, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि पथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए, तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उल्लेख से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें मारती प्र आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसारा मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपशारा (1) कीन, निम्नलिखित अस्तियों, अधित् :—

1. श्री बंकटलाल हीरा लाल  
निवासी : 47, निलकंठ कालोनी, इन्दौर।  
(अन्तरक)

2. श्री श्रीकांत बलद गोपालदास  
6/1 छिपा बाखल, इन्दौर।  
(अन्तरिती)

जो यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्यापेः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अस्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में गमन्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अस्तियों में से किसी अस्ति द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अस्ति द्वारा, प्रबोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तम्बोली बाखल मेन रोड इन्दौर पर स्थित मकान नं० 11 का भाग।

विजय माथुर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख : 22 अप्रैल, 1981  
मोहर :

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 22 अप्रैल 1981

निदेश सं० आई०ए०सी० (अर्जन) —आतः, विजयमाथुर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, उक्त विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-इ० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० का भाग है, तथा जो तस्वीरी बाखल में स्थित है (और इससे उपब्रथ अनुसूची में और पूर्ण के लिए सं० दिया गया है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का का 19) के अधीन, 22-8-1980, को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि वथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्भह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिक्षी (अन्तरिक्षी); के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से कुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या वस्तु आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के घनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री बंकटलाल हीरा लाला 47, निलकंठ कालोनी इन्दौर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शकुन्तला बाई पति गोपालदास निवासी 9/1छोपा बाखल, इन्दौर।

(अन्तरिक्षी)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इन तृतीयों के राजात्रि में प्राप्त को तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में अंतर्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा रहे।

स्पष्टीकरण —इनमें प्राप्त गद्वां और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 26-क में परिवर्णित हैं वही अर्थ हैगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तम्बोली बाखल मेन रोड इन्दौर पर स्थित मकान नं० 11 का पछिचम तरफ का भाग।

विजय माथुर  
सक्षम प्राधिकारी  
(निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 22-4-81

मोहर :

प्रस्तुप आहे. टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 22 अप्रैल, 1981

निवेश सं० आई०ए०सी० (अर्जन) — अतः मुझे,

विजय माथुर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 20 है, तथा जो स्नेहलतागंज  
इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-  
लय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 [(1908  
का 16) के अधीन, 21-8-81,

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का  
पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अस्तिरीतियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कठित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हूँह किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायिक्ति में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

1. श्री रामदत्त बल चतुर्भुज शर्मा निवासी रेखाड़ी  
खेड़ा, भिवानी 14/1 पारसी मोहल्ला, इन्दौर।  
(अन्तरक)
2. फर्म में प्रभुव्याल सूरजभान, भागीदार  
(1) प्रभुव्याल अमीचन्द (2) सूरजभान अमीचन्द  
निवासी 20/3 स्नेहलतागंज इन्दौर।  
(अन्तरिती)

करे यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयों करसा हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षण्यः--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तापिल से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव भाव में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांकित  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृक्ष  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त सब्जेक्ट और पर्सों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अन्तस्थी

स्नेहलतागंज इन्दौर में स्थित मकान नं० 20, गली  
नं० 3, (नया नं० 26) प्लाट-रक्का-4000।

विजय माथुर  
सक्षम प्राधिकारी  
(मिरीकी सहायक आयकर आयकर)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 22-4-81

मोहरः

प्रलेप आई०टी० एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 व (1) के प्रधीन सूचना

भारत रुक्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 22 अप्रैल 1981

निदेश सं० आई०ए०सी० (अर्जन) —अतः, मुझे, विजय माथुर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० मकान एवं भूमि है, तथा जो महेश्वररोड में स्थित है (और इससे उपामद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बड़बाज़ा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 13-8-1980,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत अधिक है और अन्तररु (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के द्वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रब; उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित अस्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री फिरोज बी० इलाहा प्रो० इलाहा जिनिंग फैक्ट्री बड़बाहा (अन्तरक)

(2) श्री पुष्पराज बल्द कालूराम जीन, श्री प्रेमचन्द्र बल्द सुखराज जीन, 15 महेश्वर रोड, बड़बाहा (अन्तरिती)

को यह सूचना आसी नक्के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी अवधियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवधियों में से किसी अवधि द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिनबद्ध किसी अन्य अधिकारी द्वारा, अधोहस्ताकरों के पास लिखित में किये जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्यारा 20-क में परिभावित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

महेश्वर रोड, पर स्थित जिनिंग फैक्ट्री की भूमि एवं मकान भूमि रकबा, 7.44 एकड़।

विजय माथुर  
सक्षम प्राधिकारी  
(निरीक्षणी सहायक आयकर आयुक्त)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 22-4-81

गोहर:

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 22 अप्रैल, 1981

निदेश सं० आई.ए०सी० (अर्जन) — अतः मुझे,  
विजय माथुरआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी के यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० 1/2 हिस्सा मकान का है, तथा जो कंचन  
बाग कालोनी में स्थित है (और इससे उपाध्य अनुसूची  
में और पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी  
के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, 11-8-80,को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसराना  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दूसराना प्रतिफल से, ऐसे दूसराना प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक्त) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल निर्मालित उद्दरेश्य से उक्त अन्तरण निर्मित में वास्तविक  
रूप से कठित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हूर्दे किसी आय की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन निर्मालित व्यक्तियों अर्थात्:—(1) श्रीमती (1) लक्ष्मीबाई पति चान्दमलजी बोवरा  
(2) श्री चन्द्रेश्वर बल्द चान्दमलजी बोवरा  
25, कंचनबाग कालोनी इन्दौर।  
(अन्तरक)(2) श्री (1) देवेन्द्र कुमार बल्द दरयाईलाल पाहवा  
(2) सतीश कुमार बल्द दरयाईलाल पाहवा  
22/4, उषगंग इन्दौर।  
(अन्तरित)क्योंकि यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालय करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और प्राचीन का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभ्रान्त  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

कंचनबाग कालोनी में प्लाट नं० 19 पर बने मकान  
का 1/2 भाग।विजय माथुर  
सकाम प्राधिकारी  
(निरीक्षणी सहायक आयकर आयुक्त)  
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख: 22-4-81

मेहर:

प्रस्तुप ग्राही० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 23 अप्रैल 1981

निदेश सं० आई०एस० (अर्जन) — ग्रतः मुझे, विजय

माथुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसक सं० मकान स्थित है, तथा जो वार्ड नं०

5 सिरोब में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय विटिशा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, 21-8-80को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तर्को) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
छहेष्य में उक्त अन्तरण निर्धारित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से नुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के विपरीत  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें मारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;ग्रतः, प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनु-  
सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा  
(1) के प्रश्नोन, निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्यातः—(1) हाज मोहम्मद नसीर पुत्र अब्दुल रहमान  
द्वारा मजदूर बांडी कम्पनी, छावनी, भोपाल  
(म०प्र०)।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती प्रेमधत बाई पत्नी श्री मनमोहन गर्ग,  
निवास सतखनी मोहल्ला, मिरोज, जि० विदिशा  
(म०प्र०)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आकेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय निसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिकृताधारी के पास विवित  
में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होमा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

एक मकान जो कि वार्ड नं० 5, तलैया, सिनेमा रोड,  
सिरोज में स्थित है, का भाग।विजय माथुर  
ममक प्राधिकारी  
(निरीक्षी महायक आयकर आयुक्त)  
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख : 23-4-81

मोहर :

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 23 अप्रैल, 1981

मिंदेश सं. आई.ए.सी. (अर्जन) —प्रतः, मुझे, विजय  
माथुर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. मकान नं. 4 है, तथा जो बाड़े नं. 5  
अशोक नगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से घण्टित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
अशोक नगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, 1980 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बायमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि पश्चापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बायमान  
प्रतिफल से, एसे बायमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उल्लेख से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृइ किसी आय की बाबत उक्त अयुक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आविष्टयों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धातः:—

(1) श्री घरमराम पुल श्री गंगाराम, जाति—श्रद्धोङ्गा  
निवासी एल०आई०जी० कालोनी, "सुहाग होटल"  
के पीछे, इंदौर (म०प्र०)।

(अन्तरक)

(2) श्री (1)मुगनचन्द (2) शिखर चन्द (3) विनोद  
कुमार (4) प्रमोद कुमार (5) अनिल कुमार,  
सभी बल्द श्री नंदन लाल जैन निवासी वार्ड  
नं० 5, मकान नं० 4, अशोक नगर जिला  
गुना (म०प्र०) (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी आक्रोपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तासील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

एक मकान जो कि वार्ड नं. 5, मकान नं. 4 अशोक  
नगर जिला—गुना (म०प्र०) में स्थित है।

विजय माथुर  
सकाम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 23-4-1981

मोहरः

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ओर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 23 अप्रैल 1981

निदेश सं० आई०ए०सी० (अर्जन) —अतः, [मुझे विजय  
माथुर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान स्थित है तथा [जो वार्ड नं० 5  
सिरोंज में स्थित है (और इससे उपमद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1980 (1908 का  
16) के अधीन, 21-8-1980।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतीक-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँड़ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/मा

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—  
12—76GI/81

(1) श्री हाजी मोहम्मद नसीर पुल श्री अब्दुल रहमान  
द्वारा मजदूर बीड़ी कम्पनी, छावनी, भोपाल  
(म०प्र०) ।

(अन्तर्गत)

(2) श्रीमती ओमवती वाई पत्नी श्री वनश्याम गर्ग,  
प/० सतरवनी मोहल्ला, मिरोज, जिला—  
विदिशा (म०प्र०) ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयित्यां द्वारा करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तात्सम्बन्धी अवधियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस-  
बट्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पाम लिखित में किए जा सकें।

सम्पूर्ण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-के में पौराणित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

वार्ड

एक मकान जो कि वार्ड नं० 5 तलैमा, सिनेमा रोड  
सिरोंज में स्थित है, का भाग।

विजय माथुर

समक्ष प्राधिकारी

(निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 23-4-1981

मोहर:

प्रस्तुप ग्राह० टी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 23 अप्रैल 1981

निदेश सं० आई०ए०सी० (अर्जन) —अतः मुझे, विजय  
माथुर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
उसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं०सर्वे नं० 972 है, तथा जो ग्राम सिलपटी  
में स्थित है (और इससे उपायदूर अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अशोक  
नगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन 23-8-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक्त) और अन्तरिती  
(अन्तरीरतियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ इन्हीं किसी आय की आवत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर हने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ल) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अथवा :—

(1) श्री जगराम सिंह पुत्र श्री राजाराम यादव निं०  
ग्राम सिलपटी, तह० अशोक नगर, जिं० गुना  
(म०प्र०)।

(अन्तरक)

(2) श्री मनीराम पुत्र श्री मुसाब सिंह यादव निवासी  
ग्राम सिलपटी, तहसील अशोक नगर, जिला,  
गुना (म०प्र०)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहीया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्मान्त्वी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(द) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट हैं, वही  
वर्त होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

विजय माथुर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 23-4-1981

मोहर :

प्रख्य आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल  
भोपाल, विनांक 23 अप्रैल 1981

निर्देश सं० आई०ए०सी० (अर्जन) —अतः मुझे, विजय  
माथुर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43). (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० म्य०क० 28/115 है, तथा जो ग्वालियर  
में स्थित है (और इसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर  
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, 1-8-1980

के पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके छयमान प्रतिफल से, एसे छयमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उपरोक्त से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बावजूद, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपभारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ८—

(1) श्री जसवंत सिंह पुत्र श्री करतार सिंह निवासी  
दाल बाजार लश्कर, ग्वालियर (म०प्र०)।  
(अन्तरक)

(2) श्रीमती प्रभा देवी पत्नी श्री ओम प्रकाश वैश्य  
निवासी खासगी बाजार, लश्कर, ग्वालियर  
(म०प्र०)।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्धि  
किसी वन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही वर्ण होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

मनूसूची

प्लाट म्य०क० 28/115 का एक भाग, जो कि दाल  
बाजार, लश्कर ग्वालियर (म०प्र०) में स्थित है।  
श्रीर जिसकी माप 83.53 वर्ग मीटर है।

विजय माथुर  
सक्षम प्राधिकारी  
निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख 23-4-1981

मोहर:

प्रूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा  
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 23 अप्रैल 1981

निर्देश सं० आई०ए०सी० (अर्जन) —अतः मुझे, विजय  
माथुर,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० सर्वे नं० 665 है, तथा जो ग्राम सिलपटी में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूली में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), राजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय अशोक  
नगर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, 23-४-1980।को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ  
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—(1) श्री गजराम सिंह पुत्र श्री राजाराम, जाति—यादव  
निवासी ग्राम—सिलपटी, तहसील—अशोकनगर  
जिला—गुना, (म०प्र०)

(अन्तरक)

(2) श्री मनीराम पुत्र मुसाव सिंह, जाति—यादव  
निवासी ग्राम—सिलपटी, तहसील—अशोकनगर,  
जिला—गुना (म०प्र०)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांकित  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बंध किसी बन्ध अवित्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।(क) अन्तरण से हूँ-इ किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य वास्तवियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रशोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;कृषि भूमि जो कि ग्राम सिलपटी, तहसील—अशोक नगर  
जिला—गुना, (म०प्र०) में सर्वे नं० 665 और 731 में  
स्थित है, और जिसका माप 9.008 हेक्टेयर है।विजय माथुर  
समक्ष प्राधिकारी  
निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त  
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख: 23-4-1981

मोहर:

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण  
में, भू, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् १—

प्र० र० प्र० आई० टी० एन० एस० -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 23 अप्रैल 1981

निदेश सं० आई०ए०सी० (अर्जन) —अतः मुझे, विजय  
माथुर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एम०पी० 28/115 है, तथा जो ग्वालियर  
में स्थित है (आंगूर इससे उपाध्य अनुसूची में श्रीर पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, 1-8-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा  
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ॥—

(1) श्री जसवंत सिंह पुत्र श्री करतार सिंह निवासी  
दाल बाजार, लश्कर, ग्वालियर (म०प्र०) ।  
(अन्तरक)

(2) श्री मदन मोहन और भरतलाल शेंगे वल्द श्री  
ओम प्रकाश, निवासी दाल बाजार, लश्कर,  
ग्वालियर (म०प्र०) ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाय में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ॥

अनुसूची

प्लाट एम०पी० 28/115 का एक भाग, जो कि दाल  
बाजार, लश्कर, ग्वालियर (म०प्र०) में स्थित है, और  
जिसकी माप 96.06 वर्ग मीटर है ?

विजय माथुर,  
समक्ष प्राधिकारी  
निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 23-4-1981

मोहर :

प्रकल्प आई० टी० ए० ए०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 23 अप्रैल 1981

निवेश सं० आई० ए० सी० (अर्जन)---अतः, मुझे, विजय  
माथुर,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग  
के अधीन सहायक प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 672 है, तथा जो ग्राम सिलपटी  
में स्थित है (और इससे उपरबढ़ अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
अशोक नगर में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, 23-8-1980

का पूर्वांक सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे वह विश्वास करने  
का कारण है कि यहांपूर्वांक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उल्लेख से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधि-  
नियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बत या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या  
प्रत्यक्ष प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्तप्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) श्री जगदाम सिंह पुत्र श्री राजाराम, जाति-थादव  
निवासी ग्राम—सिलपटी, तहसील—अशोकनगर,  
जिला—गुना (म०प्र०)।

(अन्तरक)

(2) श्री नीलम सिंह पुत्र श्री भूसाव सिंह यादव  
निवासी ग्राम—सिलपटी, तहसील—अशोक नगर,  
जिला—गुना (म०प्र०)। (अन्तरिती)

को यह सूचना बारी छरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवैन के  
लिए कार्यान्वयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अवैन के सम्बन्ध में कोई भी घावेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तस्वीरों व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
प्रम्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण।—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
बच होंगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि जो कि ग्राम—सिलपटी, तहसील,—अशोकनगर  
जिला गुना (म०प्र०) में, सर्वे नं० 672 में स्थित है,  
और जिसका माप 5.016 हेक्टेयर है।

विजय माथुर  
सक्षम प्राधिकारी  
निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 23-4-1981

मोहर : ]

प्रसूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 23 अप्रैल, 1981

निदेश सं० आई.ए.सी.० (अर्जन) — अतः मुझे, विजय  
माथुर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा  
269-म के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 4/2056 है, तथा उवगाड़ी  
उज्जैन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टी अधिकारी के कार्या-  
लय, उज्जैन में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, 5-8-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितीं  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उक्तदृश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण  
में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जन:—

1. श्री हातीमधार्द बल्द फिदा हुसैन संदलबाला  
निं. प० रामप्रसाद भार्गव मार्ग, उज्जैन  
(अन्तरक)
2. (1) श्री युसुफग्रली बल्द गुलामग्रली लेटरीवाला  
(2) जुवेदाबाई पति श्री युसुफग्रली निवासी  
खाराकुआ उज्जैन।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयां कारता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 29-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या  
गया है।

अनुसूची

उवगाड़ी उज्जैन स्थित मकान नं० 4/2056, नया  
नं० 36/2।

विजय माथुर  
समक्ष प्राधिकारी  
(निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 23-4-1981  
मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 23 अप्रैल, 1981

निवेश सं० आई० ए० सी० (अर्जन) —अतः मुझे, विजय माथुर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सभी प्राधिकारी जो यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० है, तथा जो बरईपुरा विदिशा में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय विदिशा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 2-8-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझ यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कर्तित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व म कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायां अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आदि था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की द्वारा 269-व के अनुसुरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपाधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्जातः :—

1. श्री चिमनलाल पुत्र श्री केशरीलाल वास्ते स्वयं एवं हैसिमत संरक्षक बलराम (अ०ब०) जाति-लुहार निवासी बरईपुरा, विदिशा (म०प्र०)। (अन्तरक)

2. सर्व श्री (1) देवीलाल और (2) राज कुमार दोनों (अ०ब०) वली और संरक्षक दयाचन्द्र साहूकार निवासी-खरीकारक विदिशा (म०प्र०)। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अधिकारी पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाहर में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में से किसी अधिकत द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अधिकारी द्वारा, अधोइस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों पर वर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अन्तर्याम 20-क में परिचालित हैं, वही ग्रन्थ होगा, जो उस अन्तर्याम में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान तिमंजला जो कि बरईपुरा, विदिशा (म०प्र०) में स्थित है।

विजय माथुर  
समक्ष प्राधिकारी  
निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 23-4-1981

मोहरः

प्रखण्ड श्राई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269ध(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 14 अप्रैल 1981

निवेश सं० —अतः मुझे, राधा बालकिंजन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-वा के अधीन सकाम प्राविकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 20/5/ए३, अभीशाकपुरम कोइम्बटूर है, जो कोइम्बटूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्स अधिकारी के कार्यालय कोइम्बटूर सं० 1831/80 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिक्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, बीर/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपभारा (11) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी अर्थात्:—

193—76GI/81

(1) श्री ए० मारतु पिलै श्रहनाथलम पिलै अभी-शाकपुरम, कोइम्बटूर

(अन्तरक)

(2) श्री म० आलमुक्कमन्यम सेनेटरी तिरुचरपल्ली मारकेट कमेटी तिरुचरपल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्रावेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी अवधियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में से किसी अधिकता द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अधिकारी द्वारा अधीक्षिताधारी के पात्र लिखित में किए जा सकेंगे ।

लक्ष्यकारण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि सं० 50/5/ए३/23, अभीशाकपुरम कोइम्बटूर  
(सं 1831/80)

राधा बालकुण्णन  
सकाम प्राविकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 14-4-1981

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 14 अप्रैल 1981

निवेश सं० —अतः, मुझे, राधाबाल कृष्ण, आयकर अधिनियम, 1961, (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 110, 110 ए, 118, टी०एस०आर० स्ट्रीट कुम्भकोनम है, जो कुम्भकोनम में स्थित है (और इससे उपावन्न में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सं० 1637/80 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक्त्रों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(1) श्री कालिया पेरुमाल मिनाकशी सुन्दरा पि (अन्तरक)  
(2) श्री इ०म० मुरुगनाहन मारपा चेटियार नुयु स्ट्रीट, कुम्भकोनम (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आशेष:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टोकरण:-** इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 29-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अमृसूची

वस्तु सं० 117, 116 ए०, 118, टी०एस० आर० बीज कुम्भकोनम (सं 1631/80)

राधा बालकृष्णन

सक्षम प्राधिकारी

(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख: 14-4 1981

मोहर:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

(1) श्री लेफिटेंट मोस्टन विलयम बंकरौर, कोटगिरी  
निलगीरीस।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती तंकमा जेमिस चाकोलमानिल मारामन  
पोस्ट आलैपी, केरला।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 14 अप्रैल 1981

निदेश सं० —अतः, मुझे, राष्ट्रा बालकृष्णन  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 25/54, 25/55/56, कोटगिरी शहर  
निलगीरी है, जो निलगीरी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टा अधिकारी  
के कार्यालय, कोटगिरी (सं 922/80) आगस्त 80 में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1980 का 16)  
के अधीन 16

का पूर्णांक संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वांक संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कीर्ति नहीं किया गया हैः—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के  
शायदित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

क्यों यह सूचना जारी करके पूर्णांक सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हैः।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णांक  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

मानसूची

वस्तु नम्बर 25/54—25/56; कोटगिरी शहर निलगीरम  
(922/80)

राष्ट्रा बालकृष्णन  
सक्षम प्राधिकारी

(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिकारी

तारीखः 14-4-81

मोहरः

प्रस्तुत आई० टी० एम० एस०————

आमदार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा  
269-ए(1) के अधीन सूचनाभारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जेन्ट रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 14 अप्रैल 1981

निदेश सं० 9089—अतः, मुझे, राधा बालकृष्णन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा जाया है), की बारा 269-ए(1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 350/3 तिरुप्पलतुरै पापनासम है, जो तन्जावुर में स्थित है (और इससे उपादान अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, पापनासम (नम्बर 1126/80) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया यथा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया जाया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या माल आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या आमदार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए वा छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब; उक्त अधिनियम की बारा 269-ए(1) के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की बारा 269-ए(1) के अधीन, निम्नलिखित अवित्तियों, अवृत्त :—

(1) श्री के०म० अब्दुल मजीद कोलीमलै मोहम्मद शरीफ रास्ता मुसलिम स्ट्रीट तिरुप्पलतुरै पापनासम तन्जावुर।

(अन्तरक)

(2) श्री के०पी० मोहम्मद ग्रली सुपुत्र वीर मोहम्मद रास्ता मुसलिम स्ट्रीक तिरुप्पलतुरै, पापनासम, तन्जावुर।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवृत्त के लिए कार्यालयीय करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अवृत्त के संबंध में कोई भी आक्रमण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी अवित्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाले में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्तियों में से किसी अवित्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ जिसी अन्य अवित्त द्वारा, अघोषिताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संबोधीकरण :—इसमें प्रत्यक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-ए में परिचित हैं; वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और धर—नम्बर 350/3 तिरुप्पलतुरै विसेज पापनासम टी०के० तन्जावुर (नम्बर 1126/80)।

राधा बालकृष्णन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जेन्ट रेंज, मद्रास

तारीख : 14-4-1981

मोहर :

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

(1) श्री मंबासी० बालसुभामन्यम पुत्र श्री सकरवती रेडियार  
माटू पटी, नामकल सेलम।

(अन्तरक)

(2) श्री मंडी० करुपा पिलै पुत्र श्री दुरेस्वामी  
पिलै 125, बाजार स्ट्रीट मोहनुर विलेज,  
नामकल, सेलम।

(अन्तरिक्षी)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 14 अप्रैल 1981

निदेश सं० 9084 —यतः, मुझे, राधा बालकृष्णन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी के, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० नम्बर 98/4 नम्बर ए 2/55 काटु पुतुर मुसिरी टी०के० है, जो तिथि में स्थित है (और इससे उपाध्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्त्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय काटु पुतुर (डी ओ सी 854/80 अगस्त 1980 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन

को पूर्वांकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्थ है प्रतिष्ठात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरुकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरुण लिखित में वास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हृइ० किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे दूने में सुविधा के लिए बोहू/या

(क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आविष्ट था, छिपाने में सुविधा के लिए

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकत सम्पत्ति के अधीन के लिए कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अधिक बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिल-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकते।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रषित हैं, वहो अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### मुद्रण

मूल—नम्बर 98/4/ए१ एण्ड ए-२ काटु पुतुर, मुसिरी टी०के० सेलम (नम्बर, 854/80)

राधा बालकृष्णन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, मद्रास

असू अथ, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के, अनुसरण में, ये, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभास (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन हैं—

तारीख: 14-4-1981 ॥॥

मोहरः

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 14 अप्रैल, 1981

निदेश सं० —यतः, मुझे राधा बालकृष्णन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 10/4 स्ट्रीट, पोस गारडन, है जो मद्रास-8 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ट्रिपलीकेन (नम्बर 740/80 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का एन्ड्रू प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में करी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; अंडि/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आवश्यक था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण म, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्,—

(1) श्री हीराल कन्स्ट्रक्शन 839, माउन्ट रोड, मद्रास-2 (अन्तरिती)

(2) श्री आर० गुनसेकरण 10/4 स्ट्रीट, पोस गारडन मद्रास-8 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बहुत किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताधारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

वस्तु 10/4 स्ट्रीट, पोस गारडन (740/80)

राधा बालकृष्णन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज- ; मद्रास

तारीखः 14-4-1981

मोहरः

प्रस्तुत आइ. टी. एन. एस. —————  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
 धारा 269 व (1) के अधीन सूचना  
 भारत सरकार  
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 14 अप्रैल 1981

(1) श्री श्रीनिवासन 95 कलवे सुबरायु चेटी स्ट्रीट  
 पांडिचेरी ।

(अन्तरक)

(2) पांडिचेरी स्ट्रीट धूनभन को-ऑपरेटिव बैंक लि०  
 253, पांडिचेरी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
 लिए कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइर भी आवेदनः—

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरभी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(म) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बहु या किसी वन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

निदेश सं० —अतः, मुझे, राधा बालकृष्णन,  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
 वा के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
 है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
 रु. से अधिक है  
 और जिसकी सं० 40/सुबाबारन स्ट्रीट पांडिचेरी है, जो पांडिचेरी  
 में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
 वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पांडिचेरी में  
 नम्बर 1648/80 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त 1980  
 के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
 प्रतिफल के लिए अस्तीर्त की गई है और मुझे यह विश्वास  
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का  
 पद्धति प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
 (अन्तरितीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ याया गया प्रति-  
 फल निम्नलिखित उल्लेख से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
 रूप में कीर्ति नहीं किया गया हैः—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
 दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
 का लिए; और/या

अनुसूची

(ल) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों  
 को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
 धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
 गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
 सुविधा के लिए;

वस्तु—40/सुबाबारन स्ट्रीट, पांडिचेरी (नम्बर 1648/  
 1980 ।

राधा बालकृष्णन  
 सक्षम अधिकारी  
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रज, मद्रास

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
 में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ३—

तारीखः 14-4-81

मोहरः

प्रह्लप आई० डो० एन० एस०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा  
269-प (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 अप्रैल 1981

निदेश सं० 15635—अतः, मुझे, राधा बालकृष्णन, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-प के अधीन संख्या प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 51. सीतम्मा रोड, आलवारपत है, जो मद्रास-18 में स्थित है (ग्राहर हम उपाध्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, मैलापुर (डाक नं० 1493/80) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 5-8-1980 के पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, एसे द्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) को बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण उत्तिष्ठान में वास्तविक रूप से कार्यकृत नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के द्वायित्व में कभी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए।  
घोषणा

(ब) ऐसी किसी आय या किसी बचन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः द्वय, उक्त प्रधिनियम की भारा 269-प के अनुसरन में, उक्त प्रधिनियम की भारा 269-प की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—

1 (1) श्री पी० ग्रार० पार्थसारती (2) पी० राज-गोपालन (भाहनर बाई पावर एंजेंट सुलोचना संपत कुमार)।

(अन्तरक)

2 (1) श्री सुशील कुमार अग्रवाल (2) श्रीमती मीरा सुशील कुमार।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद फिसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रमुखता शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनडिवाइडे 1/3 एकड़—भूमि ग्राहर नं० 51, सीताम्मा रोड—ग्रालवारपट, मद्रास-18, ग्राहर नं० 3769/3 पार्ट ।

राधा बालकृष्णन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, मद्रास

तारीख : 16-4-1981

मोहरः

प्रस्तुत वाई.टी.एन.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 अप्रैल 1981

निवेश सं० 15635—यतः, मुझे, राधा बालकृष्णन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'जनक अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन संक्षम प्राधिकारी के यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उन्नित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है और जिसकी सं० 51, सीतम्भा रोड आलवारपट्ट के अधीन स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय मैलापुर (डाकु० नं० 1494/80) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 5-8-80 को पूर्वोक्त संपत्ति के उन्नित बाजार मूल्य से कम के दद्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उन्नित बाजार मूल्य, उसके दद्यमान प्रतिफल से, ऐसे दद्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में संविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, भै, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (11) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—

14-76GI/81

1. (1) श्री पी० आर० सम्पत्त कुमार (2) पी० एस० श्री कुमार रेप० वाई पावर आफ अटारनी सुलोचना सम्पत्त कुमार। (अन्तरक)  
2. (1) श्री सुशील कुमार अप्रवाल (2) श्रीमती मीरा सुशीलकुमार। (अन्तरिती)

को यह सूचना जाती करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्षेत्र भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनडिवाइडेज 1/3 शेयर—सूमि और निर्माण डोर नं०-51, सीतम्भा रोड, आलवारपट्ट, मद्रास-18, आर० एस० नं० 3769/ 3 पार्टे।

राधा बालकृष्णन,  
संभम प्राधिकरी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, मद्रास

तारीख : 16-4-81

मोहर :

प्रकृत आई० ई० एव० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, मद्रास

मद्रास, चिनाक 16 अप्रैल 1981

निकेश सं० 15635—ग्रातः, मुझे, राधा बालकृष्णन  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-  
ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 51, सीतम्बरा रोड है, जो  
आलवारपत मद्रास-18 में स्थित है (और इससे उपावड़  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के  
कार्यालय, मैलापुर (डाक नं० 1590/80) में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
दिनांक 26-8-80

का प्रवार्क्ष संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथाप्रवार्क्ष संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया ग्रीत-  
फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में कास्तिक  
रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हटाई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
आरु/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री आरोदेसिंगन

(प्रमत्तरक)

(2) (1) श्री सुशील कुमार अग्रवाल (2) श्रीमती  
मीरा सुशीलकुमार।

(प्रमत्तरिती)

को यह सूचना आरी करके प्रवार्क्ष सम्पत्ति के अर्थात् के लिए  
कार्यालयाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षण्यः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाव भूमि समाप्त होती हो, के भीतर प्रवार्क्ष  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्वष्टीकरणः**—इसमें प्रयुक्त सब्जॉ और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

भनुसूची

अनंदिवाइडिङ 1/3शेयर—भूमि और निर्माण-डोर नं०  
51, सीतम्बरा रोड, आलवपित, मद्रास-18, आरोएस० नं०  
3769/3पार्ट।

राधा बालकृष्णन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-II, मद्रास

तारीखः 10-4-1981

मोहरः

प्रकाश सार्वी डी० एस० एस० ——

वार्तार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा  
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, मद्रास  
मद्रास, दिनांक 14 अप्रैल 1981

निदेश सं० 15654—अतः, मुझे, राधा बालाकृष्णन, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की बारा 269-ए के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति विवास उचित बाजार मूल्य 25,000/- ए० से अधिक है।  
और जिसकी सं० 250 पीटर्स रोड, है, जो मद्रास-14 में स्थित है (और इससे उपावद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तिरुप्पिलिकेन (डाक नं० 692/80 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का सचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पाइह प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्धारित विधि से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी पाय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के प्रत्यारक के बाबिल में कर्म करने या उससे बचने में वृद्धिका के लिए; और/या  
(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में वृद्धिका के लिए;

अतः अब; उक्त अधिनियम की घारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की बारा 269-ए की उपचारा (1) के अधीन, रिमनलिक्विट अपक्रिती, अर्थात् :—

(1) मैसर्स वी० मनिलाल क्षा और साथियों ।

(अन्तरक)

(2) श्री के० संतानम

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयीया बदला हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के अंतर्गत में कोई भी भाषेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की बातील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अवोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-ए में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

काली भूमि (आर० एस० नं० 1299 पार्ट, 8/1303 पार्ट 250 पीटर्स रोड, मद्रास-14 (डाक नं० 692/4 80)।

राधा बालाकृष्णन  
सकाम प्राधिकारी  
सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, मद्रास

तारीख : 14-4-1981

मोहर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

(1) मेसर्स वी. मनिलाल जा और साथियों ।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(अन्तरक)

(2) श्री पी. शीदरल

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 14 अप्रैल 1981

निदेश सं० 15653—अतः, मुझे, राधा बालाकृष्णन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 250, पीटर्स रोड है, जो मद्रास-14 में स्थित है और इससे उपाध्यक्ष में श्रीर पूर्ण स्वप्न से वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तिरुप्पिलिकेन (डाक नं० 993/80) में भारतीय राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त 1980

को पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांकित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६—

को यह सूचना पारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीहाया करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्षेत्र भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि यातासम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि यात में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-मद्दत किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण:—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ॥

अनुसूची

काली भूमि सं० नं० 1299 पार्ट 81 1303/2 पार्ट 250 पीटर्स रोड, मद्रास - 14, (डाक नं० 693/80) ।

राधा बालाकृष्णन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 14-4-81

मोहर:

प्रश्न वार्षि० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 14 अप्रैल, 1981

निदेश सं० 15952—अतः, मुझे, रादा बालकृष्णन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 3 पीटर्स रोड, मद्रास-14, है, जो (आर०एस०नं० 1299 सं० 1303/2) में स्थित है (और हमसे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, तिरुप्पिलिकेन (डाक नं० 694/80) में भारतीय अधिकारी रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः आव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवक्षितयों पर्यातः:—

(1) मेसर्स बी० मनिलाल शा और 7 अर्देस ।

(अन्तरक)

(2) श्री वी० उपेंद्रन ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवक्षितयों पर सूचना की तारीख के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवक्षितयों में से किसी अवक्षित के द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य अवक्षित द्वारा अधिशेषाकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

काली भूमि (आर० एस० नं० 1299 पोर्ट 1303/2 पार्ट)  
250 पीटर्स रोड, मद्रास-14 ।

रादा बालकृष्णन  
सक्षम प्राधिकारी  
(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख: 14-4-1981

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) मेसर्स वी० मनिलाल मा और साथियों।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के अधीन सूचना

(2) श्री मेसर्स सेम्को टिरांस्पोर्ट (पी) लिट।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्पण रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 14 अप्रैल, 1981

निदेश सं० 15651—अतः, मुझे, रादा बालकृष्णन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 250 पीटर्स रोड, है, जो मद्रास-14, में स्थित है (और हमसे उपावद में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टा प्राधिकारी के कार्यालय, तिरुप्पिलिकन (डाक नं० 695/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 16 अगस्त, 1980। को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे अनुसृत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;

और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अक्षियों, अवृत्त :—

यह सूचना वारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवृत्त के लिए जायंवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अवृत्त के संबंध में कोई भी आक्रोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी अक्षियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवधि वाले में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अक्षियों में से किसी अविस द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य अविस द्वारा, अधीक्षिताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एव्वलीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

काली भूमि: (सं० नं० 1299 पोटं 8 1303/2 पोटं 250 पोटर्स रोड, मद्रास-14 (डाक नं० 695/80।

रादा बालकृष्णन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्पण रेंज, मद्रास

तारीख: 14-4-1981

मोहर:

प्रूफ जाइर्स.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

(1) श्री मेसर्स वी० मनिलाल ज्ञा और साथियों ।

(अन्तरक)

(2) श्री मेसर्स सुप्पीम टेक्निक्स और कंस्ट्रक्शन पी०  
लिट ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 14 अप्रैल, 1981

निदेश सं० 15650—अतः, मुझे, रादा बालकृष्णन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 250, पीटर्स रोड, है, जो मद्रास-14,  
में स्थित है (और हमसे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, तिरपिलिकेन  
(डाक नं० 696/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, 16 अगस्त, 1980  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यभान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे वह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यभान प्रतिफल से, एसे दृश्यभान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कीर्ति नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हर्ष किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दृश्यत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

मैं यह सूचना आरोप करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

मनूसूची

काली भूमि (आर० एस० नं० 1299 पार्ट 1303/2  
पार्ट) 250, पीटर्स रोड, मद्रास-14, (डाक नं० 696/  
1980।)

रादा बालकृष्णन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, मद्रास

तारीख: 14-4-1981

मोहर:

## UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 5th March 1981

No. N.A. 32014/3/80-Admn.II.—In continuation of the Union Public Service Commission Notification of even number dated 12-11-80, the Secretary, Union Public Service Commission hereby appoints the following officers to officiate as Superintendent (D.P.) in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200, on an *ad-hoc* basis for a further period of six months w.e.f. 1-3-1981 or until further orders whichever is earlier.

## Sr. No. NAME

1. Sh. M. M. Sharma.
2. Sh. Jagdish Lal.
3. Smt. D. J. Lalwani.
4. Smt. Raj Sethi.
5. Miss Sudarshan Handa.
6. Sh. R. R. Bhardwaj.

2. The above mentioned officers should note that their *ad-hoc* appointment to the post of Superintendent (D.P.) will not automatically entitle them to regular absorption or for seniority in the grade.

The 21st April 1981

No. A-32016/3/80-Admn.II.—The Secretary, Union Public Service Commission hereby appoints Shri O. P. Sud, Investigator (DP) to officiate as Superintendent (DP) on *ad-hoc* basis for the period from 8-4-81 to 23-5-81 or until further orders, whichever is earlier vice Shri S. C. Mastana, Supdt. (DP) granted leave.

The appointment of Shri O. P. Sud as Superintendent (DP) is purely on *ad-hoc* and temporary basis and will not confer upon him any entitlement for absorption or seniority in the grade.

The 24th April 1981

No. A-32014/4/80-Admn.II.—In continuation of this office notification of even No. dated 12-1-81, the Secretary, Union Public Service Commission, hereby appoints Shri R. P. Singh, a permanent Estate Supervisor of this office, to officiate as Estate Manager and Meeting Officer in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200, on an *ad-hoc* basis for a further period of three months with effect from 18-4-81 or until further orders, which is earlier.

P. S. RANA  
Section Officer,  
for Secy.  
Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 30th April 1981

No. A-38013/5/80-Admn.III.—The President is pleased to permit Shri B. L. Sharma a Permanent Assistant and officiating Section Officer of the C.S.S. cadre of the Union Public Service Commission, to retire from Government service, on attaining the age of superannuation, with effect from the afternoon of the 30th April, 1981 in terms of Department of Personnel O. M. No. 33/12/73-Ests(a) dated the 24th November, 1973.

Y. R. GANDHI  
Officer  
for Dy. Secy.  
(Incharge of Administration)  
Union Public Service Commission

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL  
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi, 23rd April 1981

No. E-38013(4)/5/81-PERS.—On promotion, Shri P. K. DASGUPTA assumed the charge of the post of Asstt. Commdt, CISF Unit, HSL Stock Yard, Calcutta with effect from the afternoon of 23rd March, 1981 vice Shri SHYAMAL ROY, Asstt. Commdt. Who on transfer to BCCL Jharia relinquished the charge of the said post on the same date.

The 30th April 1981

No. E-16016/3/81-PERS.—On transfer on deputation from BSF, Shri P. D. BHAGAT assumed the charge of the post of Section Officer in the Office of the Director General, CISF, New Delhi with effect from the afternoon of 16th April 1981.

The 2nd May 1981

No. E-38013(4)/5/81-PERS.—On promotion, Shri D. M. Dey assumed the charge of the post of Asstt. Comdt, CISF Unit, BCCL Jharia with effect from the forenoon of 23rd March, 1981.

No. E-38013(4)/5/81-PERS.—On promotion, Shri T. NATH assumed the charge of the post of Asstt. Comdt, CISF Unit, ASP Durgapur with effect from the forenoon of 30th March 1981.

No. E-38013(4)/5/81-PERS.—On transfer to BCCL Jharia Shri B. Misra relinquished the charge of the post of Asstt. Comdt. CISF Unit, BIL Bhilai with effect from the forenoon of 16th March 1981.

No. E-38014(4)/5/81-PERS.—On promotion, Shri K. R. PILLAI assumed the charge of the post of Asstt. Comdt, CISF Unit, DSP Durgapur with effect from the afternoon of 27th March, 1981.

No. E-38013(4)/5/81-PERS.—On promotion Shri A. S. PANESAR assumed the charge of the post Asstt. Comdt, CISF Unit, DSP Durgapur with effect from the forenoon of 25th March 1981.

No. E-38013(4)/5/81-PERS.—On promotion, Shri B. C. JOSHI assumed the charge of the post of Assistant Commdant CISF Unit, BSI, Bokaro with effect from the afternoon of 19th March 1981.

No. E-38013(4)/5/81-PERS.—On promotion Shri S. N. PRADHAN assumed the charge of the post of Asstt. Comdt, CISF Unit, MAMC Durgapur with effect from the forenoon of 27th March 1981.

No. E-38013(4)/5/81-PERS.—On promotion, Shri B. N. MUKHERJEE assumed the charge of the post of Asstt. Comdt. CISF Unit, BCCL Jharia with effect from the forenoon of 25th March 1981.

PARKASH SINGH  
Asstt. Inspector-General (Personnel)

## OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the 28th April 1981

No. 10/56/79-Ad.I.—In continuation of this office notification of even number dated 15-1-1980, the President is pleased to appoint Shri V. V. Rao, Assistant Director (Programme) in the office of the Registrar General, India, New Delhi as Systems Analyst in the same office, on a purely temporary and *ad-hoc* basis, for a further period upto the 31st August, 1981 or till the post is filled in on a regular basis whichever period is shorter, under the existing terms and conditions as mentioned in the paragraph 3 of this office Notification of even number dated 15-1-1980.

The headquarters of Shri Rao will be at New Delhi.

No. 11/8/80-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri S. V. Wairagade, an officer belonging to the Maharashtra Civil Service, as Deputy Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations, Maharashtra, Bombay, by transfer on deputation, on *ad-hoc* basis, with effect from the forenoon of the 13th February, 1981 for a period not exceeding one year or till the post is filled in, on a regular basis, whichever period is shorter.

2. The headquarters of Shri Wairagade will be at Jalgaon.

No. 11/80-Ad.I.—The President is pleased to appoint by promotion, Shri R. S. Maurya, Investigator, in the office of the Director of Census Operations, Uttar Pradesh, Lucknow to the post of Assistant Director of Census Operations (Technical) in the same office, on a purely temporary and *ad-hoc* basis, with effect from the 13th April, 1981, for a

period not exceeding one year or till the post is filled in on a regular basis, whichever period is shorter.

2. The headquarters of Shri Maurya will be at Lucknow.

No. 11/95/79-Ad.I.—In continuation of this office notification No. 10/31/79-Ad.I dated 14-9-1979, the President is pleased to appoint Shri S. Rajagopalan, Section Officer in the office of the Registrar General, India, as Deputy Director, in the same office, by transfer on deputation, on a purely temporary and *ad-hoc* basis, for a further period upto the 31st August, 1981 or till the post is filled on a regular basis, whichever period is shorter.

The headquarters of Shri Rajagopalan will be at New Delhi.

No. 11/99/79-Ad.I.—On his repatriation to the Government of West Bengal, the services of Shri Jayanta Roy, an officer belonging to the West Bengal Civil Services, and at present working as Deputy Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations, West Bengal at Calcutta on deputation basis are placed at the disposal of the Government of West Bengal, with effect from the afternoon of the 10th April, 1980.

P. PADMANABHA,  
Registrar General, India

MINISTRY OF FINANCE  
(DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS)  
INDIA SECURITY PRESS

Nasik Road, the 2nd May 1981

No. 192/A.—The General Manager, India Security Press, Nasik Road hereby appoints Shri G. A. Pagare, to officiate as Security Officer on an *ad-hoc* basis for a period of six months from the forenoon of 28th March, 1981 or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier, in Currency Note Press, Nasik Road.  
Nasik Road.  
Dt. 27-4-81.

P. S. SHIVARAM  
General Manager,

SECURITY PAPER MILL

Hoshangabad, the 21st April 1981

No. 7(53)/994.—In continuation of this office Notification No. 7(53)/6013 dated 12th Sept., 1980 the *ad-hoc* appointment of Shri B. R. Barmaiya, Foreman (Elect.) as Assistant Engineer (Elect.) is hereby continued up to 12-3-1981 or till the post is filled on regular basis whichever is earlier.

No. 7(53)/997.—In continuation of this office Notification No. 7(53)/994 dated 27-4-81. Shri B. R. Barmaiya is hereby promoted as Assistant Engineer (Elect.) on regular basis w.e.f. 13-3-81 until further orders. He will be on probation for a period of 2 years which will include the period during which he worked on *ad-hoc* basis i.e. 20-4-1979.

S. R. PATHAK  
General Manager

BANK NOTE PRESS

Dewas(M.P.), the 28th April 1981

No. BNP/C/5/81.—In continuation to this Department's Notification number BNP/C/5/80 dated 27-1-81 the *ad-hoc*

15—76 GI/81

appointments of the following officers are hereby extended up to the dates shown against each on the same terms and conditions:—

S. No.	Post to which ad-hoc appointment is made	Date upto which the ad-hoc appointment continued.
1. V. Venkataramani	Technical Officer (Printing & Plate-making)	30-9-81
2. R.C. Agrawal	Do.	30-9-81
3. Ashok Joshi	Do.	30-9-81

M. V. CHAR  
General Manager

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS, DEPARTMENT  
OFFICE OF THE COMPTROLLER AND AUDITOR  
GENERAL OF INDIA

New Delhi-110 002, the 25th April 1981

No. CAI/113-78.—Additional Dy. Comptroller and Auditor General of India (C) has permitted Shri R. R. Deshmukh Audit Officer (C) C/o the Member Audit Board and Ex-Officio Director of Commercial Audit Western Region, Bombay to retire voluntarily from Govt. service w.e.f. 6-4-1981 under provisions of Rule 48-A of C.C.S. (Pension) Rules 1972.

M. A. SOMESWARA RAO  
Deputy Director (Commercial)

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT,  
COMMFRCCE, WORKS AND MISCELLANEOUS.

New Delhi-110 002, the 29th April 1981

No. Admn.I/8(76)VI/1981/259.—The Comptroller and Auditor General of India has, with the concurrence of the Government of India, sanctioned the permanent absorption of Shri S. L. Malhotra, Audit Officer in the Mineral Development Board with effect from the 1st August, 1980. He is deemed to have retired from Government Service with effect from the date of his absorption in the Board as per Rule 37 of the C.C.S. (Pension) Rule, 1972.

M. S. SARNA  
Director of Audit

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT  
OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF  
DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110022, the 29th April 1981

No. AN/I/1403/4/Vol. I.—The President is pleased to appoint the following Permanent Accounts Officers to officiate in the Junior Time Scale of the regular cadre of the Indian Defence Accounts Service (Rs. 700-1300) on Ad-hoc basis for a period of six months.

Sl. No.	Date from which appointed
1	2
S/Shri	3
1. P. Banerjee	26-11-80
2. R. Narasimhan	10-12-80
3. Om Prakash	22-01-81
4. Parimal Chatterjee	26-11-80
5. P.S. Balasubramanian	02-02-81
6. J.N. Aggarwal	28-11-80 (AN)

1	2	3
S/Shri		
7. Amar Nath Gupta	.	08-1-81
8. P. S. Swaminathan	.	29-12-80
9. D. Krishna Murthy	.	13-01-81
10. S. Bhageerathan	.	28-11-80
11. R. L. Sehgal	.	12-01-81
12. Jagdish Singh	.	29-11-80
13. Lachha Singh	.	29-11-80
14. Laxman Das	.	28-11-80
15. Man Mohan Singh	.	05-12-80

C. V. NAGENDRA  
Addl. Controller General of Defence Accounts  
(Admn.)

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT  
DEFENCE SERVICES

New Delhi, the 29th April 1981

No. 495/A-Admn./130/79-81.—The Director of Audit, Defence Services, is pleased to appoint Shri P. K. Khandelwal, substantive member of subordinate Accounts Service, to officiate as Audit Officer in the Office of the Additional Director of Audit, (Ordnance Factories) Kanpur, with effect from 24-3-81 (F.N.), until further orders.

I. P. SINGH  
Joint Director of Audit, D.S.

OFFICE OF THE CONTROLLER OF DEF. ACCOUNTS  
SOUTHERN COMMAND

Poona-411 001, the 16th September 1980

No. AN/III/11310/NBRP.—Shri N. B. Ravindran Pillay, son of Shri K. Balakrishna Pillay, Permanent clerk (A/C No. 8305711) of this Office has absented himself without any report and has been unauthorisedly absent since 5-12-78. The memos issued to him at his known address have been received back undelivered. The charge sheet for major penalty sent to him at his known address has also been returned undelivered, by the postal authorities, with the remarks, 'Out of India'. He is therefore, considered as absconding. It has therefore been decided by the disciplinary authority to remove him from service with effect from Fourth September, 1980, without following the enquiry procedure in accordance with 2(b) and 3 of the article 311 of the Constitution.

V. K. BHANDARKAR  
Jt./Dr.  
CDA

MINISTRY OF DEFENCE  
DGOF HQRS. CIVIL SERVICE  
ORDNANCE FACTORY BOARD  
Calcutta-700 069, the 1st May 1981

No. 11/81/A/E-1(NG).—The Director General, Ordnance Factories is pleased to appoint Shri S. Sathappan, Senior Non-Commissioned Officer in-Charge, Orderly Room, 115, H. U. Air Force, C/o. 99, A.P.O. as Assistant Staff Officer (Group 'B' Gazetted) with effect from 16-3-81 (F.N.) and posted at OEF Group HQrs., Kanpur.

The 2nd May 1981

No. 12/81/A/E-1(NG).—The Director General, Ordnance Factories is pleased to appoint Shri Dayanand Sahrawat, Research Assistant in Department of Personnel & Administrative Reforms, Ministry of Home Affairs, New Delhi as Assistant Staff Officer (Group 'B' Gazetted) with effect from 2-4-81 (F.N.) and posted at OEF Group HQrs., Kanpur.

D. P. CHAKRAVARTI  
ADGOF/Admin.  
for Director General Ordnance Factories

Calcutta-16, the 27th April 1981

No. 19/81/G.—On attaining the age of superannuation (58 years) Shri M. C. Puri, Offg Assistant Manager (Subst. & Permt. Foreman) retired from service with effect from 31st August, 1980 (A/N).

V. K. MEHTA  
Assistant Director General, Ordnance Factories

MINISTRY OF COMMERCE  
OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS  
AND EXPORTS

New Delhi, the 25th April 1981

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL  
(ESTABLISHMENT)

No. 6/533/68-Admn.(G)/2418.—The president is pleased to appoint Shri A. Ramachandran, an officer of the Selection Grade of the CSS and Joint Chief Controller of Imports and Exports as Export Commissioner in the office of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi with effect from the forenoon of the 14th July, 1980, until further orders.

MANI NARAYAN SWAMI  
Chief Controller of Imports and Exports

New Delhi, the 24th April 1981

No. 6/746/65-Admn.(G)/2434.—Shri P. N. Mehta, officiating Controller of Imports and Exports in the Office of the Deputy Chief Controller of Imports and Exports, Bhopal has been permitted to retire voluntarily from Government service with effect from the forenoon of the 2nd September, 1980.

The 30th April 1981

No. 6/883/69-Admn.(G)/2542.—On attaining the age of superannuation, Shri R. R. Tatwa officiating Controller of Imports and Exports in the Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Calcutta has been permitted to retire from Government service with effect from the afternoon of the 31st March, 1981.

No. 6/528/58-Admn.(G)/1548.—On attaining the age of superannuation, Shri J. S. Sahota, an officer officiating in Grade I of the CSS and officiating Deputy Chief Controller of Imports and Exports in this office has been permitted to retire from Government service with effect from the afternoon of the 31st March, 1981.

No. 6/1132/76-Admn.(G)/2558.—On attaining the age of superannuation Smt. S. N. Koregaonkar, Officiating Controller of Imports and Exports in the Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Bombay has been permitted to retire from Government service with effect from the afternoon of the 31st March, 1981.

A. N. KAUL  
Dy. Chief Controller of Imports & Exports  
for Chief Controller of Imports & Exports

MINISTRY OF INDUSTRY  
(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)  
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER  
SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi-110 011, the 30th April 1981

No. 12/538/66-Admn.(G).—Consequent upon his deputation for appointment as Asstt. Director with the Commonwealth Secretariat in its Industrial Development Unit, London, Shri S. C. Pandey relinquished charge of the post of Industrial Adviser (Chemical) in the Office of Development Commissioner, Small Scale Industries, with effect from the afternoon of 9th April, 1981.

C. C. ROY  
Deputy Director (Admn.)

## DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES &amp; DISPOSALS

(ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 30th April 1981

No. A-1/1(1172)/81.—The Director General of Supplies and Disposals hereby appoints Shri C. R. M. Sulaiman, Junior Field Officer in the office of Director of Supplies and Disposals, Madras to officiate on *ad-hoc* basis as Assistant Director (Grade II) in the office of Director of Supplies and Disposals, Madras with effect from the afternoon of 2nd February, 1981 and until further orders.

2. The *ad-hoc* appointment of Shri C.R.M. Sulaiman as Asstt. Director (Grade II) will not bestow on him a claim for regular appointment and that *ad-hoc* service rendered would not count for the purpose of seniority in that grade and for eligibility for promotion and confirmation.

3. Shri C.R.M. Sulaiman relinquished charge of the post of Junior Field Officer and assumed charge of the post of Asstt. Director (Grade II) w.e.f. the afternoon of 2nd February, 1981 in the office of Director of Supplies & Disposals, Madras.

The 1st May 1981

No. A-1/1(1173)/81.—The Director General of Supplies & Disposals hereby appoints Shri K. Venkatasubramoni, Junior Field Officer in the office of Director of Supplies and Disposals, Madras to officiate on *ad-hoc* basis as Assistant Director (Grade II) in the Directorate of Supplies and Disposals, Bombay with effect from the forenoon of 18th March, 1981 and until further orders.

2. The *ad-hoc* appointment of Shri K. Venkatasubramoni as Asstt. Director (Gr. II) will not bestow on him a claim for regular appointment and that *ad-hoc* service rendered would not count for the purpose of seniority in that grade and for eligibility for promotion and confirmation.

3. Shri K. Venkatasubramoni relinquished charge of the post of Junior Field Officer in the office of Director of Supplies & Disposals, Madras on the afternoon of 7th March, 1981 and assumed charge of the post of Asstt. Director (Gr. II) in the office of Director of Supplies & Disposals, Bombay on the forenoon of 13th March, 1981.

P. D. SETH  
Deputy Director (Administration)  
for Director General of Supplies & Disposals

MINISTRY OF STEEL AND MINES  
DEPARTMENT OF MINES  
GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA  
Calcutta-700 016, the 16th April 1981  
(CORRIGENDUM)

No. 1641D/A-19012(3-VSNPK)/80-19B.—The name of the Asstt. Chemist appointed in this Deptt., under this office Notification No. 046/A-19011(3-VNSPK)/80-19B dated 9-1-81, may be read as Sri V.S.N.P. Kavitha instead of Shri V.N.S.P. Kavitha.

No. 1650D/A-19012(3-DSM)/88/19B.—Shri D. S. Manhas is appointed to the post of Asstt. Chemist in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 29-1-81, until further orders.

V. S. KRISHNASWAMY  
Director General

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 30th April 1981

No. A.19012(143)/81-Estt.A.—Shri S. Rammoorthy, Permanent Senior Technical Assistant (Publication) is appointed to officiate as Publication Officer, Indian Bureau of Mines on *ad-hoc* basis with effect from the afternoon of 6th April, 1981, until further orders.

The 1st May 1981

No. A-19011(225)/79-Estt.A.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri S. C. Taluja, Assistant Ore Dressing Officer to the post of Deputy Ore Dressing Officer, in Indian Bureau of Mines in the officiating capacity with effect from the forenoon of 9th April, 1981.

No. A-19012(119)/79-Estt.A.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri K. T. Louis, Assistant Research Officer (Ore Dressing) to the post of Assistant Ore Dressing Officer in Indian Bureau of Mines in the Officiating capacity with effect from the afternoon of 31st March, 1981.

S. V. ALI  
Head of Office  
Indian Bureau of Mines

SURVEY OF INDIA  
SURVEYOR GENERAL'S OFFICE

Dehra Dun, the 28th April 1981

No. E1-5712/724-SOS.—Shri Brij Raj Bhatnagar is appointed to officiate as Assistant Stores Officer, Survey of India in the General Central Service Group 'B' (Gazetted) against a temporary post in the revised scale of pay of Rs. 550-25-750-EB-30-900 with effect from 8th April, 1981.

The 1st May 1981

No. C-5713/913-H.—Shri Laxman Singh Gusain, Hindi Translator is appointed to officiate as Hindi Officer (GCS Group 'B' Post) in the Survey of India in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from 18th April 1981 (F.N.).

K. L. KHOSLA,  
Major General  
Surveyor General of India  
(Appointing Authority)

## ARCHAEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

New Delhi-110011, the 29th April 1981

No. 14/3/81-M(T).—In exercise of the powers conferred under the Rule 6 of the Ancient Monuments and Archaeological Sites and Remains Rules 1959, I, K.M. Srivastava, Director (Monuments), hereby direct that no fee shall be charged for entry to monuments at Rajagiri Hill, Gingee, South Arcot District, Tamil Nadu for a peiod of 10 days from 4-5-81 to 13-5-81 (both days inclusive) on account of annual festival of Devi Kamalkanni Amman.

K.M. SRIVASTAVA,  
Director (Monuments)

## DIRECTORATE GENERAL : ALL INDIA RADIO

New Delhi-1, the 29th April 1981

No. 5(2)/68-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri K. K. Srivastava, Transmission Executive, All India Radio, Lucknow as Programme Executive, AIR, Kanpur in a temporary capacity on an *ad hoc* basis with effect from 10th April, 1981 and until further orders.

No. 5(6)/68-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri P.L. Razdan, Transmission Executive, Radio Kashmir, Srinagar as Programme Executive, Radio Kashmir, Srinagar in a temporary capacity on an *ad hoc* basis with effect from 1st April, 1981 and until further orders.

No. 5(36)/68-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri K. K. Pathak, Transmission Executive, AIR, Dibrugarh as Programme Executive, All India Radio, Dibrugarh in a temporary capacity on an *ad hoc* basis with effect from 4th April, 1981 and until further orders.

No. 4(42)/80-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Smt. Nariman Khan Shadap, TRLX, AIR, Shillong as Programme Executive, All India Radio, Shillong in a temporary capacity with effect from 28th March, 1981 and until further orders.

The 2nd May 1981

No. 5(104)/67-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri Saketanand Singh, Transmission Executive, All India Radio, Darbhanga as Programme Executive, All India Radio, Darbhanga in a temporary capacity with effect from 21st April 1981 and until further orders.

H.C. JAYAL,  
Dy. Director of Administration  
for Director General

New Delhi, the 1st May 1981

No. 3/39/61-SI.—Director General, All India Radio, is hereby to appoint Shri S. C. Basu, Accountant All India Radio, Calcutta to officiate as Administrative Officer on an *ad hoc* basis at All India Radio HPT, Chinsurah with effect from 31-3-81 (FN).

S. V. SESHADRI,  
Deputy Director of Administration  
For Director General

#### DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 24th April 1981

No. A. 31013/3/80-NMEP/admn. I.—The President is pleased to appoint Shri A.R. Nim to the post of Deputy Director (Logistics & Administration) in the National Malaria Eradication Programme Dte., Delhi, in the substantive capacity with effect from 7-2-1979.

T. C. JAIN,  
Deputy Director Administration (O&M)

New Delhi, the 25th April 1981

No. A. 19017/1/81-CGHS. I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri M. L. Bhambi to the post of Administrative Officer, in the Central Government Health Scheme Delhi on deputation basis with effect from the forenoon of 30-3-1981.

T.S. RAO  
Dy. Director Admn. (CGHS. I)

#### MINISTRY OF RURAL RECONSTRUCTION

#### DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 28th April 1981

No. A. 19023/3/81-A-III.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee, (Group B), Shri S.N. Upadhyay, Asstt. Marketing Officer, has been appointed to officiate as Marketing Officer (Group I) under this Dte. at Nagpur with effect from 2-4-81 (FN) to 10-4-81 (FN).

2. Consequent on his promotion as Marketing Officer, Shri Upadhyay relinquished charge of the post of Assistant Marketing Officer at Calcutta in the forenoon of 1-4-81.

2. Subsequently on his selection by the Union Public Service Commission to the post of Asstt. Director under this Dte. at CAL, Nagpur, Shri Upadhyay relinquished charge of the post of Marketing Officer at Nagpur in the forenoon of 10-4-81.

B.L. MANIWAR,  
Director of Administration  
for Agricultural Marketing Adviser  
to the Government of India

#### BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE PERSONNEL DIVISION

Bombay-400 085, the 21st April 1981

No. PA/76(2)/80-R-III.—On transfer from the Power Project Engineering Division, Bombay of the Department of

Atomic Energy Shri Ravje Gangaram Masurkar, Accounts Officer II has assumed charge of the post of Accounts Officer II in Bhabha Atomic Research Centre with effect from the forenoon of April 10, 1981.

A. SANTHAKUMARA MENON,  
Dy. Establishment Officer

Bombay-400 085, the 16th April 1981

No. R-1969/Estd.II/1777.—Shri Vasant Raghunath Rege, a permanent Accountant and officiating Asstt. Accounts Officer in this Research Centre voluntarily retired from Government service under FR 56(k) in the afternoon of February 28, 1981.

The 22nd April 1981

No. Ref. 5/1/81-Estd.II/1840.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri A. K. Katre, Assistant to officiate on an ad-hoc basis as Assistant Personnel Officer for the period from 18-2-1981 FN to 31-3-1981 AN.

No. C-111/Estd. II/1846.—On transfer from Directorate of Estate Management of the Department of Atomic Energy, Shri D.N. Chakraborty, permanent Security Officer, assumed charge of the post of Security Officer in this Research Centre with effect from the forenoon of 16-3-1981.

KUM. H. S. VIJAYAKAR,  
Dy. Establishment Officer  
Bhabha Atomic Research Centre

#### DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY (ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500016, the 28th April 1981

No. AMD-1/7/79-Adm.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri J.P. Sharma, permanent Lower Division Clerk and officiating Assistant Accountant in the Atomic Minerals Division to officiate as Assistant Accounts Officer in the same Division with effect from the forenoon of March 30, 1981 until further orders.

The 29th April 1981

No. AMD-4(15)/80-Rec.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri H.S. Saini temporary, Scientific Assistant 'C' (Drilling) as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the same Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of February 1, 1981 until further orders.

No. AMD-4(15)/80-Rec.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Laxmi Narain Bajpai, Temporary Scientific Assistant 'C' (Drilling) as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the same Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of February 1, 1981 until further orders.

No. AMD/51/10/80-PEN.—Consequent upon his retirement from Government service on attaining the age of superannuation, Shri M.S. Dhaliwal, a permanent Technical Assistant/Officiating Scientific Officer, Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy, relinquished charge of his post on the afternoon of March 31, 1981.

The 30th April 1981

No. AMD-1/6/80-Rec.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Sayaji Jayasing Rao Chavan as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of April 14, 1981 until further orders.

M.S. RAO,  
Sr. Administrative & Accounts Officer.

## HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400 008, the 30th April 1981

No. Ref : 05000/RI/OP/2077.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Pandarathil Padmanabhan Nambiar, a permanent Upper Division Clerk of Bhabha Atomic Research Centre and officiating Assistant Accountant in Heavy Water Projects (Central Office) to officiate as Assistant Accounts Officer in the same office, in a temporary capacity, on ad hoc basis from the forenoon of March 20, 1981 to May 19, 1981 (AN) or until further orders whichever is earlier vice Shri S. K. Limaye, Assistant Accounts Officer, transferred to Department of Atomic Energy, Bombay.

No. Ref. 05052/80/Aug/2078.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Egappa Narayana Alagappan, a temporary Supervisor (Civil) of Heavy Water Project (Tuticorin), to officiate as Scientific Officer/Engineer (Grade SB) in the same project, with effect from the forenoon of September 1, 1980 until further orders.

No. Ref : 05012/R2/OP/2079.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Shri Ram Tiwari, a temporary Assistant Security Officer of Heavy Water Project (Baroda) to officiate as Security Officer, in the same project in a temporary capacity, on ad hoc basis from the forenoon of August 9, 1980 to March 15, 1981 (AN) vice Shri P. B. Bakshi, Security Officer, voluntarily retired. This issues in supersession of this office notification No. 05012/R2/OP/598 dated February 5, 1981.

The 1st May 1981

No. Ref. 05052/K-134/2042.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Chozhangath Kochu Krishnan, a permanent Assistant Security Officer of Rajasthan Atomic Power Project, to officiate as Security Officer in Heavy Water Project (Baroda), with effect from the forenoon of March 16, 1981 until further orders.

R. C. KOTJANKAR, Administrative Officer

## (DEPARTMENT OF SPACE)

ISRO : SHAR CENTRE  
SRIHARIKOTA COMMON FACILITIES  
PERSONNEL AND GENERAL ADMN. DIVN.

Sriharikota-524 124, the 8th April 1981

No. SCF :P&GA :ESTT : 1.72.—The Director SHAR Centre is pleased to appoint on promotion the following officials to the post of Sci/Engineer-SB in the SHAR Centre, Sriharikota in an officiating capacity with effect from 1-4-81 and until further orders :—

## Sl. No. and Name

1. Shri V. J. James.
2. Shri P. C. Abraham.
3. Shri S. P. Muthupandian.
4. Shri C. V. Sundarcswarudu.
5. Shri V. Radhakrishnan.
6. Shri V. Veerabhadra Rao.
7. Shri Ch. Venugopal Reddy.
8. Shri T. N. V. Satyanarayana.
9. Shri P. C. Gope.

No. SCF: P&GA: ESTT: 1. 72:—The Director SHAR Centre is pleased to appoint the following personnel to the post of Sci/Engineer-SB in the SHAR Centre, Sriharikota in an officiating capacity with effect from the dates noted against each:—

Sl. No.	Name	Date of Appointment
1. VS Ramamohan Rao		16-2-81
2. CVGK Bangara Raju		19-2-81
3. Balbir Singh Tahim		25-2-81
4. Basanta Kumar Palta Singh		3-3-81
5. Pradeep Kumar Mohanty		20-3-81

R. GOPALARATNAM,  
Head, Personnel & General Admn. Divn.  
for Director.

## MINISTRY OF TOURISM AND CIVIL AVIATION

## (INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT)

New Delhi-3, the 30th April 1981

No. A. 38019/I/E-L.—The undermentioned officers of India Meteorological Department have retired from the Government service on dates mentioned against their names, on attaining the age of superannuation.

Sl. No.	Name	Designation	Date on which officer retired
1. Shri V. Srinivasan	Director	31-12-80	
2. Shri N.V. Parmeswaram	Assistant Meteorologist	31-12-80	
3. Shri P.C. Mukherjee	Assistant Meteorologist	31-12-80	
4. Shri S.R. Sen	Assistant Meteorologist	31-12-80	
5. Shri Subimal Kumar Das	Assistant Meteorologist	31-12-80	
6. Shri N.R. Chakraborty	Assistant Meteorologist	31-1-81	
7. Shri S.J. Bhattacharya	Assistant Meteorologist	31-1-81	
8. Shri A. H. Subramaniam	Meteorologist Grade I	28-2-81	
9. Shri D. Bhattacharya	Meteorologist Grade I	28-2-81	
10. Shri K.K. Srivastava	Meteorologist Grade I	28-2-81	
11. Shri S.R. Balaburamaniam	Assistant Meteorologist	28-2-81	
12. Shri S.K. Mukherjee	Assistant Meteorologist	28-2-81	
13. Shri M.S. Swaminathan	Assistant Meteorologist	28-2-81	

K. MUKHERJEE  
Meteorologist (Establishment)  
for Director General of Meteorology

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL  
OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 30th April 1981

No. A. 32013/3/80-EC:—The President is pleased to appoint the following Assistant Communication Officers to the grade of Communication Officer on ad-hoc basis with effect from the

date indicated against each for six months and to post them to the stations indicated against each:—

S. No.	Name	Present Stn. of posting	Stn. to which posted	Date of taking over charge
1	2	3	4	5
S/Shri				
1.	D.P. Chohan	Delhi	ACS, Palam	18-3-81 (F.N.)
2.	S.R. Iyer	Delhi	ACS, Palam	18-3-81 (F.N.)
3.	K. Gopalakrishnan	ACS, Bombay	ACS, Bombay	19-3-81 (F.N.)
4.	T.S. Prakasam	ACS, Bombay	ACS, Bombay	19-3-81 (F.N.)
5.	M. Raghavan	ACS, Madras	ACS, Madras	24-3-81 (F.N.)
6.	S. Manickam	ACS, Madras	ACS, Madras	31-3-81 (F.N.)

No. A.38013/1/81-EC.—Shri N. K. Nanu, Deputy Director in the office of the Director, Radio Construction & Dev. Units, New Delhi relinquished charge of his office on 31-3-81 (AN) on retirement on attaining the age of superannuation.

J. C. GARG,  
Assistant Director of Administration

New Delhi, the 30th April 1981

No. A.32013/3/79-ES.—The President is pleased to appoint Sh. A. N. Mukherjee to the grade of Deputy Director/Controller of Aeronautical Inspection on ad-hoc basis for a period upto 30-6-81, with effect from 7-4-81 (forenoon), or till the regular appointment in the grade are made, whichever is earlier.

C. K. VATSA,  
Officer on Special Duty (E)

**COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS**

Bhubaneswar, the 1st May 1981

No. 4/81.—On promotion the following Inspector (SG) of Customs & Central Excise have assumed charge as Superintendent of Customs & Central Excise, Group 'B' at the places and dates mentioned against each:—

1. Shri S. Narayan Rao, Superintendent Central Excise & Customs, Bhubaneswar. 16-3-81 (F.N.)
2. Shri C. T. Venkateswarlu, Superintendent, Central Excise & Customs, Bhubaneswar. 16-3-81 (F.N.)

No. 5/81.—Shri Purusottam Das, Superintendent, Central Excise & Customs, Group 'B' posted at Sambalpur in Sambalpur Division retired from service in this Department on superannuation in the after-noon of 31-3-81.

No. 6/81.—On re-designation of the post of Dy. Collector to that of Additional Collector in terms of Government of India, Ministry of Finance, Department of Revenue letter F. No. A-11013/219-80-Ad.IV dated 28-2-81 Shri A. K. Dutt, Deputy Collector of Customs & Central Excise has been declared to function as Additional Collector of Customs and Central Excise, Group 'A' in the Collectorate of Central Excise & Customs, Bhubaneswar.

S. K. BANERJEE,  
Assistant Collector (HDQRS)  
Central Excise and Customs

**DIRECTORATE OF INSPECTION & AUDIT  
CUSTOMS & CENTRAL EXCISE**

New Delhi, the 28th April 1981

No. 6/81.—Shri Nand Lal lately posted as Accounts Officer in the Office of the Chief Controller of Accounts, Central Board of Excise & Customs, New Delhi, on his posting as Pay & Accounts Officer in the Directorate of Inspection and Audit, Customs & Central Excise, New Delhi vide Chief Controller of Accounts, Central Board of Excise & Customs Office Order No. 648 dated 28-3-1981, assumed charge on 1-4-1981 (Forenoon) vice Shri K. D. Math, Assistant Chief Accounts Officer appointed as Inspecting Officer Group 'B'.

S. B. SARKAR, Director of Inspection

**MINISTRY OF SHIPPING & TRANSPORT  
(DIRECTORATE GENERAL OF SHIPPING)**

Bombay-400 038, the 2nd May 1981

No. 11-TR(5)/79.—Shri Ramesh Chandra Yadav, Engineer Officer in the Directorate of Marine Engineering Training, Calcutta relinquished charge of his post, Consequent upon the acceptance of his resignation with effect from the afternoon of 24th October, 1980.

K. S. SIDHU,  
Dy. Director General of Shipping

**MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS**

**(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)**

**COMPANY LAW BOARD**

**OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES**

*In the matter of Companies Act, 1956 and of  
M/s. Hotel Nilgiris Continental Limited*

Madras-600 006, the 27th April 1981

No. DN/5971/560(5)81.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Hotel Nilgiris Continental Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

Sd/- ILLEGIBLE  
Asst. Registrar of Companies  
Tamil Nadu, Madras

*In the matter of Companies Act 1956, and of  
Sudha Hygienic Products Private Limited*

Madras, the 27th April 1981

No. DN/6194/560(3)81.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Sec. 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of Sudha Hygienic Products Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

Sd/- ILLEGIBLE  
Asst. Registrar of Companies,  
Tamil Nadu, Madras.

**OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES  
KARNATAKA**

*In the matter of Companies Act 1956, and of  
Rayzone Pharma Private Ltd.*

Bangalore-9, the 28th April 1981

No. 1636/560/81-82.—Notice is hereby given pursuant to sub. Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof

the name of M/s. Rayzone Pharma Private Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

P. T. GAJWANI  
Registrar of Companies,  
Karnataka, Bangalore.

*In the matter of Companies Act 1956, and of  
"Merrit Chit Fund Private Limited"*

Pondicherry, the 28th April 1981

C. No. 110/81.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 that the name "Merrit Chit Fund Private Limited" has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

B. KOTESWARA RAO  
Registrar of Companies,  
Pondicherry.

*In the matter of Companies Act 1956, and of  
Shree Electricals Private Limited*

New Delhi, the 28th April 1981

No. 5877/8340.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Shree Electricals Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the Company will be dissolved.

*In the matter of Companies Act 1956, and of  
Experto Exporto Private Limited*

New Delhi, the 28th April 1981

No. 5632/8342.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Experto Exporto Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the Company will be dissolved.

*In the matter of Companies Act 1956, and of  
Nirman Tailors Private Limited*

New Delhi, the 28th April 1981

No. 5749/8344.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956

that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Nirman Tailors Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the Company will be dissolved.

L. R. VERMA  
Asstt. Registrar of Companies,  
Delhi & Haryana.

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES,  
PUNJAB, H. P. & CHANDIGARH

*In the matter of Companies Act 1956, and of  
M/s. Naveen Chit Fund & Financiers Private Limited*

Jullundur City, the 1st May 1981

No. G/Stat/560/2957/511.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Naveen hit Fund & Financiers Private Limited, has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

N. N. MAULIK  
Registrar of Companies,  
Punjab, H. P. & Chandigarh.

*In the matter of Companies Act 1956, and of  
M/s. Lakshmei Loan Company Limited*

Shillong, the 1st May 1981

No. 332/560(5)/407.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Lakshmei Loan Company Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of Companies Act 1956, and of  
M/s. Assam Vinyl Private Limited*

Shillong, the 1st May 1981

No. 1641/560(5)/409.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Assam Vinyl Private Limited, has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

S. R. KOM  
Registrar of Companies,  
Assam, Meghalaya, Manipur, Tripura, Nagaland,  
Arunachal Pradesh & Mizoram, Shillong.

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Roop Lal s/o Shri Bansi Ram r/o Village Naib Sarai, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

(Transferror)

(2) Sh. Rajinder Mohan Puri s/o Sh. C.L. Puri r/o A-1, Geetanjili, New Delhi.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
H BLOCK VIKAS BHAWAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI

NEW DELHI, the 20th April 1981

Ref. No. AC./ACq/I/SR-III/8-80/4022—Whereas I,  
R. B. L. Aggarwal.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agr. land situated at Village Naib Sarai, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on August 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

1/16th sharz in agr. land area 19 bighas K. No. 592 (4-16), 272(4-16), 550(5-9), 539(3-14), 270(0-5), village Naib Sarai, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

(R. B. L. Aggarwal)  
Competent Authority  
(Inspecting Assistant commissioner of Income Tax)  
Acquisition Range I Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 20-4-81

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)  
 GOVERNMENT OF INDIA  
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
 ACQUISITION RANGE  
 H BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 20th April, 1981

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/8-80-987—Whereas I, R.B.L. Aggarwal, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agrl. land situated at Village Naib Sarai, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at.....on August 1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Sh. Tara Chand s/o Shri Molarh, r/o village Naib Sarai, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Om Parkash S/o Sh. Malawa Ram, r/o C-14, Green Park, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

1/8th share in Agrl. land 577(4-16), area 18 bighas and 16 biswas K. No. 573 (4-16), 574(4-16), 591/1(2-8), 268(2-0), situated in village Naib Sarai, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range-I, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

16-76G/ 81

Date : 20-4-81  
 Seal :

## FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sh. Ghazi Ram s/o Sh. Dhull Chand, t/o Village Bijwasan.

(Transferor)

(2) M/s Suraj Construction &amp; Estates (P) Ltd., 115 Ansal Bhavan, 16, K.G. Marg, New Delhi.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

## ACQUISITION RANGE-I, H BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 20th April 1981

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/8-80/1076—Whereas I,

R.B.L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agr. land situated at Village Bijwasan, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on August 1980, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Agr. lands measuring 4 bighas and 9 biswas being one-half share comprised in Rect. No. 44, K. No. 21 (4-08), 22/1 min (1-10) Rect. No. 45, K. No. 25/2 East (3-00) in Village Bijwasan.

R. B. L. AGGARWAL

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 20-4-81

Seal :

## FORM ITNS

(1) Sh. Dharam Pal s/o Sh. Dhuli Chand r/o Village Bijwasan.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Khazani w/o Shri Dharam Pal r/o village Bijwasan. (Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I,  
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATTE New Delhi-110002

New Delhi-110002, the 20th April 1981

Ref. No. IAC/Acq. I/SR/III/8-80/1075—Whereas I, R. B. L. Aggarwal, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agr. land situated at Village Bijwasan, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi, on August 1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Agr. lands measuring 9 bigahas and 12 biswas being one-half share of lands comprised in Rect. No. 21, K. No. 2 (4-16), 3(4-09), 8(4-16), 9(4-16) and 26(0-07) in Vill, Bijwasan.

R. B. L. AGGARWAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 20-4-81

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

## FORM ITNS

(1) Sh. Dharam Pal S/o Sh. Dhuli Chand r/o Village Bijwasan.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Suraj Construction &amp; Estate (P) Ltd., 115 Ansai Bhawan, 16 K.G. Marg, New Delhi.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I  
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE NEW Delhi-110002

New Delhi, the 20th April 1981

Ref. No. IAC/Acq. I /SR-III/8-80/1074—Whereas  
R. B. L. AGGARWAL  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agr. land situated at Village Bijwasan (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Delhi on August 1980, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Agr. lands measuring 4 bighas and 9 biswas being one-half share comprised in Rect. 44 K. No. 21(408), 22/1 min (1-10) Rect. No., 45, K. No. 25/2 East (3-00) in Village Bijwasan.

R. B. L. AGGARWAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 20-4-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM IIMS

(1) Sh. Ghazi Ram, s/o Sh. Dhuli Chand,  
r/o Village Bijwasan.

(Transferor)

(2) Smt. Chandre, w/o Sh. Ghazi Ram,  
r/o Village, Bijwasan.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi-110002, the 20th April, 1981

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/8-80/1073:—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agr. land situated at Village Bijwasan.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Agr. lands measuring 9 bighas and 12 biswas being one-half share of lands comprised in: Rect. No. 21, K. No. 2 (4—16), 3(4—09), 8(4—16), 9(4—16) and 26(0—07) in Village Bijwasan.

R. B. L. AGGARWAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 20-4-1981.

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi-110002, the 20th April, 1981

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/8-80/1111:—Whereas, I, R.B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agr. land situated at Village Bijwasan (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Delhi, on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of:—

(1) Sh. Phop Singh s/o L. Sh. Jutar and Sh. Zile Singh (Mjuor), through his mother and natural guardian, Smt. Vidyawati d/o L. Sh. Jutar, r/o Village Kapashera.

(Transferor)

(2) M/s. Suraj Construction & Estates (P) Ltd., 115, Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Agr. lands admeasuring one-third share in 14 bighas and 16 biswas comprised in Rect. 47, K. No. 23(4—16), Rect. 76, K. Nos. 23(1—09), 24(4—16) and 25(3—15) in Village Bijwasan.

R. B. L. AGGARWAL,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date : 20-4-1981.

Seal :

## FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi-110002, the 20th April 1981

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/8-80/4023:—Whereas, I, R.B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agr. land situated at Village Naib Sarai, Tehsil Mehrauli, New Delhi, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on August, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) Sh. Roop Lal s/o Sh. Bansri Ram,  
r/o Village Naib Sarai,  
Tehsil Mehrauli, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Indra Puri W/o Shri Rajinder Mohan Puri,  
r/o A-1, Geetanjali,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

1/16th share in Agr. land area 18 bighas and 19 biswas, K. Nos. 551(4—16), 582 (4—0), 269(4—11), 554/2 (0—14), 555/2 (2—6), 556 (0—2), 579/2(2—8), situated in village Naib Sarai, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,  
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,  
Acquisition Range-I, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 20-4-1981.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 20th April 1981

Ref. No. IAC/Acq. I/R-III/8-80/996:—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 23,000/- and bearing No. Agr. land situated at Vill. Naib Sarai, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on August, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) Shri Jagdev Singh s/o Pirbhu,  
r/o Village Naib Sarai,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Madan Gopal s/o Sh. Malawa Ram,  
r/o C-14, Green Park,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

1/8th share in agr. land area 19 bighas K. No. 580 (4—16), 552(4—16), 553(4—16), 273(2—18), 554/3(1—14) situated in village Naib Sarai, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,  
Acq. Range-I, New Delhi.

Date: 20-4-1981.

Seal: \_\_\_\_\_

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

(1) Shri Jagdev Singh s/o Pirbhau,  
r/o Village Naib Sarai,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Rajinder Mohan Puri s/o Sh. C. L. Puri,  
r/o A-1, Geetanjali,  
New Delhi.

(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA**  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 20th April, 1981

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-II/8-80/995:—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agr. land situated at Vill. Naib Sarai, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

1/8th share in agr. land area 19 bighas K. No. 592(4—16), 272(4—16), 550(5—9), 539(3—14), 270(0—5) situated in village Naib Sarai, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acq. Range-I, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
17—76G1/81

Date : 20-4-1981.

Seal :

## FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Jagdev Singh s/o Pirbhu,  
r/o Village Naib Sarai,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Om Prakash s/o Sh. Malawa Ram,  
r/o C-14, Green Park,

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 20th April 1981

Ref. No. IAC/Acq. I/ R-III/8-80/994:- Whereas I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agr. land situated at Vill. Naib Sarai, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

1/8th share in agr. land area 18 bighas and 16 biswas K. No 573(4—16), 574(4—16), 577(4—16), 591/1(2—8), 268(2—0) situated in village Naib Sarai, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,  
Acq. Range-I, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 20-4-1981.  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Sh. Jagdev Singh s/o Pirbhu,  
r/o Village Naib Sarai,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Indra Puri w/o Sh. Rajinder Mohan Puri,  
r/o A-1, Geetanjali,  
New Delhi.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-, NEW DELHI

New Delhi, the 20th April, 1981

Ref. No. IAC/Acq.-I/SR-III/8-80/993:—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agr. land situated at Vill. Sarai, Tehsil Mehrauli, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

1/8th share in agr. land area 18 bighas and 19 biswas, K. No. 551(4—18), 582(4—0), 269(4—11), 554/2(0—14), 55/2(2—2), 556(0—2), 579/2(2—8), situated in Village Naib Sarai, Tehsi Mehrauli, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range I, New Delhi.

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 20-4-1981.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sh. Khem Chand s/o Sh Pirbhu  
r/o Village Naib Sarai,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Rajinder Mohan Puri s/o Sh C. L Puri,  
r/o A-1 Geetanjali,  
New Delhi.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 20th April, 1981

Ref. No. IAC/Acq.-I/SR-III/8-80/991:—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding **Rs. 25,000/-** and bearing

No. Agr. land situated at Village Naib Sarai, Tehsil, Mehrauli, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

1/8th share in agr. land area 19 bighas-K No. 592(4—16), 272(4—16), 550(5—9), 539(3—14), 270(0—5), situated in Village Naib Sarai, Tehsil Mehrauli New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,  
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date : 20-4-1981.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 20th April 1981

Ref. No. 1AC/Acq-I/SR-III/8-80/1010:—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agrl. land situated a Village Bijwasan.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) M/s. Chanak Bhatta Co Vill: Bijwasan, through its proprietor Shri Birkha Ram. (Transferor)

(3) M/s. Suraj Construction and Estates (P) Ltd. 115, Ansal Bhawan, 16 K. G. Marg, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

Agr. lands measuring 7 bighas being, one-half share of land comprised in K. No. 178(14—00) in Village Bijwasan.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought of be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. B. L. AGGARWAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax  
Acquisition Range I, New Delhi

Now, therefore in pursuance of Section 268C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date: 20.4.1981.  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 20th April 1981

Ref. No. IAC/Acq-1/SR-III/8-80/990—Whereas I, R.B. L. AGGARWAL,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agr. land situated at Village Naib Sarai, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesceeds the apparent consideration therefor by more than than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shr Khem Chand s/o Birbhu  
r/o Village Naib Sarai  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Om Parkash s/o Sh Malwa Ram,  
r/o C-14 Green Park,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

1/8th share agr. land area 18 bighas and 16 biswas K. No. 573 (4—16), 574(4—16), 577(4—16), 591/1(2—8), 268(2—0), situated in Village Naib Sarai New Delhi

R. B. L. AGGARWAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,  
Acquisition Range-I, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 20-4-1981

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961(43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 20th April 1981

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/8-80/989—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing,

No. Agri. land situated at Village Naib Sarai, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

(and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shri Khem Chand s/o Pirbhu r/o Village Naib Sarai New Delhi.

(2) Smt. Indra Puri w/o Sh. Rajinder Mohan Puri r/o A-1, Geetanjali New Delhi.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

1/8th share in agr. land area 18 bighas and 19 biswas K. No. 551(4—18), 582(4—0), 269(4—11), 554/2(0—14), 555/2(2—6), 556(0—2), 579/2(2—8), situated in Village Naib Sarai, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

R. B L. AGGARWAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax  
Acquisition Range-I, New Delhi

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 20-4-1981.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Khem Chand s/o Pirbhu  
r/o Village Naib Sarai,  
New Delhi.  
(Transferee)

(2) Shri Madan Gopal s/o Malawa Rama  
r/o C-14 Green Park  
New Delhi.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 20th April 1981

Ref. No. JAC/Acq.-I/SR-III/8-80/988—Whereas, I, R.B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1963 (43 of 1961) hereinafter referred to as the ('said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agr. land situated at Village Naib Sarai New Delhi. (and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

1/8th share in agr. land area 580(4—16), 552(4—16), 553(4—16), 273(2—18), 554/3(1—14), situated in Village Naib Sarai, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,  
Acquisition Range-1, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-

Date : 20-4-1981

Seal :

## FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 20th April 1981

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-JII/8-80/986:—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agr. land situated at Vill. Naib Sarai, Tehsil Mehrauli, New Delhi.  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

8—7531/81

(1) Shri Tara Chand s/o Molarh,  
r/o Village Naib Sarai  
New Delhi.

(2) Sh Rajinder Mohan Puri s/o Sh. C. L. Puri  
r/o A-1, Geetanjali,  
New Delhi.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/8th share in agr. land area 19 bighas K. No. 592(4—16), 272(4—16), 550(5—9), 539(3—14) 270(0—5) situated in Village Naib Sarai Tehsil Mehrauli, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,  
Acquisition Range-I, New Delhi,

Date : 20-4-1981.

Seal :

**FORM ITNS**  
**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 20th April 1981

Ref. No. IAC/Acq.-I/SR-III/8-80/985:—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- Agr. land situated at Vill. Naib Sarai, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on August 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Tara Chand s/o Molhar,  
r/o Village Naib Sarai  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Madan Gopal s/o Malawa Ram  
r/o C-14, Green Park,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

1/8th share in agr. land area 19 bighas K. No. 580(4—16), 552(4—16), 553(4—16), 273(2—18), 554/3(1—14), situated in Village Naib Sarai, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,  
Acquisition Range-I, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section namely :—

Date : 20-4-1981.  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(1) Sh. Tara Chand s/o Sh. Molarh,  
r/o Village Naib Sarai,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Indra Puri W/o Rajinder Mohan Puri,  
r/o A-1, Geetanjali,  
New Delhi.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 20th April, 1981

Ref. No. IAC/Acq.-I/SR-III/8-80/984:—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agr. land situated at Village Naib Sarai, Tehsil, Mehrauli, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at New Delhi on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

1/8th share in agr. land area 18 bighas and 19 biswas K. No. 551(4—18), 582(4—0), 269(4—11), 554(2(0—14), 555/2(2—6), 556(0—2), 579/2(2—8), situated in Village Naib Sarai, Tehsil, Mehrauli, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,  
Competent Authority,  
(Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax)  
Acquisition Range I, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 20-4-1981.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 20th April, 1981

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/8-80/4097:—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 23,000/- and bearing Agr. land situated at Village Naib Sarai, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) Shri. Roop Lal s/o Bansi Ram,  
r/o Village Naib Sarai,  
Tehsil Mehrauli, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Madan Gopal s/o Sh. Nalawa Ram,  
r/o C-14, Green Park,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

1/16th share in agr. land area 19 bighas, K. No. 580(4—16), 552(4—16), 553(4—16), 273(2—18), 554/3(1—14), situated in Village Naib Sarai, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. B. L. AGGARWAL,  
Competent Authority,  
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-I, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 20-4-1981.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 20th April 1981

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/8-80/4096.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agr. land situated at Village Naib Sarai, Tehsil, Mehrauli, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Ashrifi Wd/o Gokal, Hoshiar Singh s/o Gokal, Smt. Shanti, Smt. Savitri, Smt. Bhagwati, Smt. Jassi, D/o Gokal, r/o Village Naib Sarai, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Madan Gopal s/o Sh. Malwa Ram, r/o C-14, Green Park, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

1/16th share in agr. land area 19 bighas K. No. 580(4—16), 552(4—16), 553(4—16), 273(2—18), 554/3(1—14), situated in Village Naib Sarai, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 20-4-1981

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 20th April 1981

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/8-80/4029.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agr. land situated at Village Naib Sarai, Tehsil Mehrauli, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on August, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) Smt. Ashraf Wd/o Gokal, Hoshiar Singh s/o Gokal, Smt. Shanti, Smt. Savitri, Smt. Bhagwati, Smt. Jassi D/o Sh. Gokal, r/o Village Naib Sarai, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Indra Puri W/o Sh. Rajinder Mohan Puri, r/o A-I, Geetanjali, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

1/16th share in agr. land area 18 bighas and 19 biswas, K. No. 551(4—18), 582(4—0), 269(4—11), 554/2(0—14), 555/2 (2—6), 556(0—2), 579/2(2—8), situated in Village Naib Sarai, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range I, New Delhi

Date : 20-4-1981.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

## FORM NO. I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 20th April 1981

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/8-80/4018:—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agr. land situated at Village Naib Sarai, Tehsil Mehrauli, New Delhi.  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

New Delhi on August, 1980  
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Ashraf Wd/o Gokal, Hoshiar Singh s/o Gokal, Smt. Shanti, Smt. Savitri, Smt. Bhagwati, Jassi, D/o Gokal of Vill. Naib Sarai, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Rajinder Mohan Puri, s/o C. L. Puri, r/o A-1, Geetanjali, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any Money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

1/16th share in agr. land area 19 bighas K. No. 592(4—16), 272(4—16), 550(5—9), 539(3—14), 270(0—5), Village Naib Sarai, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,  
Competent Authority,  
(Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax),  
Acquisition Range-I, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 20-4-1981.  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 20th April 1981

Ref. No. IAC/Acq.-I/SR-III/8-80/4027:—Whreas I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agr. land situated at Village Naib Sarai, Tehsil Mehrauli, New Delhi.  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent considerations therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Asharfi Wd/o Gokal, Hoshiar Singh s/o Gokal, Smt. Shanti, Smt. Savitri, Smt. Bhagwati, Smt. Jassi, D/o Gokal, r/o Village Naib Sarai, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Om Parkash s/o Sh. Malawa Ram, r/o C-14, Green Park, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

1/16th share in agr. land area 18 bighas and 16 biswas K. No. 573(4—16), 574(4—16), 577(4—16), 591(1(2—8), 268 (2—0), situated in Village Naib Sarai, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,  
Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 20-4-1981.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM LT.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 20th April, 1981

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/8-80/4024:—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agr. land situated at Village Naib Sarai, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sh. Roop Lal s/o Shri Bansi Ram  
r/o Village Naib Sarai,  
New Delhi. (Transferor)

(2) Shri Om Parkash s/o Shri Malwa Ram,  
r/o C-14, Green Park,  
New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agr. Land 1/16th share in 18 bighas and 16 biswas, K. Nos. 573(4—16), 574(4—16), 577(4—16), 591/1(2—8), 268 (2—0), situated in Village Naib Sarai, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

19—76GI-81

R. B. L. AGGARWAL,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,  
Acquisition Range I, New Delhi.

Date : 20-4-1981.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Shamay Singh s/o Sh. Net Ram  
r/o Village Kapashera.  
(Transferor)

(2) M/s. Suraj Construction & Estates (P) Ltd.,  
115, Ausal Bhawan,  
16 K. G. Marg, New Delhi.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 20th April, 1981

Ref. No. IAC/Acq. I/ISR-III/8-80/1110:—Whereas I, R.B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agr. land situated at Village Bijawasan.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Agr. lands admeasuring one-third share in 14 bighas and 16 biswas, comprised in Rect. No. 47, K. No. 23(4—16), Rect. 76 K. Nos. 23(1—09), No. 24(4—16), and 25(3—15) in Village Bijawasan.

R. B. L. AGGARWAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax,  
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date : 20-4-1981,

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

## FORM ITNS

(1) Sh. Kirori Mal s/o Sh. Net Ram,  
r/o Village Kapashera.

(Transferor)

(2) M/s Suraj Construction & Estates (P) Ltd.,  
115 Ausal Bhawan, 16 K. G. Marg,  
New Delhi.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 20th April, 1981

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/8-80/1109:—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agr. land situated at Village Bijwasan (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee, for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Agr. lands measuring one-third share in 14 bighas and 16 biswas comprised in Rectangle No. 47, K. No. 23(4—16), Rect. 76 K. Nos. 23(1—09), No. 24(4—16) and No. 25 (3—15), in Village Bijwasan.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

R. B. L. AGGARWAL,  
Competent Authority,

Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax,  
Acquisition Range I, New Delhi.

Date : 20-4-1981.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 20th April, 1981

Ref. No. IAC/Acq. J/SR-III/8-80/933:—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agr. land situated at Village Satbari.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the objects of :—

(1) Sh. Ismail s/o Sh. Mawza,  
r/o Village Chandan Hula,  
Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Ansal Housing & Estates (P) Ltd.,  
115, Ansal Bhawan, 16 K. G. Marg,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Agr. lands measuring 4 bighas and 16 biswas comprised in K. No. 876(4--16), situated in Village Satbari.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

R. B. L. AGGARWAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax,  
Acq. Range-I, New Delhi.  
Date : 20-4-1981.  
Sl. no.

## FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX  
ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 20th April 1981

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/8-80/932:—Wheras I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agrl. land situated at Vill. Satbari.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) Sh. Ismail s/o Sh. Mawza,  
r/o Village Chandau Hula,  
Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Ansal Housing & Estates (P) Ltd.,  
115 Ansal Bhawan, K. G. Marg,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Agr. lands measuring 3 bighas and 4 Biswas comprised in K. No. 878 1(3—04) situated in Village Satbari.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

R. B. L. AGGARWAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range I, New Delhi.

Date : 20-4-1981.

: 20

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sh. Ismail s/o Sh. Mawza,  
r/o Village Chandan Hula.

(Transferor)

(2) Smt. Atho w/o Sh. Ismail,  
r/o Village Chandan Hula.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, H-Block Vikas Bhavan,  
I. P. Estate NEW DELHI

New Delhi, the 20th April 1981

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/8-80/931:—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agr. land situated at Village Godaipur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agr. land measuring 5 bighas and 1 Biswa being one-third share comprised in K. No. 752/1(2—00), 755(3—06), 756(4—16), and 757(5—01) in Village Godaipur.

R. B. L. AGGARWAL,  
Competent Authority.

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date : 20-4-1981

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (63 OF 1961)

(1) M. Chanak Bhatta Co.,  
Vill. : Bijwasan through its Proprietor,  
Sh. Birkha Ram.  
(Transferee)

(2) M/s. Suran Const. & Estates (P) Ltd.,  
115 Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg,  
New Delhi.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 20th April 1981

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/8-80/1009—Whereas I, R.B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (63 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Ag. land situated at Village Bijwasan,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Agri. Land measuring 7 bighas being one-half share of land comprised in K. No. 178 (14—00) in Village Bijwasan.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

R. B. L. AGGARWAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-I, New Delhi,  
Date : 20-4-1981.  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 20th April 1981

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/8-80/1008:—Whereas I, R.B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agr. land situated at Village Bijwasan, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Delhi on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) M/s. Chanak Bhatta Co.  
Vill : Bijwasan, through its Proprietor  
Sh. Birkha Ram. (Transferor)

(2) M/s. Suraj Construction and Estates (P) Ltd.,  
115, Ansal Bhawan, 16 K. G. Marg,  
New Delhi.

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee by the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Agr. land measuring 10 bighas and one Biswa comprised in K. No. 174 min (10—01) in Village Bijwasan.

R. B. L. AGGARWAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of (Income Tax),  
Acquisition Range-I, New Delhi,

Date : 20-4-1981.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER, OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 20th April 1981

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/8-80/1000:—Whereas I, R.B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agr. land situated at Vill. Naib Sarai, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) Shri Jiya Ram s/o Sh. Molhar,  
r/o Village Naib Sarai,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Madan Gopal s/o Sh. Malawa Ram,  
r/o C-14, Green Park,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

1/8th share in agr. land area 19 bighas K. No. 580(4—16), 552(4—16), 553(4—16), 273(2—18), 554/3(1—14) situated in village Naib Sarai, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

20—76GI/81

R. B. L. AGGARWAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of (Income-Tax),  
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date : 20-4-1981.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 20th April 1981

Ref. No. IAC/Acq.-I/SR-III/8-80/1037:—Whereas I, R.B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agr. land situated at Village Satbari.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Prem Nath s/o Sh. Hans Raj, r/o A-69, NDSE. II, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Ansal Housing & Estates (P) Ltd., 115 Ansal Bhawan, 16, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agr. land measuring 6 bighas and 12 biswas comprised in K. Nos. 534 min(1—16) and 537(4—16) in Village Satbari.

R. B. L. AGGARWAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax,  
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date : 20-4-1981.

ec:1:

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 20th April, 1981

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/8-80/998:—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agr. land situated at Vill. Naib Sarai, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on August, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) Shri Jiya Ram s/o Molarh,  
r/o Village Naib Sarai,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Om Parkash s/o Sh. Malawa Ram,  
r/o C-14, Green Park,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(b) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

1/8th share in agr. land area 18 bighas and 16 biswas K. No. 573(4—16), 574(4—16), 577(4—16), 591/1(2—8) 268 (2—0), Village Naib Sarai, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,  
Competent Authority,  
(Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax),  
Acq. Range-I, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269O of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 20-4-1981,  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Jiya Ram s/o Sh. Molarh.,  
r/o Village Naib Sarai,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Rajinder Mohan Puri s/o Sh. C. L. Puri,  
r/o A-1, Geetanjali,  
New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX

## ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 20th April 1981

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/8-80/999:—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agr. land situated at Vill. Naib Sarai, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

at Delhi on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

1/8th share in agr. land area 19 bighas K. No. 592(4—16), 272(4—16), 550(5—9), 539(3—14), 270(0—5) situated in village Naib Sarai, New Delhi.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

R. B. L. AGGARWAL,  
Competent Authority,  
(Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax),  
Acquisition Range-I, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 20-4-1981.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Mr. Rawel Chand.

(Transferor)

(2) Shri Kalu Ram Kaushik.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI-I

New Delhi, the 20th April, 1981

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/8-80/1007 :—Whereas I, R.B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

L-24 situated at Kalkaji, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Plot No. L-24, Kalkaji, New Delhi measuring 200 sq. yards.

R. B. L. AGGARWAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range -I, New Delhi.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 20-4-1981.  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 20th April 1981

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/8-80/997:—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agr. land situated at Vill. Naib Sarai, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Sh. Jiya Ram s/o Sh. Molarh,  
r/o Village Naib Sarai,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Indra Puri w/o Rajinder Mohan Puri,  
r/o A-1, Geetanjali,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

1/8th share in agr. land area 18 bighas and 19 biswas K. No. 551(4—18), 582(4—0), 269(4—11), 554/2 (0—14), 555/2(2—6), 556(0—2), 579/2(2—8), situated in village Naib Sarai, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,  
Competent Authority,  
(Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,)  
Acq. Range-I, New Delhi.

Date : 20-4-1981.

Seal :

Now, therefore, In pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

## ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 20th April 1981

Ref. No. IAC/Acq. I/ R-III/8-80/4198:—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agr. land situated at Village Neb Sarai, New Delhi, (and more fully, described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi on August, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Sohan Singh s/o Sh. Subedar Khubi Ram, r/o Village Neb Sarai, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Sushil Ansai s/o Sh. Chiranji Lal, r/o N-148, Panch Sheela Park, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agr. land area 4 bighas and 16 biswas K. No. 598, Village Neb Sarai, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,  
Competent Authority,  
(Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,  
Acq. Range-I, New Delhi.

: 20-4-1981.

## FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Sohan Singh s/o Subedar Khubi Ram, r/o Village Neb Sarai, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Sushil Ansai s/o Sh. Chiranji Lal, r/o N-148, Panchsheel Park, New Delhi.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER, OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 20th April 1981

Ref. No. IAC/Acq. 1/SR-III/8-80/4199:—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agr. land situated at Village Neb Sarai, New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi, on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

## THE SCHEDULE

Agr. land area 4 binghas and 16 biswas K. No. 586, Village Neb Sarai, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,  
Competent Authority,  
(Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax),  
Acq. Range-I, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 20-4-1981.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 20th April 1981

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/8-80/4199:—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agr. land situated at Village Neb Sarai, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) Shri Sohan Singh s/o Subedar Khubi Ram, r/o Village Neb Sarai, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Sushil Ansai s/o Sh. Chirangi Lal, r/o N-148, Panch Sheel Park, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

Agr. land area 4 bighas and 13 biswas K. No. 585(2—13), 685/2(2—0) situated in Village Neb Sarai, New Delhi.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. B. L. AGGARWAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax,  
Acq. Range-I, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—  
21—76GI/81

Date: 20-4-1981,

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi 110002, the 20th April 1981

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/8-80/4196:—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agr. land situated at Village Neb Sarai, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shri Sohan Singh s/o Subedar Khubi Ram, r/o Village Neb Sarai, Tehsil Mohrauli, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Sushil Ansal r/o Chiranji Lal, r/o N-148, Panchsheel Park, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person, interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

Agr. land area 4 bighas and 10 biswas K. No. 694/2(1—0) 240/3(1—16), 523/1(1—14), Village Neb Sarai, New Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. B. L. AGGARWAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax,  
Acq. Range-I, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 20-4-1981.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 20th April, 1981

Ref. No. IAC/Acq. I/SL/8.80/4195:—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agr. land situated at Village Neb Sarai, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on August, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sh. Sohan Singh s/o Subedar Khubi Ram, r/o Village Neb Sarai, Tehsil Mebrauli, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Sushil Arsal s/o Chiranjit Lal, r/o N-148, Panchsheel Park, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## SCHEDULE

Agr. land area 4 bighas and 16 biswas K. No. 686, Village Neb Sarai, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL  
Competent Authority  
Inspecting Asst. Commissioner of Income-Tax  
Acq. Range-I, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 20-4-1981.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 20th April, 1981

Ref. No. IAC/Acq. I/ R-III/8-80/4197:—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agr. land situated at Village Neb Sarai, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Sohan Singh s/o Subedar Khubl Ram, r/o Village Neb Sarai, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

(2) Sh. Sushil Ansal s/o Sh. Chiranji Lal, r/o N-148, Panchsheel Park, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Agr. land area 5 bighas and 9 biswas K. No. 636/1(2—19), 636/3(1—10), situated in Village Neb Sarai, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax  
Acquisition Range-I, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 20-4-1981.  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 20th April 1981

Ref. No. IAC/Acq. I/ R-III/8-80/4189—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agr. land situated at Village Neb Sarai, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on August, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) Shri Sohan Singh s/o Subedar Khubi Ram, r/o Village Neb Sarai, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Sushil Ansai s/o Sh. Chiranji Lal, r/o N-148, Panch Sheel Park, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

## THE SCHEDULE

Agr. land area 1 bigha and 11 biswas, K. No. 687, Village Neb Sarai, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,  
Competent Authority,  
(Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax),  
Acquisition Range-I, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (4) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date : 20-4-1981.  
Seal :

## FORM ITNB

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 20th April 1981

Ref. No. IAC/Acq./I/SR-III-8/80/4190:—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agr. land situated at Village Neb Sarai, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on August, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) Shri Sohan Singh s/o Subedar Khubi Ram, r/o Village Neb Sarai, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Sushil Ansal s/o Sh. Chiranjit Lal, r/o N-148, Panch Sheel Park, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Agr. land area 3 bighas and 18 biswas, K. No. 597/1, Village Neb Sarai, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,  
Acq. Range-I, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 20-4-1981.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX  
ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 28th April, 1981

Ref. No. IAC/Acq. I/ R-III/8-80/1038:—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agr. land situated at Vill. Kapashera, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi, on August, 1980

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Shankar s/o Jharia, Jag Ram, Ram Chander alias Hardev, Harphool, Mool Chand, Ram Kishan, Jitu Mohan, Lal sons of Sukhdev, See Nath, Sultan sons of Umrao, Laiq Ram, Ram Dhan Ram Niwas sons of Rampat, Chandgi Ram, Udai Ram sons of Amrit Hukmi s/o Khusia, all residents of Vill. Kapashera Tehsil, Mehrauli, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Poddar Construction Co. (P) Ltd., F-3, Kailash Colony, New Delhi, through O. P. Poddar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agr. land area 6 bighas and 5 biswas K. No. 693(4—16), 765/2(1—10), Village Kapashera, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,  
Competent Authority,  
(Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax),  
Acq. Range-I, New Delhi.

Date : 28.4.1981.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 28th April, 1981

Ref. No. IAC/Acq. I/ R-III/8-80/1039:—Whereas I, R.B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agr. land situated at Vill. Kapashera, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Delhi on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Shankar s/o Jharia, Jag | Ram, Ram Chander alias Jhutthar sons of Yad Ram, Ram Narain s/o Hardev, Harphool, Mool Chand, Ram Kishan Jittu, Mohan Lal sons of Sukhdev, Seo Nath, Sultan sons of Umrao, Laiq Ram, Ram Dass sons of Ram Gopal Manohar, Lala, Ram Dhan, Ram Niwas sons of Rampat, Chandgi Ram, Udal Ram sons of Amrit, Hukmi s/o Khusia all residents of Village Kapashera, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Poddar Construction Co. (P). Ltd., F-3, Kailash, Colony, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XVA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agr. land area 9 bighas and 5 bighas K. No. 694(4—16), 772(4—9), situated in village Kapashera, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax,  
Acq. Range-I, New Delhi.

Date : 28-4-1981.

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 28th April, 1981

Ref. No. IAC/Acq. I/ R-III/8-80/1042:—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agr. land situated at Vill. Kapashera, Tehsil, Mehrauli, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on August, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

(1) Shri Ram Gopal, Ram Nand sons of Hardev and Ram Narain s/o Lal Singh, r/o Village Kapashera, Tehsil Mehrauli, New Delhi. (Transferor)

(2) M/s. Poddar Construction Co. (P) Ltd., F-3, Kailash Colony, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

22—76GI/81

## THE SCHEDULE

Agr. land area 6 bighas and 16 biswas K. No. 854/1(2—0), 857(4—16), situated in Village Kapashera, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax,  
Acq. Range-I, New Delhi.

Date : 28-4-1981,

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 28th April, 1981

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/8-80/1096:—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agr. land situated at Vill. Kapashera, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Delhi on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Sh. Hukmi, s/o Khusia, r/o Village Kapashera, New Delhi.

(2) M/s. Poddar Construction Co. (P) Ltd., F-3, Kailash Colony, New Delhi.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Agr. land area 9 bighas and 12 biswas K. Nos. 865(4-16), 865(4-16), Village Kapashera, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax,  
Acq. Range-I, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 28-4-1981.  
ac: S[

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 28th April, 1981

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/8-80/1093:—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agr. land situated at Vill. Kapashera, Tousil Mehrauli, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) Sh. Hukmi s/o Khusia,  
r/o Village Kapashera, Tehsil Mehrauli,  
New Delhi.  
(Transferor)

(2) M/s. Poddar Construction Co. (P) Ltd.,  
F-3, Kailash Colony,  
New Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

## THE SCHEDULE

Agr. land area 5 bighas and 8 biswas K. No. 868/1(0—12) 873(4—16), Village Kapashera, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax,  
Acq. Range-I, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—  
23—56GI/81

Date : 28-4-1981  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 28th April, 1981

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/8-80/1002:—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agr. land situated at Vill. Kapashera, Tehsil Merauli, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Sheonath, Ami Lal sons of Sis Ram, Udey Ram Narain Singh, Brahm Singh, Hem Chand sons of Nain Sukh, Santosh Singh, Raj Singh, sons of Singh Ram r/o Village Kapashera, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Ratna Apartments (P) Ltd., 6/7, Shanti Niketan, New Delhi.

(Transfer/ee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in this Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agr. land area 5 bighas and 17 bighas, K. Nos. 760/1 (3-18), 761/2 (1-11), 791/1 (0-1), 383/2/1 (0-7), Village Kapashera, Tehsil Mehrauli, New Delhi (11/12th share).

R. B. L. AGGARWAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax,  
Acq. Range-I, New Delhi.

Date : 28-4-1981.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER, OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 28th April, 1981

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-II/8-80/1100:—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agr. land situated at Village Kapashera, Tehsil Mehrauli New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on August, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Hari Singh, Durga Parshad, Mangal Singh, Sohan Lal, Nawal Singh, Parkash Singh, Ishwar Singh, Jaipal Singh, Mohar Singh Dharampal, Sispal, Amar Singh Ram Chander of Vill. Kapashera, Tehsil, Mehrauli, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Ratna Apartments (P) Ltd. 6/7, Shanti Niketan, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agr. land area 5 bighas and 16 biswas K. Nos. 875 & 876/1, Village Kapashera, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax,  
Acq. Range-I, New Delhi.

Date : 28-4-1981.  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 28th April, 1981

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/8-80/1094:—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agr. land situated at Vill. Kapashera, Thesil Mehrauli, New Delhi,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) Shri Hukmi s/o Khusla,  
r/o Village Kapashera,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Poddar Construction Co. (P), Ltd.,  
F-3, Kailash Colony,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Agr. land area 7 bighas and 14 biswas K. Nos. 578(4—10), 867/1(3—4), Village Kapashera, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Ass'tt. Commissioner of Income Tax,  
Acq. Range-I, New Delhi.

Date : 28-4-1981,  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, H-BLOCK, VIKAS BHAVAN,  
I. P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 28th April 1981

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/8-80/1103:—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agr. land situated at Village Kapashera, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Chandgi Ram, Udai Ram, sons of Amrit, Liq. Ram, Ram Dass, sons of Ram Gopal, Manohar Lala Ram, Ram Dhan, Ram Niwas, sons of Rampat Sconath, Sultan, sons of Umrao, r/o Village Kapashera New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Sagar Construction Co. Pvt. Ltd., F-3, Kailash Colony, New Delhi, through G. D. Poddar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agr. land area 76 bighas and 12 biswas, K. No. 584 (5—12), 692 min (1—0), situated in Village Kapashera, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,  
Acq. Range-I, New Delhi.

Date : 28-4-1981

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, H-BLOCK BAAVAN  
I. P. ESTATE, HLWEENID

New Delhi, the 28th April 1981

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/8-80/1101:—Whereas I, R. B. L AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agr. land situated at Vill. Kapashera, Tehsil Mehrauli, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) Shri Chandgi Ram, Uday Ram sons of Amit, Laiw Ram, Ram Dass sons of Ram Gopal, Manohar, Lala Ram, Ram Dhan, Ram Niwas sons of Rampat, Seonath, Sultan, sons of Umrao r/o Village Kapashera, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Sagar Construction Co. Pvt. Ltd. F-3, Kailash Colony, New Delhi, through G. D. Poddar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Agr. land area 7 bighas and 12 biswas, K. No. 579/1, situated in Village Kapashera, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,  
Acq. Range-I, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 28-4-1981.

a/1 :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi-110002, the 28th April 1981

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-II-8-80/1102 :—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agr. land situated at Vill. Kapashera, Tehsil Mehrauli, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

23—76GI/81

(1) Shri Chandgi Ram, Udai Ram, sons of Amrit, Liji Ram, Ram Dass, sons of Ram Gopal, Mahindhar Lala Ram, Ram Dhan, Ram Niwas, sons of Rampat, Seonath, Sultan sons of Umrao r/o Village Kapashera, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Sagar Construction Co. Pvt. Ltd., F-3, Kailash Colony, New Delhi, through G. D. Poddar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agr. land area 7 bighas and 17 biswas K. Nos. 863/2 (0—19), 869/1 (1—18), 872/1 (3—7), 867/2 (1—12), situated in Village Kapashera, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,  
Acq. Range-I, New Delhi.

Date : 28-4-1981

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 20th April 1981

Ref. No. IAC/Acq. /BPL/80:—Whereas, I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land Halka No. 14 situated at Piplya Road, Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore, on 11-8-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Girdharilal S/o Sitaram,  
Village : Piplya Rao,  
Indore.

(Transferor)

(2) Dr. Karunakar (2) Kukudranjan (3) Kirtikumar, (4) Anil Trivedi, (5) Arvind Trivedi (6) Anirulha (7) Smt. Kalawani W/o K. K. Trivedi (8) Dr. Mrs. Madrula W/o Dr. Karnakar, (9) Prashant, R/o R/o 22, Sajan Nagar, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land Halka No. 14 situated at Village : Piplya Rao, Indore.

VIJAY MATHUR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Bhopal,

Date : 20-4-1981.  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

## ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 21st April 1981

Ref. No. IAC/Acq/BPL/80:—Whereas, I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land situated at Hanumanganj, Ratlam (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ratlam on 22-8-80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) Shri Rambhawan S/o Punaji Kumar, (2) Nathuram S/o Punaji Kumar, R/o Tamboli Bagh, Ratlam, (Transferor)

(2) Smt. (1) Safia Bai W/o Ali Hussain Bohara, (2) Sakina Bai W/o Ismailji Bohara, Chandani Chowk, Ratlam. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land Rekha 3191.57 Sq. mtr. situated at Hanumanganj, Ratlam.

VIJAY MATHUR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 21-4-1981.  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 21st April, 1981

Ref. No. IAC/Acq./BPL/80:—Whereas, I VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agrl. land situated at Vill : Ahir Khedi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on 8/14-8-80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

1. (1) Shri Ramesh Chand S/o Prabhudas, Katju Colony, Indore,  
(2) Shyamkumar Wadhumaal Sindhi, Prem Nagar, Indore.  
(Transferor)
2. Smt. Muntaz Begum W/o Mohammad Ali, R/o 93, Old Raj Mohalla, Indore.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said Immoveable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Agricultural land Kn. No. 40, situated at Vill : Ahir Khedi Indore.

VIJAY MATHUR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 21-4-1981.

Sd/-

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961(43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 20th April, 1981

Ref. No. IAC/Acq/BPL/80:—Whereas, I VIJAY, MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding, Rs. 25,000/- and bearing

H. No. 1175 to 1177 situated at Madan Mahal, Jabalpur (and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jabalpur on 11-8-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Sri Kiruna Shanker Shukla,  
S/o Vijay Shanker Shukla,  
252, Gunjipura, Jabalpur.

(Transferor)

(2) Shri Premchand Jain S/o Rajaram Jain,  
1175, 1176, Prem Nagar, Madan Mahal Ward,  
Jabalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

House No. 1175, 1176 & 1177 situated behind Prem Nagar Post Office, Madan Mahal Ward, Jabalpur.

VIJAY MATHUR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Bhopal,

Date : 20-4-1981.  
Seal :

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

## FORMS ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
 COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
 ACQUISITION RANGE, BBOPAL  
 Bhopal, the 21st April 1981

Ref. No. IAC/Acq./BPL/80:—Whereas, 1 VIJAY, MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 101 situated at Prakash Nagar, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on August, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) Professor Vidya Sagar Shridhar Rao  
 Sudhama Nagar, Indore

(Transferor)

(2) Shri R. Jethmal Jain,  
 S/o Rekhab Jain,  
 16, Agrawal Nagar,  
 Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Plot No. 101, area 40X65, situated at Prakash Nagar, Indore.

VIJAY MATHUR,  
 Competent Authority,  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
 Acquisition Range, Bhopal.

Date : 21-4-1981.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

## FORM ITNS

(1) Shri Kasharsingh Hirasinh, R/o Kanadjaya, Tch Distt : Indore.

(Transferor)

(2) Shri Mohanlal Pannalal, 1/2, Murai Mohalla, Indore.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 21st April, 1981

Ref. No. JAC/Acq./BPL/80:—Whereas, I VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 13 situated at Udyog Nagar, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on 20-8-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Plot No. 13, at Udyog Nagar, Musakhedi, Deoguradiya Road, Indore.

VIJAY MATHUR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 21-4-1981.

Seal :

## FORM JTNS

(1) Shri Harminder Singh S/o Harnam Singh,  
Khalwa, Khandwa.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Laxmi Bai W/o Ramcharan Modi,  
Khalwa, Teh : Harsood,  
Khandwa.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 21st April 1981

Ref. No. IAC/Acq/BPI/80:—Whereas, I, VIJAY, MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agrl. land situated at Vill : Khalwa, Kandwa (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Khandwa on 25-8-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Village : Khalwa, Khandwa-Kh. No. 24, Rekba—22.09 Acres.

VIJAY MATHUR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Bhopal.,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 21-4-1981.  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 21st April 1981

Ref. No. IAC/Acq./BPL/80:—Whereas, I  
VIJAY MATHUR,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 2 situated at South Tukoganj, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on 27-8-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

24—76GI/81

(1) Shri Manoharlal S/o Shree Udaybhan Kalara, 9, Jawahar Marg, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Vimal chand Jain S/o Amolakchand Jain, 29, M. T. Cloth Market, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 2 (Eastern portion) situated at South Tukoganj, Street No. 1, Indore.

VIJAY MATHUR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 21-4-1981.

Seal :

## FORM LT.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Keshavji Bhai W/o Jayaram Rathore,  
R/o Fafadiyah, Raipur.  
(Transferor)

(2) Shri Shivaji Bhai S/o Jayaram bhal Rathore  
Fafadiyah, Raipur.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 22nd April 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80:—Whereas, I VIJAY, MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing H. No. 4/820 situated at Fafadiyah, Raipur (and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur on 23-8-80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

House No. 4/820, Kh. No. 55/37 & 55/2, Plot Rekba 9000 Sq. ft. situated at Fafadiyah, Raipur.

VIJAY MATHUR,  
Competent Authority,  
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax),  
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 22-4-1981  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 22nd April 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80:—Whereas, I VIJAY, MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Portion of H. No. 11 situated at Tamoli Bakhali, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 22-8-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Bankat Lal S/o Hiralalji,  
47, Neelkantha Colony,  
Indore.

(2) Shri Gopaldas S/o Govindramji,  
6/1, Chippa Bakhali,  
Indore.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Portion of House No. 11 situated at Tamoli Bakhali, Indore.

VIJAY MATHUR,  
Competent Authority,  
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax),  
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 22-4-1981.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Bankatlal S/o Hiralalji,  
47, Neelkanth Colony,  
Indore.

(Transferor)

(2) Shri Shrikanth S/o Gopaldas,  
6/1, Chipa Bhakal, Indore.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 22nd April 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80:—Whereas, I VIJAY, MATHUR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Portion of H. No. 11 situated at Tamoli Bakhal, Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 22-8-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

Portion of House No. 11, situated at Tamoli Bhaka, Indore.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

VIJAY MATHUR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 22-4-1981.

Seal

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 22nd April 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80:—Whereas, I VIJAY, MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Portion of H. No. 11 situated at Tamoli, Bakhal

(and more fully, described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Indore on 22-8-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shri Bantakhal S/o Hiralalji,  
R/o 47, Neelkanth Colony,  
Indore.

(2) Smt. Shakuntala Bai W/o Gopaldas,  
6/1, Chipa Bakhal.,  
Indore.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Portion of House No. 11, situated at Tamoli, Bakhal, Indore.

VIJAY MATHUR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 22-4-1981.

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 22nd April 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80:—Whereas, I VIJAY, MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing H. No. 20/3, situated at Snehalataganj, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 21-8-80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Ramduttaji Sharma S/o Shri Chaturbhuj Sharma, R/o Riwarikheda, Bhiwani.  
(Transferor)

(2) (i) Shri Prabhudayal Amichand,  
(ii) Suraj Bhan Amichand,  
Partners of M/s Prabhudayal Surajbhan, 23/3, Snehalataganj, Indore.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

### THE SCHEDULE

House No. 20/3, situated at Snehalataganj, Indore.

VIJAY MATHUR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 22-4-1981.  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 22nd April 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80:—Whereas, 1 VIJAY, MATHUR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land & Building situated at Maheshwar Road, Burwaha (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Burwaha on 13-8-80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the aforesaid property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Phiroze S/o Shri Byramshaw K. Illawa,  
Prop : Illava Ginning Factory,  
Maheshwar Road, Burwaha.

(Transferor)

(2) (i) Shri Pukhraj S/o Shri Kaluram,  
(ii) Shri Premchand S/o Shri Pukhraj,  
Partners of Vikas Ginning Factory,  
Barwaha,  
Maheshwar Road, Burwaha.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land & Building of Ginning Factory situated at Maheshwar Road, Burwaha.

VIJAY MATHUR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Bhopal,

Date : 22-4-1981.  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 22nd April 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80.—Whereas I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House on Plot No. 19 situated at Kanchanbagh, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 11-8-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) (i) Smt. Laxmi Bai W/o Chandumalji Bobra,  
(ii) Shri Chandrashekhar S/o Chandumalji Bobra,  
25, Kanchanbagh, Indore.  
(Transferor)

(2) Shri (i) Devendrakumar S/o Darayalalji Pahwa,  
(ii) Satishkumar S/o Darayalalji Pahwa,  
R/o 22/4, Ushaganj, Indore.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Half portion of house property on plot No. 19, Kanchanbagh, Indore.

VIJAY MATHUR  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 22-4-1981  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 23rd April 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80.—Whereas I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Part of house situated at Tallaiya, Sironj (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vidisha on 21-8-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Hazi Mohd. Nasir S/o Abdul Rehman, C/o Mazdoor Bidi Company, Chhawani, Bhopal.

(Transferor)

(2) Smt. Premwati Bai W/o Manmohan Garg, R/o Satkhani Mohalla, Sironj, Vidisha.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Part of House situated at Ward No. 5, Tallaiya, Sironj, Vidisha.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

25-76G/81

VIJAY MATHUR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 23-4-1981

Seal :

## FORM ITN8

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Amarnath S/o Lala Gangaram,  
R/o LIG Colony,  
Behind Suhaag Hotel, A.B. Road,  
Indore.

(Transferor)

(2) S/Shri (1) Suganchand, (2) Shikharchand,  
(3) Vinod Kumar, (4) Pramod Kumar,  
(5) Anil Kumar, All S/o Nandanlal Jain,  
Ward No. 5, Ashok Nagar,  
Distt : Guna.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 23rd April 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80.—Whereas I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing H. No. 4 situated at Ashok Nagar, Guna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Guna on 23-8-80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

House No. 4, Ward No. 5, situated at Ashok Nagar, Guna.

VIJAY MATHUR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 23-4-1981

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Hazi Mohd. Nasir S/o Abdul Rahman,  
C/o Mazdoor Bidi Company,  
Chhawani, Bhopal.

(Transferor)

(2) Smt. Omvati Bai W/o Ghanshyam Garg,  
R/o Satkhani Mohalla, Sironj,  
Distt : Vidisha.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 23rd April 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80:—Whereas, I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Part of House situated at Tellaiya, Sironj, Vidisha (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vidisha on 21-8-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Part of a house situated at Ward No. 5, Tellaiya, Sironj, Vidisha.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

VIJAY MATHUR,  
Competent Authority,  
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax),  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 23-4-1981.

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 23rd April 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80—Whereas, I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agri. land situated at Vill : Silpati, Guna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ashok Nagar on 23-8-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Jagram Singh S/o Rajaram Yadav, R/o Vill : Silpati, Ashok Nagar, Guna,

(Transferor)

(2) Shri Maniram S/o Musar Singh Yadav, Vill : Silpati, Ashok Nagar, Guna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Agricultural land admeasuring 3.135 Hectares situated at Village : Silpati, Survey No. 672.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

VIJAY MATHUR,  
Competent Authority,  
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax)  
Acquisition Range, Bhopal  
Date : 23-4-1980  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 23rd April, 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81—Whereas, I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot M. No. 28/115 situated at Dal Bazar, Lashkar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Gwalior on 1-8-80

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Jaswant Singh S/o Kartar Singh,  
R/o Dal Bazar, Lashkar,  
Gwalior.

(Transferor)

(2) Smt. Prabha Devi W/o Omprakash Vaishya,  
R/o Khasgi Bazar, Lashkar,  
Gwalior.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Plot bearing Muni. No. 28/115, (part) situated at Dal Bazar Lashkar, Gwalior.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

VIJAY MATHUR  
Competent Authority,  
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax),  
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 23-4-1981.  
Seal :

## FORM ITN.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

## ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 23rd April, 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80—Whereas, I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at Silpati, Guna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ashok Nagar on 23-8-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shri Gafram Sing S/o Rajaram,  
Vill : Silpati, Ashok Nagar,  
Distt : Guna.

(Transferor)

(2) Shri Maniram S/o Musar Singh Yadav,  
Vill : Silpati, Ashok Nagar,  
Guna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as and defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Agricultural land admeasuring 9.008 Hectare & Survey No. 665 & 731 situated at Village : Silpati, Ashok Nagar, Guna.

VIJAY MATHUR  
Competent Authority,  
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax),  
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 23-4-1981  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 23rd April 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80:—Whereas, I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot Mp. No. 28/115 situated at Dal Bazar, Lashkar, Gwalior. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gwalior, on 1-8-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Jawant Singh S/o Kartar Singh,  
R/o Dal Bazar, Lashkar,  
Gwalior.

(Transferor)

(2) Shri Madan Mohan & Bharat Lal S/o Shri Om Prakash,  
R/o Dal Bazar, Lashkar,  
Gwalior.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Part of Plot Mucl. No. 28/115, situated at Dal Bazar, Lashkar, Gwalior.

VIJAY MATHUR,  
Competent Authority,  
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax)  
Acquisition Range, Bhopal,

Date : 23-4-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

(1) Shri Jagram Singh S/o Rajaram Yadav,  
Vill : Silpati, Ashok Nagar,  
Guna.

(Transferor)

(2) Shri Neelam Singh S/o Musar Singh Yadav,  
Vill : Silpati, Ashok Nagar,  
Guna.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 23rd April 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80:—Whereas, I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri. land situated at Silpati, Guna (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ashok Nagar on 23-8-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Agricultural land admeasuring 5.016 Hectres Survey No. 672, situated at Vill : Silpati, Ashok Nagar, Guna.

VIJAY MATHUR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

Date : 23-4-1981.

Seal :

## FORM LT.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 22nd April 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80:—Whereas, I, VIJAY MATHUR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House No. 4/2056 situated at Devgarvadi, Ujjain, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ujjain on 5-8-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) Shri Hatimbhai S/o Fidaussain,  
R/o Pt. Ramprasad Bhargava Marg,  
Ujjain.

(Transferor)

(2) Shri Gusfali S/o Gulamali Buttrivih,  
(ii) Smt. Juveda Bai W/o Shri Gusfali,  
R/o Kharakuwa, Ujjain.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

House No. 4/2056 New No. 36/2, situated at Devgarvadi, Ujjain.

VIJAY MATHUR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 22-4-1981.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

26—76GI/81

## FORM LT.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 23rd April 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80:—Whereas, I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One house situated at Baraipura, Vidisha (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vidisha on 2-8-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Chimanlal S/o Keshirlal for self and Guardian for minor son Balram S/o Chimanlal, R/o Baraipura, Vidisha. (Transferor)

(2) Shri Devilal & Rajkumar S/o Dayachand Sahu, Through Guardian Dayan Chand Sahu, R/o Khari Phatak, Vidisha. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

One house situated at Baraipura, Vidisha. (Thrible storied).

VIJAY MATHUR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 23-4-1981.  
Seal :

## FORM ITNS

(1) A. Marutha Pillai, & others,  
S/O Arunachalam Pillai,  
Abishakapuram,  
Coimbatore.

(Transferor)

(2) M. Balasubramaniam,  
Secretary.,  
Tiruchirapalli Market Committee,  
Tiruchirapalli.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, MADRAS

Madras, the 14th April, 1981

Ref. No. 10941:—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 57/5/A3, Abishakapuram situated at Coimbatore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore. (Doc. No. 1831/80) on August, 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land at No. 57/5/A3/23, Abishakapuram, Coimbatore. (Doc. No. 1831/80).

RADHA BALAKRISHNAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,  
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely : —

Date : 14-4-1981.

## FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, MADRAS

Madras, the 14th April, 1981

Ref. No. 9082:—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 117, 117A, 18, T. S. R. Big St ; situated at Kumbakonam, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at (Doc. No. 1637/80) on August, 1980 .

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Kalliya Perumal & others,  
S/o. Meenakshi Sundara Pillai,  
Mutt Street,  
Kumbakonam.

(Transferor)

(2) E. M. Murugananthan, & others,  
S/o. Marappa Chettiar,  
New Street,  
Kumbakonam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land Building at No. 117, 117A, 118, T.S.R. Big Street, Kumbakonam.  
(Doc. No. 1637/80).

RADHA BALAKRISHNAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date : 14-4-1981,  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6000

Madras, the 14th April, 1981

Ref. No. 10926:—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 25/54, 25/55, 25/56, Kothagiri Town situated at Nilgiris. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kothagiri (Doc. No. 722/80 on August, 1980) for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Lt. Col. Mostyn Wailliam & others  
Bankshire,  
Kotagiri,  
Nilgiris.

(Transferor)

(2) Smt. Thankamma James,  
W/o. James Chorian,  
Chakolamannil,  
Maramon Post,  
Alleppy District,  
Kerala State.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land and Building at No. 25/54 to 25/56, Kotagiri Town, Bilgiris.

(Doc. No. 722/80).

A. RISHNAN,  
RADHA BALAK  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,  
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date : 14-4-1981.  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

(1) K. M. Abdul Majed,  
S/o. Kollimalal Mohammed Sheriff,  
Rastha Musulim Street,  
Tirupalathurai,  
Papanasam T. K.  
Tanjore Dt.

(Transferor)

(2) K. P. Mohammed Ali,  
S/o. Beer Mohammed,  
Rastha Musulim Street,  
Tirupalathurai,  
Papanasam T. K.,  
Tanjore. Dt.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600006, the 14th April 1981

Ref. No. 9089:—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 350/3, situated at Tirupalathurai, Papanasam T. K., Tanjore St.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Papanasam. (Doc. No. 1126/80) on August, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land and Building at S. No. 350/3, Tirupalathurai Village, Papanasam T. K., Tanjore. Dt.  
(Doc. No. 1126/80).

RADHA BALAKRISHNAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,  
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-4-1981.  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600006, the 14th April 1981

Ref. No. 9084:—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN,, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 98, 4, No. A2/55, Kattu Puthur, Musiri T. K., situated at Trichy Dt. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kattu Puthur (Doc. No. 854/80) on August, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri M. C. Balasubramaniam,  
S/o Sakkaravarthi Reddiar,  
Mattu patti,  
Namakal T. K.,  
Salem Dt.

(Transferor)

(2) Shri M. D. Karuppa Pillai,  
S/o Duraiswamy Pillai,  
125, Bazaar Street,  
Mohanoor Village,  
Namakal. T. K.,  
Salem . Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land at S. No. 98/4/A1 & A2, Kattu Puthur, Musiri, T. K.,  
Salem Dt.  
(Doc. No. 854/80).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

RADHA BALAKRISHNAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,  
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date : 14-4-1981.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Heeral Constructions,  
839, Mount Road,  
Madras-2.

(Transferor)

(2) R. Gunasekaran & Others,  
10, 4th Street,  
Poes Garden,  
Madras-8.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961(43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS  
Madras-600006, the 14th April, 1981

Ref. No. 15751—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 10, 4th St ; Poes Garden, situated at Madras-8 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Triplicane (Doc. No. 740/80) on August, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land and Building at No. 10, 4th Street, Poes Garden, Madras-8.

(Doc. No. 740/80).

RADHA BALAKRISHNAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date : 14-4-1981.

Seal :

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Srinivasan,  
85, Cullway Subburaya Chetty Street,  
Pondicherry.  
(Transferor)

(2) Pondicherry State Co-operative Union Limited,  
P. No. 259,  
Pondicherry.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600006, the 14th April 1981

Ref. No. 9068.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 40, Ponds, situated at Subbabar St.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ponds Doc. No. 1648/80 on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land and Building at No. 40, Subbabar Street, Pondicherry.

(Doc. No. 1648/80).

RADHA BALAKRISHNAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,  
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

27—76GI/81

Date : 14-4-1981.

Scal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600006, the 16th April 1981

Ref. No. 15635—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 51 Seethamma Rd., Madras-18 situated at Alwarpet, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore (Doc. No. 1493/80) on 5-8-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri P. R. Parthasarathy,  
Sri P. Rajagopalan  
(Minor, by power agent Sulochana Sampathkumar),  
51 Seethamma Road,  
Madras-18.

(Transferor)

(2) Sri Sushilkumar Agarwal;  
Smt. Meera Sushilkumar,  
46, Warren Road, Mylapore,  
Madras-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Undivided 1/3 share in House and Ground and premises bearing Door No. 51, Seethamma Road, Alwarpet, Madras-18, in R. S. No. 3769/3 Part.

RADHA BALAKRISHNAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date : 16-4-1981.

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX

## ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600006, the 16th April 1981

Ref. No. 15635:—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

51, Seethamma Road, situated at Alwarpet, Madras-18. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore (Doc. No. 1494/80), on 5-8-1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Sri P. R. Sampathkumar;  
Sri P. S. Srikumar,  
rep. by Power of Attorney Sulochana Sampathkumar,  
51, Seethamma Road.,  
Madras-18.

(Transferor)

(2) Sri Sushilkumar Agarwal ;  
Smt. Meera Sushilkumar,  
46, Warren Rd., Mylapore,  
Madras-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or pay moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Undivided 1/3 share in House and Ground and premises bearing Door No. 51, Seethamma Road, Alwarpet, Madras-18. in R. S. No. 3769/3 Part.

RADHA BALAKRISHNAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,  
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date : 16-4-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600006, the 16th April 1981

Ref. No. 15635:—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

51 Seethamma Road, situated at Alwarpet, Madras-18, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Mylapore (Doc. No. 1590/80), on 26-8-1980, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Sri R. Desikan,  
6a Harichand Road,  
Cox Town, Bangalore-5  
(Transferor)

(2) Sri Sushilkumar Agarwal ;  
Smt. Meera Sushilkumar,  
46, Warren Road, Mylapore,  
Madras-4.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Undivided 1/3 share in House and Ground and premises bearing Door No. 51, Seethamma Road, Alwarpet Madras-18, in R. S. No. 3769/3 Part.

RADHA BALAKRISHNAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-4-1981

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600006, the 14th April 1981

Ref. No. 15654:—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

250, Peters Road, situated at Madras-14, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at Triplicane. (Doc. No. 692/80) on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) M/s. V. Manilal Shah & others,  
54, Audiappa Naicken Street,  
Madras-1.

(Transferor)

(2) K. Santhanam,  
No. 2, Maharani Chinnamba Road,  
Alwarpet,  
Madras-18.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Vacant Land at No. (R. S. No. 1299 Pt. & 1303/2 Pt.)  
250, Peters Road, Madras-14.  
(Doc. No. 692/80).

RADHA BALAKRISHNAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,  
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-4-1981  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600006, the 14th April 1981

Ref. No. 15653:—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

250, Peters Road, Madras-14, situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Triplicane. Doc. No. 693/80), on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) M/s. V. Manilal Shah & others,  
54, Audiappa Naicken Street,  
Madras-1.

(Transferor)

(2) P. Sridaran,  
Sornavoor (village & post),  
Via Melpattambakkam,  
South Arcot. Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Vacant Land at No. (S. No. 1299 Pt. & 1303/2 Pt.) 250, Peters Road, Madras-14.  
(Doc. No. 693/80).

RADHA BALAKRISHNAN  
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date : 14-4-1981.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MDARAS

Madras-600006, the 14th April, 1981

Ref No. 15652 :—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 3, Peters Road, situated at Madras-14, R. S. No. 1299 Pt. & 1303/2 Pt.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Triplicane, (Doc. No. 694/80) on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) M/s. V. Manilal Shah and 7 others,  
54, Audippa Naicken Street,  
Madras-1.

(Transferor)

(2) Sri V. Upendran,  
Sornavoor, (village & POST),  
Via Melpattiambakkam,  
S.A. Distt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

## THE SCHEDULE

Vacant Land at No. (R S. No. 1299 Pt. & 1303/2 Pt.)25),  
Peters Road, Madras-14.

RADHA BALAKRISHNAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax  
Acquisition Range-II, Madras-600006

Date : 14-4-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600006, the 14th April 1981

Ref. No. 15651 :—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

250 Peters Road, situated at Madras-14.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Triplicane. (Doc. No. 695/80) on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) M/s V. Manilal Shah & others,  
54, Audiappa Naicken Street,  
Madras-1.

(2) M/s. Samco Transport (P) Ltd.,  
No. 90 Moore Street,  
Madras-1.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Vacant Land at No. (S. No. 1299 Pt. & 1303/2 Pt.)  
250, Peters Road, Madras-14.  
(Doc. No. 695/80).

RADHA BALAKRISHNAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-4-1981  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, MADRAS

Madras-600006, the 14th April, 1981

Ref. No. 15650 :— Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

250, Peters Road, situated at Madras-14, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Triplicane (Doc. No. 696/80) on August, 1980, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) M/s. V. Manilal Shah & others,  
54, Audiappa Naicken Street,  
Madras-1.

(Transferor)

(2) M/s. Supremo Techniques & Construction Private Limited,  
32, Perumal Mudali Street,  
Madras-14.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Vacant Land at No. (R. S. No. 1299 Pt. & 1303/2 Pt.) 250, Peters Road, Madras-14.  
(Doc. No. 696/80).

RADHA BALAKRISHNAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,  
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date : 14-4-1981.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

## OF INCOME-TAX

Office of the I.A.C. Acquisition Range, Jaipur

Jaipur the 29 April, 1981

Re. No. /IAC/Acq.—Whereas, I M.L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Show Room situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jaipur on 29-8-1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri H.N. Chaturvedi S/o. Late Shri Shivnath Chaturvedi self and G.P.A. holder of Smt. Sharad Mishra, Tribhuwan Nath, Shidh Nath, Smt. Shakuntala, Smt. Kishori & Smt. Saroj Chaturvedi, Niwas Kashi Bhawan, M.I. Road, Jaipur.

(Transferor)

(2) M/s Dewan Agencies, M. I. Road, Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Show Room at M. I. Road Jaipur alongwith Rooms, Garage, Tin Shed etc. on the back side and more fully described in the sale deed registered by S.R., Jaipur vide registration No. 2166 dated 29-8-80.

(M. L. CHAUHAN)  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax  
Acquisition Range, Jaipur

Date : 29-4-81

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—